WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

बिलासपुर, रविवार, 12 अक्टूबर 2025 | कृष्ण पक्ष- षष्ठी, | विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 | अंक- 178 | पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

जिसका डर था बेदर्दी वही बात हो गई। शांति का नोबेल पुरस्कार वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना को मिला गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो मुंगेरी लाल की तरह की नोबेल पुरस्कार की तरह सपना देख रहे थे उनके दिल के आरमां आंसुओं में बह गये। अलबत्ता भारत के विपक्षी नेता राहुल गांधी को जरूर उम्मीद बंधी होगी कि मोहब्बत की दुकान खोलने के लिए भविष्य में उन्हें नोबेल पुरस्कार मिल सकता है। वैसे दुनिया में अशांति फैलाने के लिए भी नोबेल पुरस्कार दिया जाता तो वह शर्तिया हथियारों के सबसे बड़े सौदागर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के हिस्से में आता।

स्वदेशी मेला : छत्तीसगढ़ का बस्तर डोकरा आर्ट बना आकर्षण का केन्द्र

■ स्वदेशी मेला केवल प्रदर्शनी नहीं, भारतीय परंपरा, संस्कृति और कौशल की जीवंत झांकी

रायपुर/नोएडा/नवप्रदेश । स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने और स्थानीय कारीगरों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से नोएडा हाट, सेक्टर-33ए में 10 दिवसीय यूपी ट्रेड शो-स्वदेशी मेला 2025 का शानदार आगाज हुआ है। यह मेला उत्तर प्रदेश सरकार की 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' की नीति को सशक्त रूप से आगे बढ़ाते हुए प्रदेशभर से आए शिल्पियों, कारीगरों और लघु उद्यमियों की कला एवं □ शेष पृष्ठ 6 पर

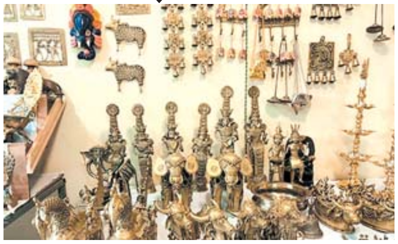

पूरा ढांचा ब्रास के तारों से निर्मित

सोनू नामक कलाकार ने बताया कि डोकरा आर्ट को देशभर की स्कूल की पुस्तकों में भी शामिल किया गया है, ताकि नई पीढ़ी इस प्राचीन धरोहर से परिचित हो सके। उन्होंने बताया कि एक अकेले पीस को बनाने में दो से चार महीने तक का समय लग जाता है और यह पूरी तरह से हैंडमेड तकनीक से तैयार होता है। इसकी कास्टिंग शहद के छत्ते से निकलने वाली मोम से की जाती है और पूरा ढांचा ब्रास के तारों से निर्मित होता है।

कला 4000 वर्ष पुरानी

सोनू ने बताया कि यह कला लगभग 4000 वर्ष पुरानी मानी जाती है और यह केवल बस्तर क्षेत्र में ही विशिष्ट रूप से प्रचलित है। यही कारण है कि डोकरा आर्ट को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिल रही है। मेले में आने वाले आगंतुक पारंपरिक कला से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं और स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी कर स्थानीय कारीगरों को समर्थन दे रहे हैं। यह आयोजन न केवल व्यापारिक मंच है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का भी एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। स्वदेशी मेला 2025 आने वाले दिनों में और अधिक भीड़ आकर्षित करेगा, ऐसी उम्मीद की जा रही है। यह आयोजन साबित कर रहा है कि अगर मंच मिले तो भारतीय कारीगरों की कला विश्व भर में अपनी अलग पहचान बना सकती है।

प्रेशर आईईडी की चपेट में आया जवान, रायपुर रेफर

बीजापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) की चपेट में आने से कोबरा 206 बटालियन का एक जवान घायल हो गया. घटना उसूर थाना क्षेत्र में उस समय हुई, जब पुजारी कांकेर एफओबी की टीम एरिया डोमिनेशन ऑपरेशन पर थी। घायल जवान को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया और बेहतर इलाज के लिए उसे हेलिकॉप्टर के जरिए रायपुर के हायर मेडिकल सेंटर भेज दिया गया है। बीजापुर एसपी डॉ. जितेंद्र यादव ने पुष्टि करते हुए बताया कि जवान की हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर है।

11 अरब डॉलर फंडिग का आईएमएफ ने मांगा हिसाब

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारत का पड़ोसी देश पाकिस्तान आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान से 11 अरब डॉलर का हिसाब मांग लिया। आईएमएफ से फटकार लगने के बाद पाकिस्तान अब चीन और अमेरिका समेत दुनिया के अन्य देशों के सामने हाथ फैला रहा है। बता दें, पाकिस्तान अब तक वित्तीय सहायता और रक्षा उपकरणों की आपूर्ति के लिए चीन से संपर्क कर रहा था, जबकि अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने उसे ऋण और कुछ हथियार व गोला-बारूद हासिल करने में भी मदद की थी।

आज से 17 तक विदेश दौरे पर रहेंगी कनाडाई विदेश मंत्री अनीता

ओटावा (आईएएनएस)। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद 12 से 17 अक्टूबर (कनाडाई समय) तक भारत, सिंगापुर और चीन के राजनयिक दौरे पर जाएंगी। दौरे पर उनका फोकस कनाडा की इंडो-पैसिफिक रणनीति के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर होगा। कनाडा सरकार ने एक आधिकारिक बयान में कहा, आज, विदेश मंत्री अनीता आनंद ने घोषणा की है कि वह कनाडा की हिंद-प्रशांत रणनीति के तहत इन देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए 12 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक भारत, सिंगापुर और चीन की यात्रा करेंगी।

टीटीपी का खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला

नई दिल्ली (आईएएनएस)। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के भारत दौरे ने पाकिस्तान की बेचैनी को बढ़ा दी। उसकी तालिबान से जंग छिड़ती नजर आ रही है। पाकिस्तान ने काबुल पर एयर स्ट्राइक कर दी। इसके बाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा पर बड़ा आत्मघाती हमला कर दिया।

लेबनान पर इजरायल का हवाई हमला: एक की मौत, 7 घायल

बेरूत (आईएएनएस)। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने इजरायली हमले की सख्त निंदा की है। शुक्रवार रात जबरदस्त बम बरसाए गए। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इन हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात घायल हो गए। औन ने कहा, एक बार फिर, दक्षिणी लेबनान नागरिक प्रतिष्ठानों पर बिना किसी औचित्य के जबरदस्त इजरायली हमले का निशाना बना है। उन्होंने आगे कहा, इस हमले की गंभीरता इस तथ्य में निहित है कि यह गाजा में युद्धविराम समझौते के बाद हुआ है।

पीएम मोदी ने किसानों के लिए 41 हजार करोड़ की दो नई योजनाओं का किया शुभारंभ

प्रदेश में खेती-किसानी की तस्वीर बदलेगी और आर्थिक संमृद्धि आएगी : सीएम साय

रायपुर /नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित मुख्य समारोह से देश के किसानों को 41 हजार करोड़ रूपए से अधिक की कृषि परियोजनाओं का उपहार दिया। उन्होंने इस मौके पर दो नई योजनाएं- प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया। इनमें प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के लिए 30 हजार करोड़ रूपए और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के लिए 11 हजार करोड़ रूपए शामिल है। इसके अलावा श्रीमोदी कृषि और संरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 1100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषक सभागार से हजारों किसानों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा ऑनलाईन जुड़कर इस अभियान के शुभारंभ के साक्षी बने। इस मौके पर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पशुपालन, मत्स्यपालन एवं डेयरी विकास मंत्री राजीव रंजन सिंह, केन्द्रीय कृषि राज्य □ शेष पृष्ठ 6 पर

■ पीएम धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन से विकसित भारत का सपना होगा साकार

■ मिशन के तहत छत्तीसगढ़ के जशपुर, कोरबा और दंतेवाड़ा जिले के चयन पर सीएम ने पीएम का माना आभार

■ मुख्यमंत्री ने किसानों को नई योजनाओं के लिए दी बधाई और शुभकामनाएं

देश कृषि आत्मनिर्भरता का नया इतिहास रच रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत रत्न जयप्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख की जयंती के दिन आज देश कृषि आत्मनिर्भरता का नया इतिहास रच रहा है। आज से प्रारंभ हुई दोनों योजनाएं देश के अन्नदाताओं को सशक्त बनाने और कृषि आत्मनिर्भरता के नए युग की शुरुआत है। खेती को लाभकारी और आधुनिक बनाने की दिशा में यह पहल मील का पत्थर सिद्ध होंगी। उन्होंने बताया कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में भारत का कृषि निर्यात बढ़ा है, शहद उत्पादन, पशुपालन, मत्स्यपालन सहित सहायक कृषि गतिविधियों में बढ़ोत्तरी हुई है। प्रधानमंत्री ने बताया कि विकास के पैरामीटर में पिछड़ रहे जिलों के लिए केंद्रित आकांक्षी जिला योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से सुधार का काम हुआ है। ठीक उसी तरह प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत खेती किसानी में पिछड़े देश के 100 जिलों के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा □ शेष पृष्ठ 6 पर

अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर

जिनपिंग के एक्सपोर्ट कंट्रोल पर ट्रंप ने 100% टैरिफ किया लागू

नई दिल्ली (आईएएनएस)। अमेरिका और चीन के बीच एक बार फिर से ट्रेड वॉर छिड़ता नजर आ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन से काफी नाराज हैं। उन्होंने चीन के ऊपर 100 फीसदी टैरिफ लगाया है। दरअसल, चीन ने अपने प्रोडक्ट्स पर एक्सपोर्ट कंट्रोल लागू करने का ऐलान किया है। चीन की इसी घोषणा से अमेरिकी राष्ट्रपति भड़क उठे। ट्रूथ पर पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, अभी-अभी पता चला है कि चीन ने व्यापार के मामले में बेहद आक्रामक रुख अपनाते हुए दुनिया को एक पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि वे 1 नवंबर, 2025 से अपने लगभग हर उत्पाद पर, यहां तक कि कुछ उत्पादों पर जो उनके द्वारा बनाए भी नहीं गए हैं, बड़े पैमाने पर निर्यात नियंत्रण लागू करेंगे। इसका असर सभी देशों पर पड़ेगा और जाहिर है कि यह योजना उन्होंने सालों पहले ही बना ली थी। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ है और दूसरे देशों के साथ व्यवहार करना एक नैतिक अपमान है।

चीन पर 100 फीसदी अन्य टैरिफ लगाने का ऐलान करते हुए उन्होंने आगे कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा, जो वर्तमान में चीन द्वारा चुकाए जा रहे किसी भी टैरिफ के अतिरिक्त होगा। इसके अलावा, 1 नवंबर से, हम सभी महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर पर निर्यात नियंत्रण लगा देंगे। यह विश्वास करना असंभव है □ शेष पृष्ठ 6 पर

1500 रुपए की रिश्वत मामले में 21 साल बाद मिला न्याय

■ हाईकोर्ट ने तहसील कार्यालय के तत्कालीन क्लर्क को किया दोषमुक्त

■ केवल नोटों की बरामदगी से नहीं होता आरोप सिद्ध

बिलासपुर/नवप्रदेश। हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में बिल्हा तहसील कार्यालय के तत्कालीन रीडर/क्लर्क बाबूराम पटेल को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत लगे आरोपों से बरी कर दिया है. कोर्ट ने कहा कि अभियोजन यह साबित करने में विफल रहा कि आरोपी ने रिश्वत की मांग की थी, या उसे अवैध लाभ के रूप में स्वीकार किया था. यह फैसला जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की सिंगल बैंच ने सुनाया। 5000 की रिश्वत मांगने का आरोपः दरअसल, लोकायुक्त कार्यालय, बिलासपुर में 20 फरवरी 2002 को शिकायतकर्ता □ शेष पृष्ठ 6 पर

केवल नोट मिलने से आरोप सिद्ध नहीं होता : हाईकोर्ट

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णय बी. जयाराज वर्सेज स्टेट आफ आंध्र प्रदेश (2014) और सौंदर्या राजन वर्सेज स्टेट (2023) का हवाला देते हुए कहा कि केवल नोटों की बरामदगी से रिश्वत का अपराध सिद्ध नहीं होता, जब तक मांग और स्वीकार का ठोस प्रमाण न हो. न्यायालय ने पाया कि, शिकायतकर्ता ने खुद कहा कि उसे यह स्पष्ट नहीं था कि 1500 रिश्वत थी या पट्टा शुल्क की राशि. उसने स्वीकार किया कि शिकायत लोकायुक्त एसपी के निर्देश पर लिखी गई थी और वह पूरी तरह नहीं पढ़ी गई थी. रिकार्ड किए गए वार्तालाप में भी आरोपी की आवाज स्पष्ट नहीं थी. ट्रैप टीम के तीन सदस्यों ने पैसे की बरामदगी के स्थान को लेकर विरोधाभासी बयान दिए, किसी ने दायें पाकेट, किसी ने बायें, तो किसी ने पीछे की जेब बताई. इन तथ्यों से कोर्ट ने कहा कि मांग, स्वीकारोक्ति और बरामदगी तीनों संदिग्ध और असंगत हैं. □ शेष पृष्ठ 6 पर

हाई कोर्ट ने कहा- अमानवीय पोस्टर में लिखा बच्चे की मां एचआईवी पॉजिटिव है

बिलासपुर/रायपुर। मां-बेटे की एचआईवी पहचान उजागर करने पर जताई सख्त नाराजगी, मुख्य सचिव से मांगा शपथपत्र, अगली सुनवाई 15 को। हाई कोर्ट ने रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल में हुई शर्मनाक घटना पर सख्त नाराजगी जताई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की डिवीजन बेंच ने शुक्रवार को इस मामले में संज्ञान लिया। जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य सचिव से व्यक्तिगत शपथपत्र मांगा है। हाई कोर्ट ने कहा कि यह न केवल अमानवीय है, बल्कि नैतिकता और निजता के अधिकार का घोर उल्लंघन भी है।

कोर्ट ने पूछा- अस्पतालों में गोपनीयता बरतने के लिए क्या कदम उठाए गए : हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि वे 15 अक्टूबर 2025 तक व्यक्तिगत शपथपत्र दाखिल करें। इसमें यह बताने कहा गया है कि सरकारी अस्पतालों, □ शेष पृष्ठ 6 पर

अगली सुनवाई 15 अक्टूबर 2025 को होगी

रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल में नवजात शिशु के पास एक पोस्टर लगाया गया था, जिस पर लिखा था- बच्चे की मां एचआईवी पॉजिटिव है। यह पोस्टर गाइनो वार्ड में भर्ती मां और नर्सरी वार्ड में रखे नवजात के बीच लगाया गया था। जब पिता अपने शिशु को देखने पहुंचा, तो उसने पोस्टर देखा और भावुक होकर रो पड़ा। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद हाई कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल सुनवाई की। सुनवाई के दौरान सीजे सिन्हा ने कहा कि यह अत्यंत अमानवीय, □ शेष पृष्ठ 6 पर

सुकमा जिले में लोगों के जीवन में आया बदलाव

सुकमा /नवप्रदेश। जल जीवन मिशन ने छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के पोलमपल्ली गांव में हर घर में नल के पानी का कनेक्शन सफलतापूर्वक उपलब्ध कराकर एक उल्लेखनीय बदलाव लाया है। इस पहल से अब निवासियों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पोलमपल्ली के निवासी पहले बरसात और गर्मी के मौसम में पानी की कमी से जूझते थे। अब जल जीवन मिशन के तहत नियमित नल के पानी की आपूर्ति का लाभ उठा रहे हैं। इस विश्वसनीय पहुंच ने पानी की कमी की लगातार चली आ रही समस्या का समाधान कर दिया है। इस पहल से महिलाओं और बुजुर्गों को भी बहुत राहत मिली है, जिन्हें पहले पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। इस दौरान अक्सर शारीरिक कष्टों का सामना करना पड़ता था। अब उनके घर पर ही नल का पानी उपलब्ध होने से उनकी दैनिक परेशानियां काफी कम हो गई हैं। स्वच्छ पेयजल की पहुंच से ग्रामीणों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। जलजनित रोगों में कमी सुरक्षित जल की उपलब्धता का प्रत्यक्ष परिणाम है।

गरमा - गरम

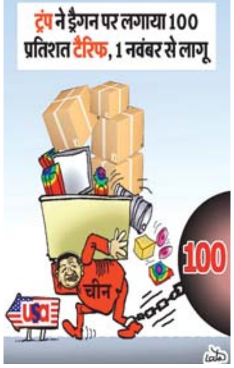

बिन बिजली जंगल सफारी | बेहतर इलाज के लिए भेजा गया था गुजरात

वनतारा में इलाज के दौरान बिजली की मौत

रायपुर/नवप्रदेश। जंगल सफारी से इलाज के लिए बीमार बाघिन बिजली को 7 अक्टूबर को उसे ट्रेन से वनतारा जामनगर वाइल्डलाइफ रेस्क्यू एंड केयर सेंटर भेजा गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। बाघिन बिजली की उम्र 8 साल की थी। वह जंगल सफारी में पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थी। यूट्रस और ओरल में इन्फेक्शन था। उसे बेहतर इलाज के लिए ट्रेन से वनतारा भेजा गया। जहां उसका एक महीने तक इलाज चलना था। लेकिन वनतारा वाइल्डलाइफ रेस्क्यू रिहैबिलिटेशन सेंटर में बाघिन बिजली की मौत हो गई। वनतारा ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी पोस्ट जारी कर दी। जानकारी के अनुसार, बिजली की तबीयत पिछले कुछ समय □ शेष पृष्ठ 6 पर

स्पेशल मेडिकल टीम की देखरेख में उपचार

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बिजली की मौत के बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया कल वन विभाग की टीम और विशेषज्ञ डॉक्टरों की मौजूदगी में की जाएगी। इसके बाद रिपोर्ट के आधार पर स्थिति स्पष्ट होगी। कुछ दिन पहले भी बाघिन की तबीयत को लेकर वन विभाग ने बयान जारी किया था। जिसमें यह बताया गया था कि बिजली को लगातार निगरानी में रखा गया है। उसे स्पेशल मेडिकल टीम की देखरेख में उपचार मिल रहा था।

ट्रेन से भेजी गई थी जामनगर

बाघिन बिजली को उच्च स्तरीय देखभाल के लिए वनतारा जामनगर वाइल्डलाइफ रेस्क्यू एंड केयर सेंटर भेजा गया। इसके लिए जंगल सफारी के अधिकारियों ने दक्षिण पूर्व मध्य रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी से संपर्क किया। मंडल रेल प्रबंधक दयानंद और हावड़ा मुख्यालय के अधिकारियों के बीच चर्चा के बाद हावड़ा-अहमदाबाद गाड़ी में रायपुर स्टेशन से बिजली बाघिन को गुजरात भेजने की सहमति दी गई थी।

छत्तीसगढ़ की 9 राजनीतिक पार्टियों की मान्यता खतरे में

■ राज्य निर्वाचन आयोग ने सुनवाई पूरी की; अब फैसला केंद्रीय चुनाव आयोग करेगा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की 9 क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियों पर अब मान्यता समाप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग में इन दलों के खिलाफ सुनवाई पूरी हो चुकी है और अब अंतिम फैसला केंद्रीय निर्वाचन आयोग द्वारा लिया जाएगा। जिन पार्टियों की मान्यता खतरे में है, उनमें भारत भूमि पार्टी, भारतीय जनता सेक्युलर पार्टी, भ्रष्टाचार मुक्ति मोर्चा, छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच, छत्तीसगढ़ विकास गंगा राष्ट्रीय पार्टी, छत्तीसगढ़ समाज पार्टी, छत्तीसगढ़िया पार्टी, पिछड़ा समाज पार्टी यूनाइटेड और राष्ट्रीय गोंडवाना पार्टी शामिल हैं।

चुनाव खर्च की रिपोर्ट जमा नहीं कर पाए कई राजनीतिक दल

इन सभी दलों पर आरोप है कि इन्होंने वित्तीय वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के लिए अपने लेखा परीक्षित वार्षिक खातों को निर्धारित समय सीमा - यानी 30 नवंबर 2022, 31 दिसंबर 2023 □ शेष पृष्ठ 6 पर

अमेरिका-चीन में व्यापार युद्ध तेज, ट्रंप ने लगा दिया 100 प्रतिशत और टैरिफ, बाजारों में हड़कंप

बाजारों पर प्रभाव: शेयर बाजारों में भारी गिरावट

वाशिंगटन/ए.। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को चीन के खिलाफअतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफलगाने की घोषणा की है। ट्रंप के इस फैसले से दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। ट्रंप सरकार का यह कदम 1 नवंबर 2025 से लागू होगा और यह 100 फीसदी टैरिफ मौजूदा टैरिफ से अलग होगा। यानी अमेरिका का चीन के खिलाफटैरिफ अब 140 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। ट्रंप ने यह फैसला चीन द्वारा रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर लगाए गए नए नियंत्रणों के जवाब में लिया है, जिसे उन्होंने ÷अभूतपूर्व आक्रामकता÷ और ÷नैतिक अपराध÷ करार दिया।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा, "चीन ने दुनिया को बंधक बनाने की कोशिश की है। 1 नवंबर 2025 से अमेरिका चीन पर 100त्र टैरिफलगाएगा, जो वर्तमान टैरिफके अतिरिक्त होगा।" इसके अलावा, उन्होंने " सभी महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर" पर अमेरिकी निर्यात नियंत्रण लगाने की भी घोषणा की, जो तकनीकी क्षेत्र में चीन को झटका देगी। ट्रंप ने साफ कहा कि अगर चीन कोई और कदम उठाता है तो यह टैरिफ1 नवंबर की समयसीमा से पहले भी लागू किया जा सकता है।

1 नवंबर 2025 से (या चीन के किसी और कदम के आधार पर उससे पहले), अमेरिका चीन से आयातित सभी वस्तुओं पर वर्तमान टैरिफके अतिरिक्त 100% टैरिफलागू करेगा। इसके साथ ही, अमेरिका उसी तारीख से सभी महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर पर निर्यात नियंत्रण लागू करेगा। यह विश्वास करना असंभव है कि चीन ने ऐसा कदम उठाया, लेकिन उन्होंने ऐसा किया है, और अब इसका परिणाम इतिहास बनेगा।"

इससे पहले दिन में ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ होने वाली आगामी बैठक को रद्द करने की धमकी दी थी, जो दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (क्क्ष्ट) शिखर सम्मेलन से पहले होनी थी। हालांकि, शुक्रवार शाम को वाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, " हम देखेंगे कि क्या होता है।"

उन्होंने बैठक को पूरी तरह रद्द न करने का संकेत दिया, लेकिन तनाव स्पष्ट है।

दुर्लभ खनिजों पर चीन का नियंत्रण

चीन ने गुरुवार को दुर्लभ पृथ्वी तत्वों यानी रेयर अर्थ मिनरल्स और उनसे जुड़ी तकनीकों के निर्यात पर सख्त प्रतिबंध लगाए, जो चिप्स, बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण के लिए आवश्यक हैं। इन खनिजों के लिए अमेरिका चीन पर 80 प्रतिशत से अधिक निर्भर है। ट्रंप ने इसे ÷दुष्ट और शत्रुतापूर्ण÷ बताते हुए कहा कि इससे दुनिया के हर देश की जिंदगी मुश्किल हो जाएगी। चीन के इस कदम से पहले, दोनों देशों के बीच मई से एक नाजुक व्यापार युद्धविराम चल रहा था, जो अगस्त में 90 दिनों के लिए बढ़ाया गया था।

ट्रंप का पूरा संदेश

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, "अभी-अभी पता चला है कि चीन ने व्यापार के मामले में बेहद आक्रामक रुख अपनाया है और दुनिया को एक बेहद आक्रामक पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि वे 1 नवंबर, 2025 से अपने लगभग हर उत्पाद पर, यहां तक कि उन उत्पादों पर भी जो उनके द्वारा नहीं बनाए गए हैं, बड़े पैमाने पर निर्यात नियंत्रण लगाएंगे। यह बिना किसी अपवाद के सभी देशों को प्रभावित करेगा और जाहिर तौर पर यह योजना उन्होंने वर्षों पहले ही बना ली थी। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में ऐसा बिल्कुल नहीं सुना गया है और अन्य देशों के साथ ऐसा व्यवहार करना एक नैतिक अपमान है। इसके जवाब में, अमेरिका ने केवल अपने हितों को ध्यान में रखते हुए, चीन के इस कदम का कड़ा जवाब देने का फैसला किया है। "

वैश्विक शेयर बाजारों में हाहाकार

ट्रंप की घोषणा के तुरंत बाद वैश्विक शेयर बाजारों में हाहाकार मच गया। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज पर डाउ जोन्स इंडेक्स में 2.5 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि नैस्डैक में 3 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 4 प्रतिशत लुढ़क गया। विश्लेषकों का कहना है कि 100 प्रतिशत शुल्क से अमेरिकी उपभोक्ताओं पर महंगाई का दबाव बढ़ेगा, क्योंकि चीनी से आना वाला सामान जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, खिलौने और उपकरण महंगे हो जाएंगे। वेल्स फारगो इकोनॉमिक्स के अनुसार, वर्तमान में चीनी आयात पर प्रभावी टैरिफ दर 40 प्रतिशत है, जिसमें स्टील-एल्यूमिनियम पर 50 प्रतिशत और उपभोक्ता सामानों पर 7.5 प्रतिशत शामिल हैं। नया शुल्क इसे दोगुना से अधिक कर देगा।

न्यूज गैलरी

जयंती के मौके पर पीएम मोदी ने जयप्रकाश को किया याद

'भारत की अंतरात्मा की सबसे निडर आवाजों में से एक'

नई दिल्ली (आईएएनएस)। आज लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत विभिन्न नेताओं ने जयप्रकाश नारायण को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने जयप्रकाश नारायण को भारतीय अंतरात्मा की सबसे निडर आवाजों में से एक बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति ने ही सामाजिक आंदोलन की शुरुआत की। उन्होंने ऐसे देश का सपना देखा, जहां समानता, नैतिकता और सुशासन हो। उन्होंने कई जन आंदोलनों को प्रेरित किया, जिनमें बिहार और गुजरात के आंदोलन प्रमुख हैं। इन आंदोलनों ने देश में सामाजिक और राजनीतिक जागरुकता को बढ़ाया। इन आंदोलनों ने केंद्र की कांग्रेस सरकार की जड़ें हिलाईं, जिसने देश में आपातकाल लागू किया।' जेपी आंदोलन ने ही देश में साल 1977 में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनाई। जयप्रकाश का जन्म 11 अक्तूबर 1902 को हुआ। साल 1999 में जयप्रकाश को उनकी सामाजिक सेवाओं के लिए मरणोपरांत भारत रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि लोकनायक जयप्रकाश का जीवन आम लोगों को सशक्त करने और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए समर्पित रहा। पीएम मोदी ने पोस्ट में लिखा कि 'आपातकाल के दौरान लिखी गई उनकी किताब 'जेल डायरी' के कुछ पन्ने यहां प्रस्तुत हैं। आपातकाल के दौरान, लोकनायक जेपी ने कई दिन एकांत कारावास में बिताए।

पेपर लीक के बाद रद्द की यूकेएसएसएससी परीक्षा

देहरादून(आईएएनएस)। उत्तराखंड सरकार ने यूकेएसएसएससी (उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग) की स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया है। परीक्षा के दौरान नकल और पेपर लीक होने के कई हफ्ते बाद राज्य सरकार ने यह बड़ा कदम उठाया है। पिछले दिन भाजपा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

ओडिशा को पीएम की सौगात, 160 करोड़ की दो मत्स्य परियोजनाओं की रखी आधारशिला

नई दिल्ली (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा को एक बड़ी सौगात दी है। इसके तहत पीएम मोदी ने ओडिशा में करीब 160 करोड़ रुपये की दो बड़ी मछली पालन (मत्स्य) परियोजनाओं की वर्चुअली आधारशिला रखी। ये आयोजन दिल्ली से हुआ, जहां उन्होंने 24,000 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (पीएम-डीडीकेवाई) और 11,440 करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर दाल मिशन की भी शुरुआत की।

ओडिशा के दो परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। इसके तहत 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला एकीकृत एक्वा पार्क, जो संबलपुर जिले के बसंतपुर में स्थापित होगा और 59.13 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली आधुनिक मछली बाजार, जो भुवनेश्वर के पंडारा इलाके में बनेगी। बता दें कि इस कार्यक्रम में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उप मुख्यमंत्री केवी सिंह देव और अन्य अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।

इस दौरान मुख्यमंत्री माझी ने बताया कि भुवनेश्वर में बनने वाली मछली बाजार प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत एक महत्वपूर्ण पहल है। इसमें केंद्र सरकार 30 करोड़ रुपये और राज्य सरकार बाकी राशि देगी। यह परियोजना भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) और राज्य सरकार के मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सहयोग से पूरी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह बाजार सीधे तौर पर 143 व्यापारियों को लाभ पहुंचाएगा और 2,000 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देगा। यह बाजार भुवनेश्वर और कटक जैसे शहरों की मछली की मांग को पूरा करेगा। इस परियोजना को नवंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

एक्वा पार्क के लिए 95.47 एकड़ सरकारी जमीन तैयार

वहीं, संबलपुर के हिराकुंड में बनने वाला एक्वा पार्क 95.47 एकड़ सरकारी ज़मीन पर तैयार किया जाएगा। इसमें केंद्र सरकार 60 करोड़ और राज्य सरकार 40 करोड़ रुपये खर्च करेगी। मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि यह पूर्वी भारत का पहला एक्वा पार्क होगा और इसे जनवरी 2027 तक पूरा किया जाएगा।

पूर्वोत्तर भारत की परिधि नहीं, बल्कि देश की ग्रोथ स्टोरी का धड़कता दिल है

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से शनिवार को कहा गया कि पूर्वोत्तर भारत की परिधि नहीं, नहीं बल्कि देश की ग्रोथ स्टोरी का धड़कता दिल है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि नए हवाई अड्डों से लेकर सशक्त स्वयं सहायता समूहों तक और कनेक्टिविटी से लेकर क्रिएटिविटी तक, अरुणाचल प्रदेश विकसित भारत की भावना को दर्शाता है। पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा लिखा गया एक आर्टिकल साझा किया। केंद्रीय मंत्री सिंधिया के इस पोस्ट में उन्होंने देश की ग्रोथ स्टोरी में अरुणाचल प्रदेश के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया।

जनजातीय समुदाय की प्रकृति-अनुकूल जीवनशैली सभी के लिए प्रेरणास्रोत

नई दिल्ली (आईएएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को गिर राष्ट्रीय उद्यान का दौरा किया और स्थानीय आदिवासी समुदाय से बातचीत की। उन्होंने उनकी प्रकृति-अनुकूल जीवनशैली की प्रशंसा करते हुए सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। राष्ट्रपति ने सोमनाथ मंदिर में दर्शन और पूजा के साथ अपने कार्यक्रम की शुरुआत की। राष्ट्रपति मुर्मू ने मंदिर के निकट सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इसके बाद, राष्ट्रपति ने गिर राष्ट्रीय उद्यान का दौरा किया और सासन गिर में स्थानीय जनजातीय लोगों से बातचीत की।

राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय लोगों के पास जीवन में प्रगति के अनेक अवसर हैं। उन्होंने जनजातीय लोगों से अपने बच्चों को सर्वोत्तम संभव शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करने का आग्रह किया। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सिद्दी जनजातीय समुदाय, जो एक आदिम जनजातीय समूह है, की साक्षरता दर 72 प्रतिशत से अधिक है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत सरकार ने आदिवासी लोगों के कल्याण के लिए विभिन्न पहल शुरू की हैं। उन्होंने सभी से विकासात्मक और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने और न केवल उनका लाभ उठाने, बल्कि गांव और समुदाय के लोगों को भी योजनाओं से जोड़ने का आग्रह किया।

संभल में फिर होगी बुलडोजर कार्रवाई

80 मकानों पर प्रशासन ने लगाए लाल निशान

संभल। रायसत्ती थाना क्षेत्र के मोहल्ला हातिम सराय में जिन 80 मकानों तालाब की जमीन पर बने होने की बात कहकर अवैध घोषित किया गया है, उसमें प्रशासनिक कार्रवाई में चूक होने का दावा किया गया है। सरायतरीन निवासी पूर्वी वार्ष्णेय ने दावा किया है कि जिस जमीन पर मकान बने हैं वह उनकी आठ बीघा पुश्तैनी जमीन थी।

उनकी दादी हातिम सराय निवासी राम सुनीति देवी ने लोगों को बेची थी। आरोप है कि प्रशासन ने तहसील के रिकॉर्ड चेक नहीं किए और कार्रवाई शुरू कर दी। जबकि यह जमीन निजी है इसका भी आदेश राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। हालांकि प्रशासन की लाल निशान वाली कार्रवाई के बाद लोगों में चिंता है।

तहसीलदार धीरेंद्र सिंह ने कहा था कि सरकारी आठ बीघा तालाब को पाटकर अवैध तरीके से 80 मकानों का निर्माण किया गया है। इसके लिए नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने के लिए 15 दिन का समय भी दिया था। इसी क्रम में बुधवार को 40 मकानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के लिए लाल निशान लगा दिए गए। जिन लोगों के मकानों पर लाल निशान लगाए गए वह चिंतित हैं। इसी कार्रवाई के दौरान पूर्वी वार्ष्णेय का दावा सामने आया है।

बाढ़ : महाराष्ट्र में मुआवजे पर सियासत

मुंबई। महाराष्ट्र में हाल ही में आई भारी बारिश और बाढ़ के कारण किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। ऐसे में अब राज्य सरकार द्वारा घोषित राहत पैकेज पर सियासत में गर्माहट सातवें आसमान पर पहुंच गई है। एक ओर जहां शिवसेना प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य सरकार के मुआवजे को इतिहास का सबसे बड़ा मजाक बताया है। तो वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर पलटवार करते हुए उनकी संभाजीनगर में हुई रैली और बयान को घड़ियाली आंसुओं का तमाशा करार दिया। संभाजीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना प्रमुख ने राज्य सरकार पर किसानों के मुआवजे को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य सरकार के मुआवजे को इतिहास का सबसे बड़ा मजाक बताते हुए कहा कि अगर सरकार ने किसानों के लिए पूर्ण कर्जमाफी की घोषणा नहीं की, तो किसान सड़कों पर उतरेंगे। इस दौरान ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने पीएम मोदी के हाल ही में किए गए महाराष्ट्र दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वे हाल ही में महाराष्ट्र आए लेकिन किसानों के मुद्दे पर एक शब्द नहीं बोले। उन्होंने सवाल उठाया कि जब किसानों की जिंदगी उजड़ गई है, तब सरकार में बैठे लोग चुप क्यों हैं।

बंगाल में ओडिशा की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से सवालों के घेरे में है। अभी कुछ दिन पहले ही भाजपा महिला सांसद पर अज्ञात लोगों ने हमला करते हुए घायल कर दिया था। वहीं अब एक बार फिर बंगाल से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस घटना ने एक बार फिर बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पश्चिम बर्धमान जिले में ओडिशा की रहने वाली एक मेडिकल कॉलेज छात्रा के साथ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। वारदात शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के पास हुई। बताया जा रहा है कि द्वितीय वर्ष की छात्रा अपनी एक सहेली के साथ रात के खाने के लिए बाहर गई थी। छात्रा के साथ रात के अंधेरे में कॉलेज के पास सुनसान जगह पर दुष्कर्म किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल छात्रा के परिवार के सदस्यों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि छात्रा शुक्रवार रात करीब 8 से 8.30 बजे अपनी सहेली के साथ कैंपस से बाहर गई थी। अधिकारी ने कहा, "जब तीन अज्ञात लोग वहां पहुंचे तो उसकी सहेली उसे अकेला छोड़कर भाग गई। उन लोगों ने उसका फोन छीन लिया और उसे कैंपस के बाहर सुनसान इलाके में ले गए, जहां उसके साथ ज्यादती की। उसे धमकी दी गई कि अगर उसने किसी को घटना के बारे में बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।"

स्टालिन ने ग्राम सभाओं को किया संबोधित

चेन्नई(आईएएनएस)। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तमिलनाडु की 10,000 से ज्यादा ग्राम सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया। स्थानीय आवश्यकताओं की पहचान करने और जीवन स्तर व बुनियादी ढांचे में सुधार के उद्देश्य से प्रस्ताव पारित करने हेतु 12,480 ग्राम पंचायतों में एक साथ बैठकें आयोजित की गईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, ÷गांव हमारे राष्ट्र की रीढ़ हैं। जैसा कि महात्मा गांधी ने कहा था, स्वतंत्र भारत की शक्ति उसके गांवों में निहित है। हमने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और स्थानीय शासन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। ये पहल तमिलनाडु की पंचायतों के विकास की नींव रखती हैं।

सीजेआई ने डिजिटल दौर में बालिका सुरक्षा पर जताई चिंता

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने डिजिटल युग में लड़कियों की सुरक्षा पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर हमलों, डिजिटल माध्यम से पीछा करने, व्यक्तिगत डाटा के दुरुपयोग और डीपफेक तस्वीरों जैसी समस्याओं के कारण लड़कियां गंभीर रूप से असुरक्षित हैं। उन्होंने कानून एवं प्रवर्तन एजेंसियों और नीति निर्धारकों के लिए विशेष कानून और प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया।

सीजेआई 'बालिकाओं की सुरक्षाः भारत में उसके लिए एक सुरक्षित और सक्षम वातावरण की ओर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम सुप्रीम कोर्ट की किशोर न्याय समिति के तत्वावधान में यूनिसेफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया गया था।

तीखा हमला ... *अफगान विदेश मंत्री की प्रेस कांफ्रेन्स से महिला पत्रकारों की नो एंट्री पर भड़के राहुल गांधी*

आपकी चुप्पी नारी शक्ति के नारे की पोल खोलती है': राहुल गांधी

नई दिल्ली/ए.। दिल्ली में शुक्रवार अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुतक्की द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को शामिल नहीं किए जाने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राहुल ने कहा कि जब प्रधानमंत्री ऐसे भेदभाव पर चुप रहते हैं तो यह पूरे देश की महिलाओं के प्रति कमजोरी और असंवेदनशीलता का संदेश देता है।

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, मोदी जी, जब आप महिला पत्रकारों को किसी सार्वजनिक कार्यक्रम से बाहर किए जाने की अनुमति देते हैं तो आप देश की हर महिला को यह बता रहे हैं कि आप उनके लिए खड़े होने में कमजोर हैं. हमारे देश में महिलाओं को हर क्षेत्र में समान भागीदारी का अधिकार है. ऐसे भेदभाव पर आपकी चुप्पी 'नारी शक्ति' के आपके नारों की खोखलापन उजागर करती है।÷

विपक्ष ने उठाए सवाल

अफगान विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को शामिल न किए जाने की खबर के बाद देश में राजनीतिक हलचल तेज हो गई. पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा कि जब महिला पत्रकारों को बाहर रखा गया, तो पुरुष पत्रकारों को तुरंत विरोध स्वरूप वॉकआउट करना चाहिए था। चिदंबरम ने ङ्ग (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, मैं स्तब्ध हूं कि महिला पत्रकारों को बाहर रखा गया. पुरुष पत्रकारों को तुरंत वॉकआउट करना चाहिए था।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि सरकार ने इस अपमानजनक स्थिति की अनुमति क्यों दी. उन्होंने लिखा, ÷प्रधानमंत्री मोदी जी, कृपया स्पष्ट करें कि तालिबान मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को क्यों हटाया गया? क्या आपके महिला अधिकारों के दावे सिर्फचुनावी नारे हैं?

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने इसे हर भारतीय महिला का अपमान बताया और कहा, सरकार ने तालिबान मंत्री को महिला पत्रकारों को बाहर रखने की अनुमति देकर देश की हर महिला का अपमान किया है. यह शर्मनाक और रीढ़विहीन कदम है।

विदेश मंत्रालय ने क्या कहा

विदेश मंत्रालय (MEA) ने साफकिया है कि 10 अक्टूबर को दिल्ली में अफगान विदेश मंत्री द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्रालय का कोई हस्तक्षेप या भूमिका नहीं थी. मंत्रालय ने यह भी बताया कि महिला पत्रकारों को इस प्रेस इंटरैक्शन में शामिल न करने का निर्णय MEA का नहीं था।

नोबेल पुरस्कार नहीं मिलने पर बोले ट्रंप, मैंने लाखों लोगों की बचाई जान

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना माचाडो ने यह पुरस्कार उनके सम्मान में स्वीकार किया है। ट्रंप ने कहा कि माचाडो ने उन्हें फोन कर बताया कि वे यह सम्मान उनकी वजह से ले रही हैं। शनिवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान ट्रंप ने कहा, जिस व्यक्ति को नोबेल पुरस्कार मिला, उसने आज मुझे फोन किया और कहा, 'मैं यह पुरस्कार आपके सम्मान में ले रही हूं, क्योंकि वास्तव में यह आपको मिलना चाहिए था।' मैंने तो उनसे यह नहीं कहा कि मुझे दे दो, लेकिन लगता है उन्होंने खुद ही यह चाहा। मैं खुश हूं, क्योंकि मैंने लाखों लोगों की जान बचाई है। नॉर्वे की नोबेल कमिटी ने इस वर्ष का शांति पुरस्कार माचाडो को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और तानाशाही से लोकतंत्र की शांतिपूर्ण ओर संक्रमण के प्रयासों के लिए प्रदान किया। कमिटी ने उन्हें वेनेजुएला के नागरिकों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण संक्रमण की दिशा में अथक संघर्ष के लिए सम्मानित किया।

धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन किसानों को सशक्त बनाने ऐतिहासिक कदम : तोखन

प्रधानमंत्री मोदी ने धन धान्य कृषि योजना: दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का किया शुभारम्भ, जिला स्तरीय कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री तोखन साहू हुए शामिल

■ लाइव प्रसारण से वर्चुअली जुड़े जिले के सैकड़ों किसान

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन एवं अन्य कार्यक्रमों का शनिवार को नई दिल्ली के पूसा संस्थान से शुभारम्भ किया। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप मे केंद्रीय मंत्री तोखन साहू शामिल हुए। तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह भी इस अवसर पर मौजूद रहे। जिले के सैकड़ों किसानों ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन को वर्चुअली सुना।

केंद्रीय मंत्री तोखन साहू इस अवसर पर ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं ने उनके जीवन में खुशहाली लाई है। नई कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन किसानों को सशक्त बनाने तथा कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं। उन्होंने कृषकों से दलहन उत्पादन बढ़ाने, नई तकनीकों को अपनाने और वैज्ञानिक पद्धतियों से खेती कर अपनी आय में वृद्धि करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, अंबालिका साहू सभापति, डॉ. एन. के. चौरे अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय बिलासपुर, डॉ. एस. एल. स्वामी अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय लोरमी, डॉ. संजय वर्मा मुख्य वैज्ञानिक क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र बिलासपुर तथा डॉ. गीत शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र बिलासपुर, कृषि विभाग के उपसंचालक पीडी हथेश्वर इस अवसर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि महाविद्यालय,कृषि विभाग, आकाशवाणी के अधिकारियों की मौजूदगी रही।

कृषि पद्धतियों के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना उद्देश्य

कृषि महाविद्यालय द्वारा आम की तीन किस्में आम्रपाली, मल्लिका और दशहरी को एक ही पौधे में ग्राफ्टिंग तकनीक से जोड़कर तैयार किया गया विशेष पौधा अतिथियों को स्मृति चिह्न के रूप में भेंट किया गया। यह नवाचार कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में महाविद्यालय की उन्नत तकनीकी क्षमता का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत योजनाओं की रूपरेखा, किसानों के लिए लाभ, तकनीकी नवाचार, बीज वितरण, प्रसंस्करण एवं विपणन की जानकारी किसानों तक पहुँचाई गई। पीएम धन धान्य कृषि योजना का मुख्य उद्देश्य हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता को बढ़ावा देना और किसानों को आसान ऋण एवं भंडारण सुविधाएं प्रदान करना और कृषि पद्धतियों के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना है। इस योजना के तहत योजना के तहत देश के 100 कम उत्पादकता वाले जिलों का व्यापक विकास किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के तीन जिले योजना में शामिल हैं।

■ न्यूज गैलरी

संघ का आज शताब्दी वर्ष पर विशेष पथ संचलन

सीपत/नवप्रदेश। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मण्डल सीपत द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विजयादशमी उत्सव का आयोजन विशेष रूप से किया जा रहा है, क्योंकि यह वर्ष संघ के शताब्दी वर्ष का प्रतीक है। इस अवसर पर आज आत्मानंद स्कूल प्रांगण, सीपत में भव्य पथ संचलन और उत्सव का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जिला सह बौद्धिक प्रमुख सुनील चौहान और मुख्य अतिथि जांजी सरपंच राजेन्द्र पाटले की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। आयोजन के तहत दोपहर 1.30 बजे स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण होगा तथा दोपहर 2.30 बजे से पथ संचलन प्रारंभ होगा। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि विजयादशमी उत्सव संगठन, अनुशासन, और राष्ट्रनिष्ठा का प्रतीक है। शताब्दी वर्ष के इस विशेष अवसर पर पथ संचलन के माध्यम से समाज में एकता, संस्कार और सेवा के भाव को और सुदृढ़ करने का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों के पूर्ण गणवेश में शामिल होने की अपील की गई है। आयोजन को लेकर स्वयंसेवकों में उत्साह का माहौल है और तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। संघ के सदस्य इसकी तैयारी में जुटे हुए हैं। यह जानकारी आरएसएस संघ के दीपक गुप्ता ने दी।

विजिबिलिटी घटी, हाईकोर्ट ने यातायात व्यवस्था पर भी उठाए सवाल

कोरबा में प्रदूषण और हादसों पर हाईकोर्ट सख्त उड़ती राख और कोयले के डस्ट से लोग परेशान

बिलासपुर/नवप्रदेश। कोरबा में बढ़ते प्रदूषण और हादसों पर हाईकोर्ट ने कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट पर सख्त नाराजगी जताई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच ने औद्योगिक इकाइयों की उड़ती राख, कोयले के डस्ट और अव्यवस्थित ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर सवाल उठाया है। इस केस में हाईकोर्ट ने बाल्को को पक्षकार बनाते हुए नोटिस जारी किया है।

दरअसल इस मामले में कोर्ट कमिश्नर रवींद्र शर्मा ने अपनी रिपोर्ट दी है, जिसमें बताया है कि कोरबा जिले में भारी वाहनों का भारी दबाव है, जिसके चलते सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं, जो हादसों का प्रमुख कारण है। अवैध पार्किंग और उड़ती राख के कारण स्थानीय नागरिकों का जीवन प्रभावित हो रहा है। कोरबा का खनन क्षेत्र अब धूल और धुएं का शहर बन चुका है। कारखानों की चिमनियां शहर के बीचोंबीच हैं, जिससे वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक सीमा तक पहुंच गया है। उड़ती राख और कोयले के डस्ट से विजिबिलिटी घटती है। नागरिकों की शिकायतों के बावजूद स्थायी समाधान नहीं हो सका है। दरअसल, हाईकोर्ट ने कोरबा में बेतरतीब कोयला परिवहन, फ्लाई ऐश प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर स्वतः संज्ञान में लेते हुए जनहित याचिका के रूप में सुनवाई शुरू की है। जिसमें प्रदूषण से फैल रही बीमारियां, लोगों की समस्याएं और यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए गए हैं। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल व वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव संयुक्त रूप से सुनिश्चित करें कि कोरबा क्षेत्र में संचालित सभी थर्मल पावर प्लांट्स पर्यावरण नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाएं। इस मामले की अगली सुनवाई 29 अक्टूबर 2025 को निर्धारित की गई है। हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल और वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव को निर्देश दिया है कि वे व्यक्तिगत शपथपत्र दाखिल करें। इन दोनों रिपोर्टों को राज्य के मुख्य सचिव के संज्ञान में भी लाने के आदेश दिए गए हैं, ताकि वे इस पर अतिरिक्त शपथपत्र दाखिल करें और बताएं कि अब तक क्या कदम उठाए गए हैं।

बालको को 24 घंटे में भेजा नोटिस

इस पर हाई कोर्ट ने कहा कि भारी वाहनों का दबाव, गड्ढों से भरी सड़कें, अवैध पार्किंग और उड़ती राख से लोग त्रस्त हैं। अब तत्काल ठोस कदम उठाना जरूरी है। हाईकोर्ट ने रजिस्ट्री विभाग को आदेश दिया कि बाल्को को 24 घंटे के भीतर पक्षकार बनाकर नोटिस भेजा जाए और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट की कॉपी बाल्को को दी जाए।

भाजपाइयों का हॉल जानने कुशाभाऊ परिसर में कल से लगेगी मंत्रियों की दरबार

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में भाजपा के चौथे कार्यकाल में पार्टी ने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की भी सुध लेने की योजना बना ली है। पार्टी कार्यकर्ताओं और सरकार के बीच समन्वय बना रहे और समय समय पर उनके अटके काम का निराकरण होता रहे इस लिहाज से प्रदेश सरकार के मंत्री प्रदेश कार्यालय में बैठकर कार्यकर्ताओं की समस्या सुन रहें और उनका समाधान निकालने की भी कोशिश कर रहे हैं। इसका पहला चरण पिछले सप्ताह ही पूरा किया गया था अब दूसरे चरण में 13 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक की तिथि सुनिश्चित की गई है जिसमे छत्तीसगढ़ शासन के अलग अलग विभागों के मंत्रीयों द्वारा बीजेपी कार्यलय कुशाभाऊ परिसर रायपुर में कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया जायेगा इसके लिए मंत्रियों से मिलने की तिथि और समय निश्चित किये गए हैं। 13 अक्टूबर दिन सोमवार को वित्त और वाणिज्य मंत्री ओपी चौधरी,14 अक्टूबर को, उपमुख्यमंत्री अरुण साव,15 अक्टूबर को स्वास्थ मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल,16 अक्टूबर को, महिला एवं बाल विकास समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और 17 अक्टूबर को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा कार्यकर्ताओं से भेंट मुलाक़ात कर कार्यकर्ताओं के मन की बात सुनेंगे। इस प्रक्रिया में भाग लेने हेतु कार्यकर्ताओं को मौके पर ही पंजीयन की व्यवस्था की दी है जिसका समय 1 बजे से 2 बजे के बीच निर्धारित किया गया है उसके उपरांत 2 बजे से शाम 5 बजे के बीच कार्यकर्ता मंत्री से मुलाक़ात कर अपनी बात रख सकते हैं। इस कार्यक्रम के संयोजन की जिम्मेदारी बेवरेज कोरपोरेशन के पूर्व अध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने को दी गई है। उक्त जानकारी बिलासपुर जिला ग्रामीण अध्यक्ष मोहित जायसवाल ने दी।

जरूरतमंद बच्चों की मुस्कान के लिए सजेगा 'लोकल तड़का 3.0'

■ राउंड टेबल, लेडी सर्कल और 41 क्लब का सामाजिक संगम

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर में एक बार फिर मनोरंजन और समाजसेवा का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। बिलासपुर राउंड टेबल 283, बिलासपुर लेडी सर्कल 144 और बिलासपुर 41 क्लब 123 के संयुक्त तत्वावधान में 'लोकल तड़का 3.0' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आगामी 12 अक्टूबर, रविवार को श्रीकांत वर्मा मार्ग स्थित कुंदन पैलेस में आयोजित होगा। इस सामाजिक एवं चैरिटी कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में राउंड टेबल एरिया 3 के चेयरमैन अमित बरडिया शामिल होंगे। कार्यक्रम की जानकारी बिलासपुर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में दी गई। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन शिखर सराफ, वाइस चेयरमैन अंचित भंडारी, सेक्रेटरी रितेश शाह, ट्रेजरार जीतू वाधवानी, लेडी सर्कल चेयरमैन स्वाति सुल्तानिया और सेक्रेटरी मोनिका अग्रवाल उपस्थित रहीं।

मनोरंजन और सेवा का अनूठा संगम

लेडिस सर्कल की चेयरपर्सन स्वाति सुल्तानिया ने बताया कि लोकल तड़का का यह तीसरा संस्करण है। पिछले दो वर्षों में इस कार्यक्रम को शहरवासियों का शानदार प्रतिसाद मिला है। उन्होंने कहा यह सिर्फ एक फंडरेजिंग इवेंट नहीं, बल्कि परिवारों के लिए मनोरंजन का भी बेहतरीन अवसर है। लोगों का सहयोग ही हमें बच्चों के भविष्य निर्माण में सक्षम बनाता है। कार्यक्रम में फूड स्टॉल, गेम्स ज़ोन, बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं, कपल और फैमिली एक्टिविटीज़, बैंड परफॉर्मेंस और हाउसी गेम्स जैसे कई मनोरंजक आकर्षण होंगे। हाउसी गेम में विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार भी रखे गए हैं।

राउंड टेबल संस्था की शुरुआत वर्ष 1962 में चेन्नई से हुई थी। देशभर में इसका विस्तार हुआ और आज यह संस्था शिक्षा और जरूरतमंद बच्चों की मदद के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। संस्था का प्रमुख उद्देश्य है– सरकारी स्कूलों में कक्षाओं का निर्माण, बच्चों के लिए किताबें, रेनकोट और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना, साथ ही बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना। चेयरमैन शिखर सराफ ने बताया कि 'लोकल तड़का 3.0' एक चैरिटी इवेंट है। इस आयोजन से प्राप्त होने वाले फंड का उपयोग सिरगिट्टी स्थित एक सरकारी स्कूल में चार नए क्लासरूम निर्माण के लिए किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राउंड टेबल बिलासपुर ने पिछले आठ वर्षों में लगभग 24 क्लासरूम विभिन्न स्कूलों में बनवाए हैं। ये क्लासरूम पूर्ण रूप से सुसज्जित होते हैं।

पर्यवेक्षक सिंघार आज लेंगे बैठक

बिलासपुर/नवप्रदेश। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत शहर अध्यक्ष चयन के लिए संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत केन्द्रीय पर्यवेक्षक उमंग सिंघार, नेताप्रतिपक्ष मध्यप्रदेश विधानसभा, राज्य पर्यवेक्षकगण धनेश पाटिला पूर्व मंत्री, नरेश ठाकुर कल 12 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे कांग्रेस भवन में शहर अध्यक्ष चयन के लिए बैठक लेंगे एवं योग्य उम्मीदवार के चयन हेतु कांग्रेस जनो से रायशुमारी करेंगे ।

कलवानी की चौथी स्मारिका उद्योग पर्यावरण व संस्कृति प्रकाशित

बिलासपुर /नवप्रदेश। गोदड़ीवाले बाबा की आशीर्वाद से इस एक वर्ष में राजकुमार कलवानी की चौथी स्मारिका उद्योग पर्यावरण एवं संस्कृति के रुप में प्रकाशित हुई। छत्तीसगढ़ के बड़े तीर्थ स्थान गोदड़ीधाम देवपुरी दरबार रायपुर में बाबा के वरसी महोत्सव में शामिल होने एवं आशीर्वाद लेने पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हांथों स्मारिका का विमोचन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर जलगांव के महंत साईं देवीदास, शदाणी दरबार के महंत साईं युधिष्ठिर लाल, देवपुरी दरबार की महंत अम्मां मीरा देवी, मथुरा के आचार्य जयभूषण शर्मा, ब्रम्हस्वरूप संत बाबा गेलाराम साहब के पुत्र साईं मोहनलाल सांसद एवं म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, श्रीचंद सुंदरानी, पूर्व विधायक सहित अन्य संतों, महात्माओं एवं सैकड़ों की संख्या में छत्तीसगढ, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश से आए बाबा के भक्तों एवं सेवादारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर सभी संतों महात्माओं का आशीर्वाद लेकर अपना जीवन सफल बनाया।

वैदिक महाविद्यालय सीपत में रक्तदान शिविर 14 को

■ हेलमेट, लाइसेंस और सम्मान पत्र के साथ बढ़ेगी जनजागरूकता की मिसाल

जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सीपत/नवप्रदेश। समाज सेवा और जनजागरूकता का संगम बनकर वैदिक महाविद्यालय, सीपत में 14 अक्टूबर, मंगलवार को विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं यातायात और साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। आयोजन के तहत नेत्र रोग, दंत चिकित्सा, आयुर्वेद सहित विभिन्न बीमारियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की व्यवस्था की गई है। विशेष रूप से रक्तदान करने वाले दाताओं को निःशुल्क हेलमेट, लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस और अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा । जो लोगों को सुरक्षा और सेवा दोनों का संदेश देगा। इस अवसर पर यातायात के एडिशनल एसपी रामगोपाल करियारे, थाना प्रभारी गोपाल सतपथी, महाविद्यालय के चेयरमैन द्वारिकेश पांडेय, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं पत्रकारगण उपस्थित रहेंगे। सामाजिक संस्था के सक्रिय सदस्य अर्जुन वस्त्रकार और अजय यादव के साथ कॉलेज प्रबंधन समिति ने आयोजन की तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में रक्तदान, यातायात अनुशासन और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर मानवीयता के इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने की अपील की है।

बैगलेस शनिवार में विविध गतिविधियों का आयोजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत रचनात्मक पहल है, जिसके अंतर्गत छात्रों को माह में द्वितीय और चतुर्थ शनिवार को अपना स्कूल बैग घर पर ही छोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस दिन छात्र किताबें और कॉपियां नहीं लाते, बल्कि खेल, कला, संगीत, स्थानीय व्यवसायिक कौशल (जैसे बढ़ई, दोना पत्तल, झाडू बनाने वाले, बागवानी आदि) इंटरैक्टिव गतिविधियों में भाग लेते हैं। आज बच्चों को ड्राइंग, नृत्य, फुगड़ी खेल, स्मार्ट क्लास और सुरक्षित शनिवार के अंतर्गत त्योहारों में होने वाले स्वस्थ संबंधित जोखिम पर चर्चा की गई।

संवाद

उसलापुर स्टेशन में अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन

मंडल रेल प्रबंधक खोईवाल ने यात्रियों व आमजनों से किया संवाद, ली महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया

बिलासपुर/नवप्रदेश। भारतीय रेल द्वारा अमृत संवाद के माध्यम से एक नई पहल की गई है जिसका उद्देश्य है जनता से सीधा संवाद, उनकी राय और सुझाव जानना, और रेलवे के विकास कार्यों में उन्हें सक्रिय भागीदार बनाना है। इसी कड़ी में आज 11 अक्टूबर को मंडल के उसलापुर स्टेशन में किया गया, जहाँ मंडल रेल प्रबंधक राजमल खोईवाल ने सीधे यात्रियों से बातचीत की।

इस अवसर पर वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह, उप मुख्य अभियंता (गतिशक्ति) एम के शाह, मंडल वाणिज्य प्रबन्धक एस भारतीयन, मंडल के अन्य अधिकारीगण, रेलवे कर्मचारी, यात्रीगण एवं मीडिया प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हो रहे पुनर्विकास कार्य, यात्री सुविधाओं में सुधार, स्वच्छता, महिला सुरक्षा, दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध सुविधाएं, ट्रेनों की समयबद्धता जैसी विभिन्न विषयों पर सार्थक संवाद किया। उपस्थित यात्रियों एवं नागरिकों ने रेलवे द्वारा स्टेशनों पर किए जा रहे विकास एवं पुनर्विकास कार्यों की सराहना करते हुए स्टेशनों में अंडरपास की सुविधा उपलब्ध कराने आदि जैसे अनेक रचनात्मक सुझाव भी प्रस्तुत किए। सीनियर डीसीएम अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम टू-वे कम्युनिकेशन का एक माध्यम है जिसमें यात्री अपनी राय खुलकर रखते हैं और रेलवे उन्हें सुनता है। फेस्टिवल सीजन में रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए 100% अधिक स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया है। अब जरूरत है कि इन ट्रेनों की जानकारी जन-जन तक पहुँचे ताकि सीटें खाली न जाएं और अधिक से अधिक लोग इसका लाभ ले सकें।

यात्रियों की सुझाव प्रेरणास्त्रोत

मंडल रेल प्रबंधक राजमल खोईवाल ने अपने संबोधन में कहा कि अमृत संवाद के तहत हम जनता से सीधे मिल रहे हैं, उनकी जरूरतें और सुझाव जान रहे हैं। यात्रियों से मिले कई उपयोगी सुझावों में अंडरपास जैसी सुविधाओं का भी जिक्र हुआ है, जिसे हम तकनीकी रूप से परखकर लागू करने की दिशा में काम करेंगे। यात्रियों के सुझाव रेलवे की प्रगति के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं और इन सुझावों को नीतिगत रूप से लागू करने के लिए गंभीरता से विचार किया जाएगा।

सुनो भाई उधो

कोन हे रावन, कहां हे रावन..!

परमानंद वर्मा

'ए सारा बेटा रावन कहां रहिथे गा, झम ले जब ओकर आखिरी दिन आथे तउने दिन परगट हो जथे। पाप ओला धर खावत होही, जाही कहां बोचक्के, अति के अंत तो होबे करथे।

गंगाराम पहाटिया आज बिहनिया ले चढ़ा ले रिहिसे तइसे लागथे, तभे तो इस्कूल मेर दइहान हे तिहां गाय-गरवा ला अपन ठाकुर मन के घर ले ढील-ढील के लानत रिहिसे।

इहां मिलगे ओकर कका गया परसाद। झूमरत राहय, गरवा मन ला आंय-बांय गारी-गुफ्तार लगावत राहय।

कका पूछथे- 'कइसे रे परलोखिया, आज फेर चढ़ा ले हस तइसे लागत हे?

गंगाराम बताथे- 'हव कका, नइ जानत हस का आज दसराहा तिहार हे। संझाकुन ये रावन सारे ला मारबो, आगी मं लेसबो।

-'तब ओला गारी काबर देवत हस रे, जानत हस, ओ कोन हे?

-'कोन हे कका, तहीं बताना?

-'अरे बामहन देवता हे रे, बामहन मन ला गारी नइ दे जाय, पाप लगथे, सराप मिलथे।

-'याह इही बामहन देवता हे गा, पर के इसतरी ला, भगवान राम के गोसइन ला भगा के, अपहरन करके लेगे, का इही बामहन के धरम हे। आज इही मेर कहूं ओहर हो जाए ते अस बजेड़तेंव? ते ओहर हौसड़ा गरम कर देतेंव।

-'नहीं रे, अइसे गारी-गुफ्तार आने-ताने नइ गोठिया बेटा, तंय पी लेहस ना तेकर सेती उलटा-सुलटा बकरत हस।

गंगाराम पूछथे- छोड़ कका, ये सब लपर-झपड़ के बात ला, मोला ये बता ये रावन रहिथे कहां?

सालभर देखउन नइ देवय, अउ अपन दिन-बादर आथे तहां ले झप्प ले पहुंच जथे।

कका गया परसाद बताथे- रावन ला तंय देख नइ सकस बेटा, बहुरुपिया हे ओहर। ओहर जिहां जाथे, धरती कांपे ले धर लेथे। अतेक अतलंग मचा देथे के बात झन पूछ, कोनो मं ओकर से सामना करे के हिम्मत नइहे?

-'अतेक परतापी, आतंकी हे, नक्सल मन ले घला शक्तिशाली हे?

-'तोला बतावत हौं ना, काहत का हौं अउ तंय समझत का हस?

-'अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ले घला जादा बलशाली हे?

-'अरे ओ ट्रम्प ला तो मुरई-मुनगा कस रट ले टोर के दू कुटा (टुकड़ा) कर के फेंक दिही, बघुवा ला मसल दिही, हनुमान जइसन ताकतवर ला कांही नइ छोड़िस तउन रावन हे, नर, बानर ला अपन अंगुली मं नचावत रहिथे।

-'तंय डेर्रा ते डेर्रा कका, मंय नइ डेर्रावव नहीं ओ रावन ला। महूं सुदामा पहाटिया के बेटा हौं।

जानस नइ का, एक घौं हुड़रा संग जब अभरे रिहिसे तब लाठी-लाठी बजेड़ के ओकर परान ले डरे रिहिसे।

वइसने जउन मोर अभेड़ा मं आ जथे ना ओला आज तक नइ छोड़े हौं। त ये रावन कोन चीज हे।

चांटी कस अइसने रमंज देहौं।

-'ये तंय नइ बोलत हस बेटा, जरूर रम थोकन चढ़ा ले हस न तउन शराब ह बोलत हे।

-'तंय सब ये छोड़ कका, मोला बता- के सारा बेटा रावन हे कहां, संझा बेरा लेसे के पहिली ओकर बुता अभी बना दौं।

कका बताथे- 'बेटा, रावन कहां नइहे, सब जघा रावन हे, का गांव, का शहर, का नगर अउ का महानगर। जउन अधरम, अनीति, अतियाचार, भ्रष्टाचार, बलात्कार करत फिरत हे, इही तो सब रावन हे। करहि अनीति जाय नहीं बरनी। सब दुखी, परेशान, अशांत अउ भयभीत हे।

कब का हो जही, राजसत्ता, धर्मसत्ता, अर्थसत्ता, न्यायसत्ता, विद्या के मंदिर, सब मठ, पंथ, धर्म अउ मजहब के मुखिया मन घला नीति, न्याय, धरम अउ सदाचार के रस्दा ला छोड़ के अधरम के रस्दा मं चल परे हे। ये मन कोन हे, इही मन तो सब रावन हे। निशाचार हे, असुर हे। बाहिर के रावन दीख जथे, फेर अंतस मं भरे रावन ला कोन देखे हे। नकली रावन ला मारथौ, जलाथौ फेर असली रावन तो कभू मरय नहीं। हम, तंय सब रावन हन।

कका कहिथे- 'धरम डर्रागे हे बेटा, ओ लुकाय-लुकाय फिरत हे कोनो ओकर रखवाला नइ मिलत हे। मंदिर-मसजिद, गिरिजा, गुरुद्वारा मं जाथे, कोनो मेर थोर बहुत थिरबांह मिल जाही फेर सब जघा पाखंडी के दरशन होथे। मुंह मं राम, बगल मं छुरी कस सब के आचरन होवत हे।

ओहर बताथे- 'इही हाल बहू-बेटी अउ गोसइन मन के घला होगे हे। देखत-सुनत नइ हस का, आये दिन अखबार, टीवी चैनल अउ मीडिया मं डांस अउ न्यूड पारटी चलत हे। सब ला रुपिया, पइसा चाबत हे बेटा, अंधरा-अंधरी बनगे हे।

इज्जत ला खुलेआम बेचत हे। ओ होटल, पब, क्लब, फार्म हाउस वाले मन बलावय नहीं, इही मन बरपेली झपाय परत हे।

कोन ला का कहिबे, इही सब रावन हे बेटा, तउन ला तंय मारिहौं कहिथस, बजेड़िहौं कहिथस, तंय का तोर बाप आ जही, तीन पुरखा आ जही तउनो ए रावन ला नइ मार सकय। ये अजर-अमर हे बेटा, अजेय हे तेकरे सेती अपने परब मं मौका पा के आ जथे।

कका बताथे- 'तंय जानस नहीं का, ओहर महान तपस्वी, रिसी, महात्मा पुलस्तस्य के नाती हे, अतेक बड़े कुल मं जनम लेके अतेक अधरमी होगे तेला ओकर दाई ददा अउ दादा हा घला नइ बचा सकिस। अपन-अपन करम भोग हे बेटा।

दस बजत रिहिसे, इसकुल के घंटी बाजगे, बिहनिया पाली के लइका मन के छुट्टी होगे।

दर-दरले कोठा ले ढिलाय गाय-पठरू, छेरी, बकेनी असन लइका मन कूदत-फांदत घर जाय बर निकलगे। एती गंगाराम घला अपन पहाट ला उसेल के भतीजा ला सौंप के नहाय-खाय बर घर आगे।

डॉ. अब्दुल कलाम जयंती एक प्रेरणादायक दिवस

15 अक्टूबर को भारत में अब्दुल कलाम जयंती के रूप में मनाया जाता है, जो देश के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती है। इस दिन को विश्व छात्र दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जो युवाओं को प्रेरित करने और उन्हें ज्ञान, नवाचार और देश के प्रति समर्पण के मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

कलाम का बचपन : आसमान की ऊंचाइयों को छूने के लिए हवाई जहाज और अन्य साधनों से भी जरूरी चीज है हौसला। हौसला आपकी सोच को वह उड़ान देता है जिसका शिखर कामयाबी की चोटी पर है। कामयाबी के शिखर तक पहुंचने की आपने यूं तो हजारों कहानियां पढ़ी होंगी लेकिन ऐसी ही एक जीती-जागती कहानी है पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की। भारत के पूर्व राष्ट्रपति, जिन्हें दुनिया 'मिसाइलमैन' के नाम से भी जानती है, का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को रामेश्वरम् (तमिलनाडु) में हुआ था। एपीजे अब्दुल कलाम का पूरा नाम डॉक्टर अबुल पाकिर जैनुलाअबदीन अब्दुल कलाम था।

कलाम अपने परिवार में काफी लाड़ले थे, लेकिन उनका परिवार छोटी-बड़ी मुश्किलों से हमेशा ही जूझता रहता था। उन्हें बचपन में ही अपनी जिम्मेदारियों का एहसास हो गया था। उस वक्त उनके घर में बिजली नहीं हुआ करती थी और वे केरोसिन तेल का दीपक जलाकर पढ़ाई किया करते थे।

अब्दुल कलाम मदरसे में पढ़ने के बाद सुबह रामेश्वरम् के रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर जाकर समाचार पत्र एकत्र करते थे। अब्दुल कलाम अखबार लेने के बाद रामेश्वरम् शहर की सड़कों पर दौड़-दौड़कर सबसे पहले उसका वितरण करते थे। बचपन में ही आत्मनिर्भर बनने की तरफ उनका यह पहला कदम रहा।

कलाम की शिक्षा : कलाम जब मात्र 19 वर्ष के थे, तब द्वितीय विश्वयुद्ध की विभीषिका को भी उन्होंने महसूस किया। युद्ध की आग रामेश्वरम् के द्वार तक पहुंच गई थी। इन परिस्थितियों में भोजन सहित सभी आवश्यक वस्तुओं का अभाव हो गया था। कलाम एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी में आए, तो इसके पीछे उनके 5वीं कक्षा के अध्यापक सुब्रह्मण्यम अय्यर की प्रेरणा जरूर थी।

अध्यापक की बातों ने उन्हें जीवन के लिए एक मंजिल और उद्देश्य भी प्रदान किया। अभियांत्रिकी की शिक्षा के लिए उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में दाखिला लिया। वहां इन्होंने एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में अध्ययन किया।

मिसाइल क्रांति की तरफ कदम : 1962 में वे 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' में आए। डॉक्टर अब्दुल कलाम को प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में भारत का पहला स्वदेशी उपग्रह (एसएलवी तृतीय) प्रक्षेपास्त्र बनाने का श्रेय हासिल है। अब्दुल कलाम भारत के मिसाइल कार्यक्रम के जनक माने जाते हैं। उन्होंने 20 साल तक भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन यानी इसरो में काम किया और करीब इतने ही साल तक रक्षा शोध और विकास संगठन यानी डीआरडीओ में भी। वे 10 साल तक डीआरडीओ के अध्यक्ष रहे। साथ ही उन्होंने रक्षामंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार की भूमिका भी निभाई। इन्होंने अग्नि एवं पृथ्वी जैसी मिसाइल्स को स्वदेशी तकनीक से बनाया था।

राष्ट्रपति का सफर : 18 जुलाई 2002 को कलाम भारत के 11वें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। इन्हें भारतीय जनता पार्टी समर्थित एनडीए घटक दलों ने अपना उम्मीदवार बनाया था जिसका वामदलों के अलावा समस्त दलों ने समर्थन किया था। 25 जुलाई 2002 को उन्होंने संसद भवन के अशोक कक्ष में राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। 25 जुलाई 2007 को उनका कार्यकाल समाप्त हो गया था।

ऐसे भारतीय मिसाइल प्रोग्राम के जनक और जनता के राष्ट्रपति के रूप में लोकप्रिय हुए पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का 27 जुलाई 2015 को शिलांग के आईआईएम में एक व्याख्यान देने के दौरान गिरने के बाद निधन हो गया।

व्यंग्य रचना : ठग

डॉ. किशोर अग्रवाल

कोई चीज किसी से ठग के लेना एक मजेदार सी घटना लगती है जिसमें एक पात्र सचेत नहीं होता और उसकी इस बेखबरी का फायदा दूसरा उठाता है। आम बोलचाल की भाषा में ठग का यही अर्थ लिया जाता है कि वह एक छोटी सी बेईमानी कर दूसरे को थोड़ा सा नुकसान पहुंचाता है। यह एक हल्का व माइल्ड सा इंप्रेशन देता है मानो कोई कुछ जरा सा ही हुआ हो । जिसके साथ होता है वह भी कहता है कि यार ठगा गए । लोग भी हल्की चेतावनी देते हैं कि समझ बूझ कर लेना ठगा मत जाना । परंतु भारतीय दंड संहिता की धारा 310 में ठग की बड़ी गंभीर परिभाषा है ÷जो कोई भारतीय दंड संहिता 1807 के पारित होने के पश्चात किसी समय हत्या द्वारा या हत्या सहित या शिशु की चोरी करने के प्रयोजन के लिए अन्य व्यक्ति या अन्य व्यक्तियों से अभ्यास्तः सहयुक्त रहता है वह ठग है।÷ हम इसी अर्थ वाले ठगों की बात कर रहे हैं। एक जमाना था जब ब्रिटिश शासन काल में भारत में ठगों ने उपद्रव मचा रखा था । यह लोग तीर्थयात्रियों एवं तिजारत करने वालों को रास्ते में घेर कर मार देते और माल असबाब सब लूट लिया करते थे ।मुल्क के हुक्मरानों ने मजबूर होकर महकमा इंसेदाद ए ठगी (ठगी उन्मूलन विभाग) खोला और निहायत जहीन नुमाइंदों को उस में जगह दी । उन्होंने दो तरकीबें इस्तेमाल की । एक तो यह कि खूब खोज खबर निकालकर ठगों के अड्डों का पता लगाया और उन्हें पीट पीट कर अपने कब्जे में किया, जेलों में कैदियों की संख्या यूं बढ़ाई गई । दूजे इसी महकमे के जो ज्यादा मौकापरस्त मुलाजिम थे वह इन्हीं ठगों के साथ हो गए । कानून ऐसा बनवा लिया कि ठगों द्वारा हासिल लूट के माल में इस महकमे के कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों का भी हिस्सा होगा ।इनका हौसला बढ़ाने के लिए इस हिस्सेदारी में सरकार भी शामिल होने लगी । फिर हुआ यह की ठगों ने जब देखा कि इन लोगों को हिस्सा देने के बाद उनके पास कुछ खास रकम बचती ही नहीं है बल्कि पहले की कमाई भी देनी पड़ रही थी , तो उन्होंने जाहिरा तौर पर ठगी से तौबा कर ली और चुनाव लड़ कर नेता हो गए । पहले के सच्चे वाले नेता अब तक खत्म हो चले थे ।अब ठग सरकार में शामिल होकर अपने अपने लिए अलग-अलग हिस्सा लेने लगे और कमाई बढ़ाने का हरसंभव उपाय अपनाने लगे । वे ऐसे मौकों की तलाश में रहने लगे। उन्होंने ठेकेदारों को जन्म दिया और उनके हौसले बढ़ाएं । ये आला कर्मचारियों के दम पर ठेकेदार बनते थे और उनमें बहुत से तो उन्हीं की औलादे ही थी । यह किसी सरकारी काम को सरकारी मुलाजिमों की अपनी कुशलता से ना होने देते थे। ऐसा वातावरण पैदा किया जाता कि सरकारी अमला और उसके मुलाजिम हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते और काम सारा ठेकेदारों को देने की जुगत बना दी जाती। अब लोक निर्माण विभाग , सिंचाई विभाग और दीगर जरूरी निर्माण कार्य वाले विभागों के इंजीनियर खुद नक्शे बनाकर अपनी तरह अपने कर्मचारियों से काम कराने की स्थान पर ठेकों के टेंडर निकालने और उसके काम नही करने की कैफियत को सही प्रमाणित करने का ओहदा संभालने लगे । आश्चर्य है यह है कि इस बेईमानी के काम की देखरेख के लिए इंजीनियरों के ऊपर बड़े इंजीनियरों की भी नियुक्ति की जाने लगी । मौके पर जाने व देखरेख का काम केवल ओवरसियर और सब इंजीनियरों का रह गया। उन्होंने जब देखा कि बड़ा इंजीनियर मुकम्मल जांच के लिए मौके पर ही नहीं आता और पेश की गई मेजरमेंट बुक और सब इंजिनियर के दस्तखत किए हुए बिलों पर ही कमीशन लेकर साइन कर देता है तो वे भी कूलर लगाकर अपने बंगलों पर सोने लगे । ठेकेदारों ने सारा काम अपने कब्जे में ले लिया। इन्होंने ठगों को शोभा दे ऐसी खूंरेजी यानी खून खराबे से भी परहेज न किया और मार काट कर धमकाकर ठेके लेने लगे। बहुत सा माल इस जरिए पैदा होकर असली ठगों तक पहुंचता रहा। शासन के कर्मचारी और कार्यकर्ता इसमें बराबर का हाथ बंटाने के लिए शरीक हुए। अफसर ठेकों की अफरा-तफरी मचा कर मनचाहे मुंह लगे ठेकेदारों को ठेका देने लगे और पुलिस इसमें बाधा पैदा करने वालों की ठुकाई और जरूरत पड़ने पर गिरफ्तारी के काम में लग गई और होने वाली कमाई में हिस्सा लेने लगी। गरीब जनता इन ठेकों में काम करने लगी और गरीबों की जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यापारियों ने अपनी दुकानें डाल दी। ठेकों को सुचारू रूप से चलाने के लिए किसान अपनी जमीनें देने लगे फिर इस ठगी से जिन जिन लोगों ने कमाई की उन से चंदा लेकर नेता चुनाव लड़ने लगे और ठगी की यह छीन झपट चलती रहे इस ख्याल से मजबूत इरादा कर लोग अपने नेता चुनने लगे। अब ठग अलग से नहीं दिखते हैं ।ठग खत्म हो गए , उनकी जगह सियासतदान पैदा हो गए हैं ।उन्होंने हालांकि काम वही संभाला हुआ है परंतु महकमा इंसेदाद ए ठगी अब कहीं नहीं दिखाई देता। गोया कि लोग सारे ही ईमानदार हो गए हों और जनता को कोई तकलीफही ना हो । लोग किससे किस की शिकायत करें? अब तो सभी के चेहरे एक जैसे ही हो गए हैं। कौन किसके विरुद्ध शिकायत करेगा ,कौन शिकायत सुनेगा और कौन न्याय कर सजा देगा ?जनता की समझ में यह सब आना और मुश्किल ही हो गया है।

अतलंग के सजा

प्रिया देवांगन

कइसे वो कहाँ जाए के तैयारी करत हस; मोटरा मन ल गठियात हस।

चिटरू मुसवा ह अपन बाई टीनी मुसवी ले पूछिस। टीनी अपन माथा धर के तेज आवाज म बोलिसङ्क- अरे...राम राम! कइसे बात करत हव जी आप मन; नइ जानव का गणेश पक्ष आवत हे? अब ग्यारह दिन तक उहें उसरङ्कपुसर के रहना बसना, खाना हे, प्रभु के सेवा म गाना-बजाना हे। अब तो हमरे राज चलही। पुछी ल हलावत टीनी बोलिस।

अच्छा.....ठीक.... ठीक मैं भुला गे रहेंव बाई! सोचत रहेंव की काहीं भुलाए-भुलाए कस लागत हे। फेर का ह ते सुरता नइ आवत रीहिस। टीनी एक हाथ ल कनिहा म रखत बोलिसङ्क ÷तोर तो चेत नइ रहय जी आजकल; जइसेङ्कजइसे उमर बाढ़त जात हे, दिमाग घलो कमती होत जात हे तइसे लागत हे।÷ अँखियात टोंट मारत टीनी ह बोलिस।

ये बाई! सुन न मैं तोला कुछ नइ बोलव ओखर मतलब मोर बेज्जती करबे का? अंगरी देखावत चिटरू बोलिस।

लगभग आधा घंटा तक मुसवाङ्कमुसवी के लड़ाई चलिस।

चलो रे..... लइकामन सबोझन झोला म अपन-अपन कपड़ा लत्ता ल धरौ। आधा दर्जन तो लइका रहय चिटरू के।

एक झन लइका पूछिसङ्क ÷दाई....ये दाईज्ज़हमन कोन गाँव जावत हन वो?÷ ऐदे बेटा; थोरिक दुरिहा हे रे अमलीडीही उहें जोरदार गणेश उत्सव मनाथें। ग्यारह दिन भंडारा करथे लोगनमन। टीनी बोलिस। त दाई! अब्बड़ मजा आही न खाय मा। सब ले छोटे टूरा टिच्च ले कूद के बोलिस। हव......हव। सब के सब मोटरा धर के रेंगत खुशी-खुशी अमलीडीही पहुँचगें। कतका बड़े शहर हे दाई! मैं कभू ऊँहा जा के खाहूँ, त कभू ऊँहा। छोटे मुसवा कहिस। हॉं, तहान गवां जाबे न त दांत ल खिसोर देबे। चुपचाप सब के सब एक सँघरा रहिबो, अलग-थलग नहीं।

वाह....! कतका सुग्घर पंडाल सजे हे। टीनी, चिटरू ल कोचक के बोलिस। हाव बाई; देख के चिटरू के आँखी चकचकागे।

छोटे टूरा बोलिसङ्क ÷दाई! ये कोन हरै वो, एकर सूंड़ कतका लंबा हे, कान घलो?÷

अरे बेटा इही तो हमर प्रभु हरे रे...। मुसवी बताइस।

बड़का टूरा उचक के बोलथे- ÷बाबूज्ज्वहा दे एक झन हमरे असन मुसवा पहिली ले आगे हवै.... फेर वो हा हालत-डोलत काबर नइ हे? ओला बड़े मुसवा ह छू-छू के हला के देखै; कभू ओखर पीठ म चढ़ जावै, कभू पूछी ल धर के हलावै, फेर काला हालही।

उतर रेज्ज्उतरज्ज कोन हरय रे भारी गरु हे! माटी के मुसवा बोलिस। मैं प्रभु के साथ आय हँव।

दाई ह हाँसत बताइस ये हमरे जाति के हरै बेटा, ये माटी के हरै।

त दाई .... माटी के मुसवा ल काबर रखे हे वो....? हमन के कमी हे का? हाव दाई मोला बइठा देतीस। बड़कू ह बोलिस।

तुमन ल बइठारे के का जरूरत, अब आय हव ता 'सेवा करो मेवा खाव।' सब ले पहिली नजर तो भोग लगे किसमङ्ककिसम के मेवा मिठाई म परिस। जइसे ही चिटरू के मंझला टूरा लड्डू ल उठइयाच रीहिस, ओकर दाई चट ले चेथी कोती दिस। अरे टूरा...! पहिली प्रभु के दर्शन कर के हाजरी तो देवा रे। आते साथ खाय ल भिड़गेस। एकदम अपन ददा ऊपर गे हस। टीनी के बोलते साथ चिटरू बग ले बाई कोती देख के बोलथे- ÷ए वो ये का बोलेस? लड्डू ल देख के कुर्ता म मोर लार ह टपकिस का?÷

हे प्रभु! मोर चिटरू अउ ये आधा दर्जन मोर लइका मन ल बने आशीर्वाद दे प्रभु; तोर सेवा करे बर आ हन माई-पिला। टीनी मुसवी हाथ जोड़ के प्रभु के चरण म घोलन के पाँव परिस। चलौ रे सब के सब दंडाशरण पाँव परो लम्बोदर भगवान के। प्रभु ह मुस्का के आशीर्वाद दिस। सब बने बने चलत रीहिस। फेर एक दिन एक झन मनखे, जेन गणेश पंडाल म रहय तेन आकप करत अपन संगवारी ल बोलिस।

भाई..... मैं कुछ दिन होगे देखत हँव, रोज कुछ न कुछ गायब होवत हे। कभू लड्डू, मिठाई, माला त कभू दूध ह गंवाय रहिथे....मैं भोरहा म हँव.....कि का समझ नइ आवत हे।

दुसर मनखे के खुशी के ठिकाना नइ रहिगे। वा तोला का होगे बइहा?

अरे भाई, साक्षात् हमर प्रभु गणेश जी ह तो रातकुन निकल के नइ खात होही? अरे यार! तहु ह कोन भरम म जीयत हस। चल मान लेथों गणेश जी खावत होही; फेर सब के सब प्रसाद ल थोड़ी खा दीही यार अउ एक घंटा म भोग गायब हो जाथे। जरूर मुसवा खुसरे होही। काबर की देख न यार रोज कुछ न कुछ नुकसान होवत हे हमर।

एक दिन आरती होते साथ सबो प्रसाद ल मनखे मन म बाँट दिस। अउ रातकुन कुछ नइ राखिस। आधा रात होते साथ सब के सब मुसवा मन माईङ्कपिल्ला निकलिन। देखथे आज ठनठन गोपाल हे रे... कुछ नइ हे खाय बर। मुसवा मन म खलबली मचगे। भूख के मारे जीव पोटङ्कपोट करत राहय लइकामन के। दाई भूख लागत हे वो...। हव बेटा आज कइसे कुछ नइ राखे हे रे...।

टीनी मुसवी ह गारी देवत चिटरू ल बोलथे- तभे तोला बोले रेहेंव, रोज थोड़ा-थोड़ा बचा दे कर करके, सब्बो ल खा डरथो तुमन ह तो। तभे माटी के मुसवा बोलिस- अब तुमन ल कुछ नइ मिलने वाला, बोरिया बिस्तर बाँधौ अउ रेंगव।

ये माटी के मुसवा! चुप रहा मुँह बंद कर, हमन ल कोनो नइ भगा सकै; समझे। चिटरू आँखीं देखावत बोलिस। चिटरू अउ टीनी के घमंड दिनों-दिन बाढ़त जात रहय।

सबो झन के आतंक अब्बड़ बाढ़गे रहै, बहुतेच नुकसान करैं। कभू लाईट के तार ल कुतर दै, कभू गणेश भगवान के माला के गिरा दै......।

बड़ नुकसान के सामना करना परत रीहिस मनखे मन ल।

ऐति मुसवा मन म मजा रहय।

गणेश भगवान चेतावनी घलो दे रीहिस, फेर नइ मानिन।

दुसर दिन बिहनिया मुसवा मन लरघाय परे रहै। जइसे ही आरती के घंटी बाजिस; सब के जीव म जीव आइस। हाय! अब खाय बर मिलही।

आज तो अब्बड़ अकन मोदक हे भाई! छोटे मुसवा पिला ल रहे निगिस। देखते ही मोदक ऊपर झपट्टा मार दिस। सब के सब भक्त मन देख के हँसे ल लग गे, गणेश जी प्रगट होगे कर के।

हमरे राज हरय करके अप्पत बाढ़गे रहै। कम से कम ग्यारह दिन तक तो कोनो हाथ नइ लगा सकै रे हमन ल, जतना उधम करना हे करौ। चिटरू अपन छाती चौड़ा कर के बोलत रीहिस।

तभे माटी के मुसवा हॉंस दिस। थोरिक देर बाद पंडाल के एक झन मनखे ह सपट के देखत रीहिस; अब तो एकर मन के कचूमर निकालना ही पड़ही। जइसे ही चिटरू मोदक लेगे बर आइस, मनखे ह बाहरी के मुठिया म फेंक के दे मारिस। काँयङ्ककाँय करत चिटरू बिला म खुसर गे। अइइ!.. का होगे जी का होगे? टीनी, चिटरू ल कल्हरत देखिस त ओहर आग बबूला होगे। काकर हिम्मत रे मोर चिटरू ल मारे के? बोलत चिटरू ल पोटार लिस। मुसवा पिला मन सपट गें।

टीनी अपन बड़े टूरा ल बोलिस-जा बेटा प्रभु के तिरन कुछ लगाए बर दवई-बूटी होही त लानबे। तब तक ले मुसवी तेल ल चिटरू के पीठ म लगावत रहय। कलेचुप बड़े टूरा आधा डर आधा बल म जात रीहिस; जइसे ही बिला ले निकलिस, मनखे ह फेर बाहरी ल धर के मारिस; नाक ह छोलागे मुसवा के। रोवत-रोवत फेर बिला म खुसर गे।

मँय नइ जॉंव दाई, अब्बड़ मार थे वो; आज तो हमर परान नइ बाँचै, मोर नाक छोला गे दाई।

का समझथे अपन आप ल ये मनखे मन ह? पंडाल म माटी के मुसवा ल बइठार के पूजाङ्कपाठ, भोग लगा के मेवा खवावत हे। नइ खावत हे त जबरन मुँह म घुसावत हे। हमन का बिगाड़े हन? इहाँ जीयत जागत हवन त देख के कुदावत हे।

का इही हरे मनखे मन के असली सेवा......?

आधा रात के, जब मनखे मन सुतगें तब टीनी मन माई पिल्ला जा के प्रभु के सामने हाथ जोड़ रोवत सवाल म सवाल करत रीहिन। आज बता प्रभु! मनखे मन जीयत के इज्जत नइ करैं; मार भगाथें।

प्रभु हमन ले का गलती होगे ते हमन ल भगावत हे। सुसकङ्कसुसक के बोलत रीहिन। गणेश भगवान बोलिस-मनखे के एमा कोनो गलती नइ हे। मुसवीङ्कमुसवा एक दुसर के मुँह ल बोक-बोक देखन लगगे। प्रभु ह का बोलत हे कर के।

काबर कि मँय तुमन ल पहिली चेतावनी दे रहेंव; चुपचाप रहू, ज्यादा नुकसान झन करहू, फेर तुमन के कान म जूँ तक नइ रेंगिस। तुमन ल देख के तुंहर पिला मन घलो करत हें; दाई ददा के रद्दा म रेंगबे करहीं।

कतका भक्ति-भाव हृदय ले मोर सेवा करत मनखे मन के तो तुमन अब्बड़ नुकसान पहुँचाय हो, ओकर सजा मिलिस तुम सब ल।

÷तुमन ल बहुत घमंड होगे रहय, कोनो कुछ नइ कर सकै कर के।÷

चिटरू अउ ओकर बाई के घमंड चूर-चूर होगे। हमन ल माफकर दो प्रभु! सब के सब माफी माँगत बोरिया-बिस्तर धर के निकलगे।

आज का इतिहास

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। प्रेम व सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे।

वृष: आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। मित्रों के साथ आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं।

मिथुन: आज का दिन आपके लिए बहुत ही सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आप बिजनेस में फायदे को लेकर ज्यादा धन जुटा पाएंगे।

कर्क: आज का दिन आपके लिए मेहनत और लगन से काम करने के लिए रहेगा। आपको कामों से एक नई पहचान बनेगी।

सिंह: आज आप अपने रुके हुए कामों को करने में तेजी लाएंगे, जिस कारण आप काफी व्यस्त रहेंगे। जीवनसाथी की भावनाओं का आपको सम्मान करना होगा।

कन्या: आज आपकी कला और कौशल में सुधार आएगा। भविष्य को लेकर आप कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करने की सोचेंगे।

तुला: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको पिछले चली आ रही समस्याओं से काफी हद तक राहत मिलेगी।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप कार्यक्षेत्र में अपनी योजनाओं में कुछ बदलाव कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे।

धनु: आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपके किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के योग बनते दिख रहे हैं।

मकर: आज आपको अपने आसपास रह रहे शत्रुओं पर पूरी निगरानी बनाकर रखे। कार्यक्षेत्र में आपको मनपसंद काम मिल सकता है।

कुंभ: आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा।

मीन: आज का दिन आपके लिए किसी नए व्यवसाय को शुरू करने के लिए अच्छा रहेगा। भाई- बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा।

सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त : 9 18:05, चन्द्रोदय : 9 21:32, चन्द्रास्त : 9 1050

अयन : दक्षिणायन, ऋतु : शरद, शक सम्वत: 9 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वत : 2082 (सिद्धार्थी), युगाब्द (कलि संवत) : 5127, मास : कार्तिक, पक्ष : कृष्ण, तिथि : षष्ठी, नक्षत्र : मृगशिरा, योग : वरीयान, प्रथम करण : तैतिल (16:43 तक), द्वितीय करण : गर (27:26+ तक)।

॥ गोचर ग्रहा:॥

सूर्य : कन्या, चंद्र : वृषभ, मंगल : तुला (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : तुला (उदित, पूर्व, मार्गी), गुरु : मिथुन (उदित, पूर्व, मार्गी), शुक्र : कन्या (उदित, पूर्व, मार्गी), शनि : मीन (उदित, पश्चिम, वक्री), राहु : कुम्भ।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) सेना स्पेक्टाबिलिस, एक आक्रामक प्रजाति, को किस राज्य के जंगलों से हटाया जा रहा है?

2) व्रॉटन का फ्री-टेल्ड बैट मुख्य रूप से भारत के किस क्षेत्र में पाया जाता है?

3) पेंगुइन जागरूकता दिवस हर साल किस दिन मनाया जाता है?

4) पूर्ण सूर्य ग्रहण केवल किस दिन हो सकता है?

5) एशिया का सबसे बड़ा ओपन-एयर व्यापार मेला, बाली जात्रा, किस राज्य में प्रतिवर्ष आयोजित होता है?

उत्तरमाला- (1) तमिलनाडु (2) पश्चिमी घाट (3) 20 जनवरी (4) अमावस्या (5) ओडिशा

शब्द सागर

न्यूज गैलरी

त्योहारी सीजन को देखते हुए इतवारी शालीमार ट्रेन के दो फेरे बढ़ाए

रायपुर/नवप्रदेश। रेलवे प्रशासन द्वारा त्योहारी सीजन में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) शालीमार-नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन के दो अतिरिक्त फेरे चलाने का निर्णय लिया गया है। पहले इस ट्रेन का संचालन 5 फेरों के लिए किया गया था, जिसे अब बढ़ाकर कुल 7 फेरे कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 08865 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-शालीमार फेस्टिवल स्पेशल 13 और 20 अक्टूबर 2025 को प्रत्येक सोमवार की शाम 5.10 बजे इतवारी से रवाना होगी और अगले दिन मंगलवार दोपहर 2 बजे शालीमार पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 08866 शालीमार-नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) फेस्टिवल स्पेशल 14 और 21 अक्टूबर 2025 को मंगलवार शाम 18.00 बजे शालीमार से रवाना होकर बुधवार को दोपहर 15.35 बजे इतवारी पहुंचेगी। यह ट्रेन गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनादगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा, रायगढ़, झारसुगुड़ा, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर, खड़गपुर और संतरागाछी स्टेशनों पर ठहरेगी। ट्रेन में कुल 20 कोच है। इसमें 2 एसएलआरडी, 5 सामान्य, 10 स्लीपर, 2 एसी-तृतीय और 1 एसी सेकंड शामिल है।

ओपन स्कूल: बगैर विलंब शुल्क आवेदन अब 15 तक दसवीं-बारहवीं की तीसरी परीक्षा नवंबर में होगी

रायपुर/नवप्रदेश। ओपन स्कूल की तृतीय परीक्षा के लिए आवेदन की तारीख बढ़ा दी गई है। अब 15 अक्टूबर तक बगैर विलंब शुल्क के फॉर्म भरे जा सकते हैं। इसकी

दसवीं-बारहवीं परीक्षा 17 नवंबर से शुरू होगी। हाल ही में इसका शेड्यूल जारी किया गया। इधर, तृतीय परीक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया सितंबर में शुरू हुई। 8 अक्टूबर आखिरी तारीख थी। इसी तरह 11 से 15 अक्टूबर तक आवेदन के लिए छात्रों को विलंब शुल्क देना था। लेकिन अब छात्रों को लेट फीस नहीं देनी होगी। वे बिना विलंब शुल्क दिए फॉर्म भर सकेंगे। दसवीं की परीक्षा 17 से 28 नवंबर तक होगी। जबकि बारहवीं की परीक्षा 17 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगी। गौरतलब है कि ओपन स्कूल की परीक्षा साल में तीन बार होती है। पहली परीक्षा मार्च-अप्रैल में हुई। इसमें दसवीं का रिजल्ट 59.17 फीसदी और बारहवीं का 69.73 फीसदी था। दूसरी परीक्षा अगस्त-सितंबर में हुई थी, इसके नतीजे हाल ही में जारी किए गए थे। इसमें दोनों कक्षाओं का रिजल्ट कमजोर था। दसवीं में 30.02 प्रतिशत और बारहवीं में 46.28 प्रतिशत छात्र पास हुए थे। तीसरी परीक्षा नवंबर में होगी।

पुण्य श्लोका अहिल्या बाई और धर्म और विज्ञान पर लिखे निबंध

रायपुर/नवप्रदेश। बृहन्महाराष्ट्र मंडल नई दिल्ली और राज्य विकास संस्था मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में मराठी भाषा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन महाराष्ट्र मंडल रायपुर में आयोजित किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने पुण्य श्लोका राजमाता अहिल्या बाई और धर्म और विज्ञान, मित्र या शत्रु विषय पर निबंध लिखा।

इस निबंध को लेकर स्पर्धा के लिए लगभग 20 प्रतिभागियों ने अपनी स्वीकृति प्रदान की थी। अचानक मूसलाधार बारिश होने के कारण सीमित प्रतिभागियों ने निबंध लेखन स्पर्धा में भाग लिया। निबंध लेखन स्पर्धा में शामिल सात प्रतिभागियों ने पुण्य श्लोका देवी अहिल्या बाई होल्कर पर और बाकी प्रतिभागियों ने धर्म और विज्ञान-मित्र या शत्रु विषय पर निबंध लिखा। 1000 से 1500 शब्दों को लेखन प्रतिभागियों ने लिखा। बृहन्महाराष्ट्र मंडल के शताब्दी वर्ष होने के प्रत्येक प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र के साथ उपहार उत्साहवर्धन के लिए प्रदान किए गए।

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट भर्ती, दस्तावेज सत्यापन 29 से

रायपुर/नवप्रदेश। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट और काउंसलर मनोरोग भर्ती के लिए दस्तावेज सत्यापन 29 अक्टूबर से शुरू होगा। कुल 596 अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग से सूचना जारी की गई है। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के 12 पदों पर भर्ती होगी। जबकि काउंसलर मनारोग के 2 पद हैं। इसके लिए इसी साल अप्रैल में विज्ञापन जारी किया गया था। अब दस्तावेज सत्यापन होगा। इसमें अनुपस्थित रहने वाले एवं अयोग्य पाए जाने पर अभ्यर्थियों को आगामी भर्ती संबंधी प्रक्रिया में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं मिलेगी। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के लिए डाक्यूमेंट्स वैरिफिकेशन 8 नवंबर तक और काउंसलर मनारोग के लिए 6 नवंबर तक होगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी सीजीपीएससी की वेबसाइट पर जारी की गई है।

मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करना सामाजिक जिम्मेदारी: डॉ. साहू

- अंबेडकर अस्पताल में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम

रायपुर/नवप्रदेश। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के मनोरोग विभाग द्वारा आज विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय के छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक किया। चिकित्सालय के फिजियोथैरेपी हाल में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य अस्पताल कर्मी मौजूद थे।

मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज साहू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल बहुत आवश्यक है क्योंकि समय के साथ जीवन में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रहीं हैं। डिजिटल युग में जब सब कुछ डिजिटाइजेशन की ओर अग्रसर है, ऐसे में घर के छोटे बच्चों से लेकर, किशोर, वयस्क और वृद्ध के मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करना हम सबकी सामाजिक जिम्मेदारी बन गयी है।

अम्बेडकर अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए और जब कुछ ऐसा महसूस हो कि सब ठीक नहीं है।

कर्बला तालाब में नियम-विरुद्ध निर्माण पर वेटलैंड अथॉरिटी की सख्ती, तत्काल रोक के आदेश

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ वेटलैंड अथॉरिटी ने रायपुर के कर्बला तालाब में डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित नियम-विरुद्ध निर्माण कार्यों पर तत्काल रोक लगाने के लिए रायपुर कलेक्टर को निर्देश जारी किए हैं। अथॉरिटी ने कलेक्टर को आदेश दिया है कि वे नगर निगम आयुक्त, रायपुर को इन कार्यों पर रोक लगाने के लिए तत्काल निर्देश दें। इस संबंध में पत्र की प्रति आयुक्त को भी भेजी गई है।

मामला क्या है?

मई 2023 में वेटलैंड अथॉरिटी ने रायपुर के कर्बला तालाब, बूढ़ा तालाब, तेलीबांधा, महाराजबंध सहित अन्य तालाबों की जांच के लिए कलेक्टर को आदेश दिया था। हालांकि, कलेक्टर ने केवल कर्बला तालाब के लिए वन मंडल अधिकारी, रायपुर की अध्यक्षता में जांच दल गठित किया। जुलाई 2023 में वन मंडल अधिकारी ने कर्बला तालाब की जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी, लेकिन यह रिपोर्ट आज तक वेटलैंड अथॉरिटी को नहीं दी गई।

रायपुर के ईएनटी विशेषज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. राकेश गुप्ता ने सूचना के अधिकार के तहत यह रिपोर्ट प्राप्त की और सितंबर 2025 में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को शिकायती पत्र भेजा। पत्र में बताया गया कि जुलाई 2023 की जांच रिपोर्ट में कर्बला तालाब पर निजी कंपनी द्वारा सामाजिक दायित्व के तहत 1.13 करोड़ रुपये के कार्य वेटलैंड नियमों के विरुद्ध प्रस्तावित पाए गए थे। जांच दल ने इन कार्यों को रोकने की सलाह दी थी, लेकिन फरवरी-मार्च 2024 में अधिकतम बाढ़ स्तर से 50 मीटर के दायरे में पेवर लगाने जैसे प्रतिबंधित कार्य किए गए।

डॉ. गुप्ता ने अपनी शिकायत में बताया कि अब कर्बला तालाब पर डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से नई रिटेनिंग वॉल और अन्य निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं, जो वेटलैंड नियमों का उल्लंघन करते हैं। इसके बाद वेटलैंड अथॉरिटी ने कलेक्टर को 2023 की जांच रिपोर्ट तत्काल जमा करने और निर्माण कार्यों पर रोक लगाने के निर्देश दिए।

प्रतिबंधित गतिविधियां क्या हैं?

वेटलैंड नियम 2017 के अनुसार, 2007 से अब तक के औसत अधिकतम बाढ़ स्तर से 50 मीटर के दायरे में कोई स्थायी निर्माण जैसे रिटेनिंग वॉल, पाथवे, पेवर, सड़क या भवन नहीं बनाए जा सकते। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार, 2.25 हेक्टेयर से बड़े तालाबों पर 2010 के नियम लागू होते हैं, और औसत एचएफएल वर्ष 2000 से निर्धारित किया जाता है।

2023 की जांच में क्या पाया गया?

जांच में पाया गया कि कर्बला तालाब में सौंदर्यीकरण के लिए प्रस्तावित कार्य जैसे पार्किंग, सीसी रोड, रेलिंग मरम्मत, रिटेनिंग वॉल मरम्मत और प्रसाधन भवन जलाशय की जल धारण क्षमता और क्षेत्रफल को प्रभावित करेंगे। यह जलाशय पर निर्भर जीव-जंतुओं पर नकारात्मक असर डालेगा और वेटलैंड नियम 2017 का उल्लंघन होगा।

डॉ. गुप्ता की सलाह

डॉ. गुप्ता ने वेटलैंड अथॉरिटी को सुझाव दिया कि वे कलेक्टर कार्यालय से आरटीआई के जरिए कर्बला तालाब की जांच रिपोर्ट मांगें, क्योंकि कलेक्टर ने बार-बार रिमाइंडर के बावजूद इसे जमा नहीं किया। साथ ही, उन्होंने बूढ़ा तालाब, तेलीबांधा, और महाराजबंध जैसे अन्य तालाबों की जांच में देरी पर भी सवाल उठाया।

आदर्श नगर में 28 लाख की लागत से बनेगा आकांक्षी शौचालय

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 10 के लेफ्टिनेंट अरविंद दीक्षित वार्ड क्रमांक 56 अंतर्गत आदर्श नगर में नागरिकों को स्वच्छ और सुविधायुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए 28 लाख 20 हजार रुपये की लागत से आकांक्षी शौचालय का निर्माण जल्द शुरू होगा। इस कार्य का शुभारंभ रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौड़, जोन 10 अध्यक्ष सचिन बी. मेघानी, अन्य गणमान्य व्यक्तियों और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर किया।

इस अवसर पर विधायक सुनील सोनी ने जोन 10 कमिश्नर विवेकानंद दुबे को निर्देश दिए कि स्वीकृत योजना के अनुसार शौचालय निर्माण कार्य तत्काल शुरू किया जाए और निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने सतत निगरानी के साथ कार्य को प्राथमिकता देने और नागरिकों को स्वस्थ व सुविधायुक्त परिवेश शीघ्र उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

सेजबहार में 10 एकड़ अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अवैध प्लॉटिंग के खिलाफजिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर ग्राम सेजबहार में लगभग 10 एकड़ जमीन पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान मौके पर बनी बाउंड्री वॉल, प्लिंथ और सड़क मार्ग को तोड़ा गया, साथ ही अवैध निर्माण को पूरी तरह से हटा दिया गया। यह संयुक्त कार्रवाई रायपुर के एसडीएम नंदकुमार चौबे के नेतृत्व में राजस्व विभाग और नगर निगम की प्रहरी टीम द्वारा की गई। प्रशासन ने बताया

कि यह कार्रवाई अवैध भूमि विक्रय, बेजा कब्जे पर नियंत्रण और भू-उपयोग को नियमों के अनुसार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

जिला प्रशासन ने सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा कि राजधानी रायपुर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध प्लॉटिंग या निर्माण कार्य करने वालों के खिलाफऐसी ही कठोर कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी। इस कार्रवाई से अवैध कब्जे और प्लॉटिंग करने वालों में हड़कंप मच गया है, और प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

युवाओं से नौकरी और रोजगार के अधिकार छीन रही है भाजपा सरकार

रायपुर/नवप्रदेश। भाजपा सरकारों पर युवाओं से नौकरी और रोजगार के अधिकार छीनने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि सरकारी विभागों, सरकारी उपक्रमों और सरकार द्वारा नियंत्रत कंपनियों में लाखों की संख्या में पद रिक्त हैं लेकिन युवा विरोधी यह सरकार नई भर्तियां रोके रखी है। बढ़ती बेरोजगारी से निराश युवा आत्मघाती कदम उठाने मजबूर हैं, एनसीआरबी द्वारा जारी आत्महत्या के बढ़ते आंकड़े भयावह है। 1 लाख सरकारी नौकरी का वादा 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान छत्तीसगढ़ में भाजपा ने किया था, मोदी की गारंटी के नाम पर 100 दिन के भीतर नियमितीकरण का वादा करके

कॉरपोरेट का मुनाफा उच्चतम स्तर पर लेकिन रोजगार एक चौथाई भी नहीं

सरकार में आए, किया उल्टा, संविदाकर्मी, अनियमित और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियो को नौकरी से निकाले जा रहे। विद्या मितान, अतिथि शिक्षक, सफाई कर्मचारी, मध्याह्न भोजन रसोइयों को बड़ी संख्या में घर बिठा दिया गया। पंचायत सचिव, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और एनएचएम कर्मचारी इस सरकार के वादाखिलाफी की सजा भोग रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि केवल सरकारी नौकरी ही नहीं, प्राइवेट सेक्टर में भी छटनी लगातार जारी है। एक तरफ मोदी सरकार की पूंजीवादी नीतियों के चलते कॉरपोरेट का मुनाफा शिखर पर है लेकिन बड़ी कंपनियों में व्हाइट कॉलर रोजगार बढ़ने के बजाय लगातार घट रहा है। पिछले पांच वर्षों में यह संख्या आधी रह गई है, 11 साल पहले की तुलना में चौथाई के स्तर तक पहुंच गया है। कुल बेरोजगारों की संख्या में से दो तिहाई, शिक्षित युवा हैं।

ठेले, रेहड़ी वालों को हटाना सरकार का अमानवीय कदम : कांग्रेस

- सरकार रोजगार तो दे नहीं पा रही, स्वरोजगार छीन रही

रायपुर/नवप्रदेश। दीपावली के ठीक पहले सरकार द्वारा सड़कों के किनारे ठेले, खोमचे, रेहड़ी लगाकर, बोरा बिछाकर व्यवसाय करने वालों को हटाये जाने की कांग्रेस ने कड़ी निंदा किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रायपुर सहित पूरे प्रदेश में भाजपा सरकार ने यह कार्यवाही किया है। ईमानदारी से मेहनत, मजदूरी करके सड़कों के किनारे ठेले आदि लगा कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करने वालो को हटाया जाना सरकार का तानाशाही पूर्ण कदम है। ठेले वालों को हटाने से पूर्व उन्हें समान हटाने का भी समय नहीं दिया गया उनके तैयार किये गये समानों को नष्ट कर दिया गया। हजार-दो हजार रू. की लागत लगाकर छोटे-छोटे व्यवसाय करने वालो के सामान को जप्त कर लिया गया, तोड़ दिया गया।

जीएसटी की छापेमारी में राइस मिल से बरामद हुआ अवैध पान मसाला

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के पास राजिम के कुर्रा-सोने सिली मार्ग पर स्थित एक राइस मिल में स्टेट जीएसटी की टीम ने शुक्रवार रात गोपनीय सूचना के आधार पर छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, इस राइस मिल में अवैध गतिविधियां चल रही थीं, जिसके बाद जीएसटी विभाग ने कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान राइस मिल से बड़ी मात्रा में पान

मसाला बनाने का मिक्सचर, मशीनें और पाउच बरामद किए गए।

विभागीय सूत्रों ने बताया कि यह छापेमारी महक राइस मिल में की गई, जो वर्तमान में कुलेश्वर राइस मिल के नाम से संचालित हो रही थी। इस राइस मिल का मालिक रेवा साधवानी बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, जीएसटी टीम ने रेवा साधवानी के बेटे विक्की साधवानी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। हालांकि, यह राइस मिल बैंक द्वारा कुर्क बताई जा रही है, लेकिन जीएसटी की टीम अब सभी दस्तावेजों की जांच कर रही है।

जोन 5 में गंदगी फैलाने पर दो दुकानों और एक रेस्तरां पर 9,000 का जुर्माना

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर पालिक निगम के जोन 5 स्वास्थ्य विभाग ने गंदगी फैलाने की जनशिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए लाखेनगर मार्ग और कुशालपुर चौक में तीन प्रतिष्ठानों पर कुल 9,000 रुपये का जुर्माना लगाया। जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा के नेतृत्व में स्वच्छता निरीक्षकों दिलीप साहू, प्रेम मानिकपुरी और दिलीप भारती ने लाखेनगर मार्ग पर सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया।

दशहरा उद्यान और स्ट्रीट लाइटिंग का काम शुरू

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 7 के स्वामी आत्मानंद वार्ड क्रमांक 38 अंतर्गत चौबे कॉलोनी में जल्द ही 23 लाख रुपये की लागत से दशहरा उद्यान का निर्माण और पेवर कार्य, साथ ही 7 लाख रुपये की लागत से स्ट्रीट लाइटिंग के जरिए समुचित प्रकाश व्यवस्था का कार्य शुरू होगा। इन 30 लाख रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ आज पूर्व केबिनेट मंत्री व रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत और महापौर मीनल चौबे ने चौबे कॉलोनी में भूमिपूजन कर किया।

इस अवसर पर नगर निगम लोककर्म विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल, पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग अध्यक्ष भोला राम साहू, जोन 7 अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, वार्ड पार्षद आनंद अग्रवाल, चौबे कॉलोनी के गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, महिलाएं, युवा, आमजन और जोन 7 के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर विधायक और महापौर ने इन विकास कार्यों की शुरुआत की, जिसे स्थानीय नागरिकों के लिए एक शानदार सौगात बताया गया।

विधायक राजेश मूणत और महापौर मीनल चौबे ने जोन 7 के अधिकारियों को निर्देश दिए कि दशहरा उद्यान, पेवर निर्माण और स्ट्रीट लाइटिंग कार्य स्वीकृत योजना के अनुसार तत्काल शुरू किए जाएं। इन कार्यों को सतत निगरानी के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से और जनहित में समय-सीमा के भीतर पूरा करना सुनिश्चित करें।

दिवाली सीजन में महाराष्ट्र मंडल के नमकीन-मिठाई की बढ़ी मांग

रायपुर/नवप्रदेश। महाराष्ट्र मंडल में निर्मित दिवाली व्यंजनों की मांग अभी से शबाब पर है, जबकि दिवाली में अभी 10 दिन बाकी है। इस बार भी मंडल की मेस टीम कॉरपोरेट जगत में भी बड़े पैमाने पर गिफ्ट की सप्लाई करने के लिए तैयार है।

मंडल के मेस प्रभारी दीपक किरवाईवाले ने बताया कि महाराष्ट्र मंडल की 90वीं सालगिरह पर तीन दिवसीय भव्य मराठी सोहला में दिवाली फराल (व्यंजनों) का भरपूर प्रचार- प्रसार किया गया। इसका असर अब बड़े पैमाने पर मिल रहे ऑर्डर के रूप में दिखाई दे रहा है। दीपक के अनुसार

प्रति वर्षानुसार इस साल भी चिवड़ा सादा, चिवड़ा लहसून-प्याज, चकली, सेव, शक्करपारा, सलोनी, अनरसा, बेसन लड्डू, काजू कतली, गुजिया (करंजी), बालुशाही, मठरी जैसे आइटम बनाए जा रहे हैं।

शिक्षा के प्रति ललक बरकरार, 50 साल पहले ग्रामीणों ने श्रमदान से की थी गांव में स्कूल की शुरुआत

मनाया गया स्वर्ण जयंती समारोह

बालोद/नवप्रदेश। बालोद जिले के गुरुर ब्लॉक के ग्राम दियाबाती के ग्रामीणों में शिक्षा के प्रति विशेष लगाव और ललक देखने को मिलती है। यही वजह है कि आज से 50 साल पहले 10 अक्टूबर 1975 को गांव में श्रमदान कर लोगों ने प्राइमरी स्कूल में बनाया था। पहले तो बिना भवन में पेड़ की छांव में स्कूल लगता था , जन भागीदारी से इस स्कूल का संचालन हो रहा था। फिर शासन से स्वीकृति मिली। शिक्षक नियुक्त हुए पर भवन अब भी नहीं था। ग्रामीणों ने पहले खुद से चंदा कर और श्रमदान से खपरैल वाला स्कूल भवन बनाया । आगे चलकर शासन से धीरे-धीरे पक्के भवन भी बनने लगे। आज इस स्कूल को 50 साल हो चुके हैं। इस खुशी के मौके को यादगार बनाते हुए स्वर्ण जयंती समारोह गांव में मनाया गया। जिसमें ग्रामीणों की विशेष सहभागिता रही।शासकीय प्राथमिक शाला दियाबाती को 50 वर्ष पूर्ण होने पर हुए स्वर्ण जयंती समारोह के मुख्य अतिथि संध्या अजेन्द्र साहू जनपद पंचायत सदस्य थी। अध्यक्षता तारा देवी ताम्रध्वज यादव जनपद पंचायत सदस्य ने की। इसी तरह विशेष अतिथि पूजा ठाकुर सरपंच दर्रा , मोहन दास नवरंग सेवानिवृत्त शिक्षक , नंदकुमार निषाद उच्च वर्ग शिक्षक , मनी राम साहू ग्राम पटेल आदि मौजूद थे।

इस तरह से हुई थी गांव में स्कूल की शुरुआत

दर्रा पंचायत के आश्रित गांव दियाबाती में प्राइमरी स्कूल की शुरुआत जन सहभागिता से हुई थी। ग्राम प्रमुखों ने बताया कि जब पहले गांव में स्कूल नहीं था तो पढ़ाई करने के लिए दूसरे गांव जाते थे । फिर शासन द्वारा 1975 को गांव में पढ़ाने के लिए शिक्षक नियुक्त तो कर दिए लेकिन पढ़ाई करने के लिए स्कूल भवन नहीं था । उस समय पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ाई करते थे। फिर समस्त ग्राम वासी मिलकर चंदा इकट्ठा कर व श्रमदान करके गांव में स्कूल भवन का निर्माण किए। ताकि गांव के सभी बच्चों को गांव के स्कूल में प्राथमिक शिक्षा मिले। फिर बाद में शासन द्वारा स्कूल भवन स्वीकृत हुआ।

घर की तरह सजाया था लोगों ने स्कूल भवन

स्वर्ण जयंती के अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला दियाबाती को फूल मालाओं व लड़ी से सजाया गया एवं स्कूल प्रांगण में स्थापित मां सरस्वती की मंदिर में पूजा अर्चना कर वृक्षारोपण भी किया गया। शाला में सेवा प्रदान किए शिक्षकों का एवं प्रथम वर्ष प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। तथा बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्णेश्वर साहू अध्यक्ष शाला प्रबंधन विकास समिति , लीलाम्बर साहू उपाध्यक्ष ग्राम विकास समिति , भीषम लाल महमल्ला प्रधान पाठक , उदय लाल साहू सहायक शिक्षक, संजय कुमार देशलहरे शिक्षक , प्रीतम साहू , चोवाराम गंगबेर एवं संकुल दर्रा के शिक्षक गण तथा शाला प्रबंधन एवं ग्राम विकास समिति के समस्त सदस्य एवं ग्रामवासियों का सहयोग रहा।

न्यूज गैलरी

शुक्ला अस्पताल में महिला की मौत,साहू समाज में आक्रोश

राजनांदगांव/नवप्रदेश। आज जिला साहू संघ के अध्यक्ष भागवत साहू ने पदाधिकारियों के साथ मिलकर एसपी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने एडिशनल एसपी से चर्चा करते हुए कहा कि शुक्ला अस्पताल में इलाज के दौरान द्रोपती साहू की मौत हुई है, जो कि अस्पताल की लापरवाही का परिणाम है। जिला साहू संघ के अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि आज निजी अस्पताल के लापरवाही की वजह से समाज के पदाधिकारी पिलूराम साहू की धर्मपति श्रीमती द्रोपती साहू की मृत्यु हुई है पूरा समाज परिवार के साथ है अगर न्याय नहीं मिला तो समाज द्वारा प्रदेश स्तर का आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द कड़ी कार्रवाई की जाए और परिजनों को न्याय दिलाया जाए।युवा कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव निखिल द्विवेदी ने सर्व सामाज से आवाह्न किया है कि अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के चलते साहू समाज की महिला की मौत हुई आने वाले समय में किसी के साथ भी ऐसी घटना का दोहराव न हो दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर सभी समाज और दल को ऐसे अस्पताल के खिलाफ सभी को आगे आना चाहिए।

निशुल्क आयुष शिविर का आयोजन दाउचौरा में 15 को

खैरागढ़/नवप्रदेश। जिला आयुष विभाग के मार्गदर्शन मे जिला स्तरीय एक दिवसीय निशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 15 अक्टूबर बुधवार को शहर के दाउचौरा स्थित प्राथमिक शाला प्रांगण मे किया गया है । शिविर मे अनुभवी एवं योज्य चिकित्सको द्वारा बातरोग, उदररोग, स्त्रीरोग, चर्मरोग, बीपी, शुगर सहित अन्य सभी प्रकार के जटिल रोगो की जांच एवं आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति द्वारा निदान कर निशुल्क औषधि का वितरण किया जाएगा । इस दौरान रोग प्रतिरोधक शक्तिवर्धक काढ़ा वितरण भी होगा ।

जम्मू की लोक कलाविद् उषा बगाती का संगीत विवि में व्याख्यान

खैरागढ़/नवप्रदेश। इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के लोक संगीत विभाग में 'लोक जीवन में कला जम्मू एवं छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में विषय पर व्याख्यान कुलपति लवली शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित हूआ । व्याख्यान में मुख्य वक्ता जम्मू की लोक कलाविद् प्रो.उषा बगाती उपस्थित थीं। व्याख्यान में प्रो. बगाती ने विद्यार्थियों को बताया कि लोक कहीं का भी हो संगीत से अछूता नहीं है। लोकनृत्य, लोकसंगीत और लोकवाद्य के बिना लोक संस्कार पूरा नहीं होता है। आरूगपन लोक ने ही बचा रखा है। छत्तीसगढ़ का संस्कार गीत हो या जम्मूकश्मीर सहित भारत के अन्य प्रान्तों के गीत, सबमें एकरूपता है। विवाह संस्कार में आज भी गीत गाये जाते हैं, नृत्य करते हैं। भाषा और वाद्ययंत्र भले अलग हों, वेशभूषा में भिन्नता हो, लेकिन भाव में एकात्मकता है। बेटी विदा के कारुणिक दृश्य का वर्णन कहीं के लोक गीत में हम सहजता से प्राप्त करते हैं। लोक कलाएँ खेत-खलिहानों में बिखरी पड़ी है। आवश्यकता है उन कलाओं को सहजने की। यह भी सत्य है कि वर्तमान के चकाचौंध में इन कलाओं की मुहाने पर आघात हो रहा है। उपभोक्तावादी संस्कृति ने हमारी पारंपरिक कलाओं को प्रभावित किया है। इसलिए इन कलाओं का संरक्षण आवश्यक है।

राजन यादव ने कहा कि लोककला वीणा के तार की तरह है, एक छोर को छू देने से पूरा तार झनझना उठता है। उसी प्रकार हमारे लोक में प्रचलित लोकसंगीत, लोक संस्कार, लोक परम्पराएँ हैं। कार्यक्रम में विभाग के अतिथि शिक्षक डॉ. राजकुमार पटेल, डॉ. विधा सिंह राठौर, डॉ. परमानंद पाण्डेय, शोध सहायक डॉ. बिहारी लाल तारम, संगतकार डॉ. नत्थू तोड़े व रामचन्द्र सर्पे सहित शोधार्थी एवं स्नातक व स्नातकोत्तर के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

फरार स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटी को पुलिस ने धरदबोचा

राजनांदगांव/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक राजनादगांव श्री मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन (भा0पु0से0) के मार्गदर्शन असामाजिक तत्वों एवं स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंट की तामीली हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत आज दिनांक 11.10.2025 निरीक्षक एमन साहू थाना प्रभारी बसंतपुर के नेतृत्व में थाना स्तर पर पृथक-पृथक टीम गठित कर स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटी की गिरफ्तारी हेतु रवाना किया गया था। उपरोक्त टीमो द्वारा लंबे अरसे से फरार चल रहे स्थायी वारंटी 01. प्रेमदास मानिकपुरी पिता कमलेश दास मानिकपुरी 2. राजेन्द्र राजपुत पिता स्व0 भगत सिंह राजपुत एवं गिरफ्तारी वारंटी 01. सिद्धार्थ बंसोड़ पिता अशोक बसोड निवासी गौरीनगर राजनांदगांव 02. चंदन चौधरी पिता यशवंत चौधरी निवासी राजीवनगर 03. सौरभ मानिकपुरी पिता नावेन्द्र मानिकपुरी निवासी चौखडिया पारा राजनांदगांव 04. मुकेश साहु पिता जानुक साहु निवासी लखोली दुर्गाचौक 05. गौरव यादव पिता दीपक यादव निवासी नदंई राजनांदगांव 06. राजेन्द्र राजपुत पिता स्व0 भगत सिंह राजपुत निवासी ब्राम्हण पारा राजनांदगांव 07. अमन राजपुत पिता रवि राजपुत निवासी चौखडिया पारा राजनांदगांव 08. ईश्वर यादव पिता ओमलाल यादव निवासी नंदई चौक राजनांदगाव 09. चंदन चौधरी पिता यशवंत चौधरी निवासी राजीवनगर राजनांदगांव को गिरफ्तार कर स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटी को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक एमन साहू, प्र0आर0 दीपक जायसवाल, आरक्षक प्रवीण मेश्राम, कुश बघेल, मोहसीन खान, रूपेन्द्र वर्मा, राजेश बंदेश्वर, फागू साहू, भुनेवश्र जायसी एवं म0आर0 अनुपमा चन्द्रवंशी की सराहनीय भूमिका रही है।

नवाचारों से प्राइमरी शिक्षा में लक्ष्मी गंजीर ला रही है निखार

बालोद/नवप्रदेश। बालोद जिले की डौंडीलोहारा ब्लॉक के ग्राम भरका पारा देवरी में प्राइमरी स्कूल में पदस्थ सहायक शिक्षिका एलबी लक्ष्मी गंजीर अपने नवाचारों के जरिए शिक्षा में निखार ला रही है। बच्चों को नई-नई गतिविधियों के जरिए पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं बल्कि बाहरी दुनिया, प्रकृति से भी परिचित करवाने, संस्कृति से जोड़ने का प्रयास उनके द्वारा किया जाता है। 9 अगस्त 2008 को सहायक शिक्षक के रूप में पद ग्रहण करने के साथ से उन्होंने प्राइमरी स्कूल की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाने, दर्ज संख्या बढ़ाने, सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने में विशेष योगदान दिया है। पहले वे शासकीय प्राथमिक शाला खपराभाट में पदस्थ रहीं। युक्तियुक्तकरण के तहत उनका वर्तमान में पद स्थापना शासकीय प्राथमिक शाला भरका पारा देवरी में हुआ है। जहां वे 4 जून 2025 से पदस्थ हैं।

जिला स्तरीय नि:शुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला एवं व्यंजन प्रदर्शनी आज

मुख्य अतिथि होंगे डॉ. रमन सिंह

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जयंती वर्ष 2025-26 के अंतर्गत लोकहित में संचालनालय आयुष छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी राजनांदगांव के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला एवं व्यंजन प्रदर्शनी का भव्य आयोजन 12 अक्टूबर 2025 रविवार को किया जा रहा है।यह एक दिवसीय शिविर जिले के नागरिकों को स्वास्थ्य, पोषण और पारंपरिक आयुष चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी देने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा। इस मेले का मुख्य उद्देश्य आयुर्वेद, योग, यूनानी, होम्योपैथी, सिद्ध तथा प्राकृतिक चिकित्सा जैसी आयुष प्रणालियों के माध्यम से जनसामान्य को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श, उपचार और औषधीय मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। साथ ही स्थानीय पारंपरिक व्यंजनों की प्रदर्शनी के माध्यम से भारतीय आहार संस्कृति, पोषक एवं औषधीय तत्वों से भरपूर भोजन शैली को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। मेले का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे तथा समापन सायं 4:00 बजे किया जाएगा।

आयोजन स्थल मंगल भवन, शासकीय प्राथमिक शाला मैदान, वार्ड क्रमांक 03, मोतीपुर राजनांदगांव निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर जिले के अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रमन सिंह अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा एवं विधायक राजनांदगांव कार्यक्रम में शामिल होंगे। अध्यक्षता करेंगे श्री संतोष पाण्डेय सांसद संसदीय क्षेत्र राजनांदगांव, विशिष्ट अतिथियों में शामिल रहेंगे श्री मधुसूदन यादव महापौर नगर पालिक निगम राजनांदगांव, श्री पारस वर्मा सभापति नगर पालिक निगम, श्री शेंकी बग्गा प्रभारी सदस्य स्वास्थ्य विभाग, श्री सावन वर्मा प्रभारी सदस्य लोक कर्म विभाग, श्री कमलेश बंधे पार्षद वार्ड क्रमांक 03, श्री मनोहर यादव पार्षद वार्ड क्रमांक 08। निःशुल्क आयुर्वेद, योग, होम्योपैथी एवं प्राकृतिक चिकित्सा परामर्श, स्वास्थ्य परीक्षण एवं नाड़ी परीक्षण, औषधीय परामर्श तथा औषधीय पौधों एवं जड़ी-बूटियों की जानकारी, पारंपरिक एवं पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी, योग एवं प्राणायाम का प्रदर्शन, जनजागरूकता पर विशेष व्याख्यान।

नदी में पुल का अभाव, ग्रामीण और छात्र जान जोखिम में डालकर नदी पार करने मजबूर

कवर्धा/नवप्रदेश। जिले में लगातार बारिश हों रही है जिनके चलते नदी नाले उफान पर है,किसी दूरस्थ क्षेत्र में नदी में पुल का निर्माण तथा नदी पार करने में असुविधा के चलते मजबूर ग्रामीण तथा स्कूली बच्चे नदी पार करने को है मजबूर,जान जोखिम में डालकर उफनती नदी से पार कर रहे स्कूली बच्चे,मामला सहसपुर लोहारा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम बड़ौदा खुर्द का,जहां जिले में तेज बारिश होने की वजह से नदी का जलस्तर में बढ़ोतरी हुई, बाढ़ में फंसे स्कूली बच्चे लगातार बारिश से भीगते खड़े रहे नदी के पार कुछ ग्रामीणों के द्वारा जान जोखिम में डालकर स्कूली बच्चों को बारिश की पानी से बचाने के लिए बारी बारी से नदी से पार करा रहे ग्रामीण वजह है पुल की अभाव,खबरे कई बार प्रकाशित होने के बावजूद प्रशासन की कोई मुस्तैदी नहीं,न हो कोई सुविधा उपलब्ध,शिक्षा ग्रहण के लिए स्कूली बच्चे नदी पार कर स्कूल जाने को मजबूर

जिले में पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश हों रही है जिनके चलते नदी नाले उफान पर है,किसी दूरस्थ क्षेत्र में नदी में पुल का निर्माण तथा नदी पार करने में असुविधा के चलते मजबूर ग्रामीण तथा स्कूली बच्चे नदी पार करने को है मजबूर,जान जोखिम में डालकर उफनती नदी से पार कर रहे स्कूली बच्चे,मामला सहसपुर लोहारा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम बड़ौदा खुर्द का,जहां जिले में तेज बारिश होने की वजह से नदी का जलस्तर में बढ़ोतरी हुई, बाढ़ में फंसे स्कूली बच्चे लगातार बारिश से भीगते खड़े रहे नदी के पार कुछ ग्रामीणों के द्वारा जान जोखिम में डालकर स्कूली बच्चों को बारिश की पानी से बचाने के लिए बारी बारी से नदी से पार करा रहे ग्रामीण वजह है पुल की अभाव,खबरे कई बार प्रकाशित होने के बावजूद प्रशासन की कोई मुस्तैदी नहीं,न हो कोई सुविधा उपलब्ध,शिक्षा ग्रहण के लिए स्कूली बच्चे नदी पार कर स्कूल जाने को मजबूर

फेडरेशन के दोबारा निर्विरोध जिलाध्यक्ष बने शिक्षक रामलाल

खैरागढ़/नवप्रदेश। प्रदेश के सबसे बड़े कर्मचारी संगठन सहायक शिक्षक/ समग्र शिक्षक फेडरेशन के खैरागढ़ जिलाध्यक्ष पद पर शिक्षक रामलाल साहू लगातार दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित किए गए । फेडरेशन के प्रदेश स्तर पर चल रहे चुनाव के तहत खैरागढ़ जिले मे छूईखदान एवं खैरागढ़ ब्लाक अध्यक्ष का चुनाव पहले ही पूर्ण कराया जा चुका है । जिलाध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया पूरी कराने प्रदेश चुनाव समिति द्वारा मनीष मिश्रा की अगुवाई मे चुनाव प्रभारी खेमचंद साहू, लेखराम वर्मा की उपस्थिति मे पूर्ण कराई गई । जिलाध्यक्ष का निर्वाचन निर्विरोध होने के बाद रामलाल साहू को दूसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया ।

छात्राओं को किया निशुल्क साईकिल वितरित

खैरागढ़/नवप्रदेश। ब्लाक के मदराकुही शाउमाशा स्कूल परिसर मे कक्षा 9 की छात्राओं को निशुल्क सरस्वती सायकल योजना के तहत सायकल का वितरण सरपंच शकुन पटवा द्वारा किया गया । इस दौरान सरपंच शकुन पटवा ने छात्राओं को निशुल्क सायकल वितरण करते कहा कि दूरदराज से स्कूल आने वाली छात्राओ को इससे आवाजाही मे सुविधा मिलेगी । समय बचेगा और वे बेहतर तरीके से शिक्षा ग्रहण कर सकेगी । पटवा ने छात्राओं को सायकल वितरण करते बेहतर शिक्षा के साथ स्कूल, परिवार और अपने गांव का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दी । इस दौरान स्कूल प्राचार्य, पंचगण, पालक सहित शिक्षक छात्रछात्राएं मौजूद रहे ।

पेज 1 का शेष

स्वदेशी मेला : छत्तीसगढ़ के बस्तर ...

परिश्रम को जनता के बीच प्रस्तुत कर रहा है। यह स्वदेशी मेला केवल उत्पादों की प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा, संस्कृति और कौशल की जीवंत झांकी है। यहां लगे स्टॉल्स पर हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, जूट उत्पाद, प्राकृतिक खाद्य सामग्री, मिट्टी एवं धातु शिल्प जैसे अनगिनत प्रोडक्ट्स लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के बस्तर से लाई गई डोकरा आर्ट मेले की विशेष आकर्षण बनी हुई है।

प्रदेश में खेती-किसानी की...

मंत्री भागीरथ चौधरी सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, सांसद और विधायक भी वर्चुअली रूप से जुड़े थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों और आने वाली पी?ी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से दलहन आत्मनिर्भरता मिशन शुरू किया गया है। यह मिशन न केवल कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम है, बल्कि देश में पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी प्रयास है। शारीरिक और मानसिक विकास के लिए प्रोटीन अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए हमें मिलकर दलहन उत्पादन की सशक्त व्यवस्था करनी होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत अपनी दलहन आवश्यकताओं को पूर्ण रूप से पूरा नहीं कर पा रहा है। दलहन आत्मनिर्भरता मिशन से दाल उत्पादन में वृद्धि होगी और लगभग दो करोड़ दाल उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

छत्तीसगढ़ के तीन जिलों को शामिल किया

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बड़ी खुशी की बात है कि किसान हित में दो नई योजनाओं में छत्तीसगढ़ के तीन जिलों जशपुर, कोरबा और दंतेवाड़ा को भी शामिल किया गया है। इसके लिए मैं छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान का बोलबाला :साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान का बोलबाला है। जीएसटी में बड़ा रिफॉर्म हुआ है। जीएसटी रिफॉर्म के बाद एक दिन मैं एक ट्रैक्टर शो रूम में गया, यहां आकर मुझे पता चला कि एक ट्रैक्टर के पीछे 40,000 से 60,000 तक की राशि बचत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टॉल देखने के दौरान यहां मुझे एक किसान भाई मिले जिन्होंने हार्वेस्टर खरीदा, उन्हें एक लाख रुपए से भी अधिक की भी बचत का फायदा मिला। यह देखकर बड़ी खुशी होती है कि हमारे किसान भाइयों को इतना फायदा मिल रहा है।

देश कृषि आत्मनिर्भरता का ...

कि 36 नई योजनाओं के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवा किसानों की भागीदारी से खेती की तस्वीर बदलेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

जिनपिंग के एक्सपोर्ट कंट्रोल ...

कि चीन ने ऐसा कोई कदम उठाया होगा, लेकिन उन्होंने उठाया है, और बाकी सब इतिहास है। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद! बता दें, चीन पर पहले से 30 फीसदी टैरिफलागू है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ने 100 फीसदी अलग से टैरिफलगाने का ऐलान कर दिया है।

1500 रुपए की रिश्वत ...

मथुरा प्रसाद यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी बाबूराम पटेल ने उसके पिता की जमीन का खाता अलग करने के नाम पर 5000 रिश्वत की मांग की थी, जो बाद में 2000 में तय हुई. शिकायत के आधार पर लोकायुक्त पुलिस ने ट्रैप की कार्रवाई की. शिकायतकर्ता को 15 नोट 100 के दिए गए, जिन पर फिनाल्फ्थेलीन पाउडर लगाया गया था. आरोप था कि आरोपी ने 1500 रिश्वत ली, जिसे मौके पर पकड़ लिया गया. जांच के बाद उसे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 और 13(1)(डी) सहपठित 13(2) के तहत दोषी ठहराया गया था. प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश, बिलासपुर ने 30 अक्टूबर 2004 को उसे एक-एक वर्ष की कठोर कारावास और 500-500 के जुर्माने की सजा सुनाई थी।

केवल नोट मिलने ...

इसलिए, संदेह का लाभ आरोपी को दिया जाना चाहिए।

हाई कोर्ट ने कहा- अमानवीय...

मेडिकल कॉलेजों, सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की गोपनीयता सुनिश्चित करने की क्या व्यवस्था है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि कर्मचारियों, डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को संवेदनशील बनाने और कानूनी-नैतिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए।

अगली सुनवाई 15 ...

असंवेदनशील और निंदनीय कृत्य है, जिसने मां-बच्चे की पहचान उजागर कर दी और उन्हें सामाजिक कलंक व भविष्य के भेदभाव का शिकार बना सकता है। हाई कोर्ट ने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और गरिमा के अधिकार का खुला उल्लंघन है। राज्य के सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान से अपेक्षा की जाती है कि वह रोगियों के साथ संवेदनशील और जिम्मेदार व्यवहार करे।

वनतारा में इलाज के ...

से लगातार बिगड़ रही थी। जिसके बाद उसे इलाज के लिए जामनगर के वन्तारा रेस्क्यू सेंटर भेजा गया था. वह लंबे समय से लोगों के बीच लोकप्रिय थी। बिजली की तबीयत में गिरावट आने के बाद रायपुर में प्राथमिक इलाज किया गया। लेकिन स्थिति में सुधार न होने पर विशेषज्ञों की टीम ने उसे ट्रेन में स्पेशल कोच के जरिए जामनगर भेजा था।

छत्तीसगढ़ की 9 राजनीतिक ...

और 15 दिसंबर 2024 तक जमा नहीं किया। इसके अलावा, इन्होंने विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भाग लेने के बावजूद चुनावी खर्च की रिपोर्ट भी तय सीमा (75 दिनों व 90 दिनों) के अंदर नहीं दी।

चुनाव आयोग ने पार्टियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया

चुनाव आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29ए और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत मिली शक्तियों का उपयोग करते हुए इन पार्टियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। आयोग ने 9 अक्टूबर 2025 को सुनवाई भी रखी, जिसमें कुछ दलों की ओर से कोई जवाब नहीं आया। अब मामला केंद्रीय निर्वाचन आयोग को भेजा गया है, जो एक महीने के अंदर तय करेगा कि इन पार्टियों की मान्यता बरकरार रहेगी या इन्हें पंजीकृत दलों की सूची से हटाया जाएगा।

क्या कहता है नियम?

आयुष्मान व वय वंदन कार्ड निर्माण में दिखाई दी सेवा भावना

एमसीबी/ नवप्रदेश। ग्राम पंचायत चनवारीडांड में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने की दिशा में एक अनुकरणीय पहल की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के निर्देशानुसार उपस्वास्थ्य केंद्र चनवारीडांड के आरएचओ लाल बहादुर यादव के मार्गदर्शन में 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान कार्ड और वय वंदन कार्ड बनाए गए। इस दौरान नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में रहने वाले पात्र हितग्राहियों को विशेष वाहन की व्यवस्था कर सिविल अस्पताल मनेंद्रगढ़ तक लाया गया, जहां समस्त कार्ड निर्माण की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। आरएचओ लाल बहादुर यादव ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र हितग्राही तकनीकी बाधाओं के कारण शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं से वंचित न रह जाए।

ब्लॉक स्तर पर हाट बाजारों में वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे के बीच तथा हस्ताक्षर अभियान

कांकेर/नरहरपुर । लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के द्वारा उजागर किए गए मतदाता सूची में हेराफेरी एवं वोट चोरी के आरोप में देश भर में चलाए जा रहे अभियान के तहत एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नरहरपुर द्वारा ब्लॉक स्तर पर एवं हाट बाजारों में वोट चोरी एवं गद्दी छोड़ के नारे तथा इस अभियान के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा जिसके ब्लॉक स्तर के प्रभारी एवं वरिष्ठ आदिवासी कांग्रेस नेता सरजू राम शोरी के द्वारा ब्लॉक मुख्यालय में बैठक बुलाई गई थी जिसमें इस विषय पर विस्तार पूर्वक जानकारी उपस्थित कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई जिसमें मुख्य रूप से रोहिदास शोरी संजना वट्टी कौशल्या शोरी प्यारी सलाम मैनू शोरी दिनेश कुमार पटेल शिवचरण मंडावी टकेस्वर सिन्हा अजय कुमार ठाकुर हलाल नेताम कासिम खान कमलेश कुमार कोमरा जगदीश मरकाम सुरेंद्र कुमार कोरम धर्मेंद्र सेन चिमन मरकाम रवि कुमार कुंजाम गंगा राम कोड़ोपी पोलाराम मनोज कुमार सलाम कांशीराम नेताम प्रमोद कुमार कुंजाम योगेश कुमार राजपूत जगदीश कुमार ध्रुव प्रभु राम पंचराम कोड़ोपी कैलाश साहू नीलू कलिहारी महेश कुमार साहू एवं बड़ी संख्या कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

एनएसएस कैंप मुड़पार सरोना में 200 बच्चों ने जाना यातायात के नियम कानून

कांकेर / नवप्रदेश। एनएसएस कैंप मुड़पार सरोना में यातायात की पाठशाला लगाई गई।यातायात पुलिस कांकेर के नेतृत्व में आई.के.एलिसेला, उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार दिनेश कुमार सिन्हा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांकेर के मार्गदर्शन मे दीपक साव, रक्षित निरीक्षक यातायात प्रभारी कांकेर के नेतृत्व मे यातायात बल कांकेर के द्वारा ठाकुर भाव सिंह कॉलेज नरहरपुर व हाई स्कूल सरोना के छात्र/छात्राओं के द्वारा लगाए की सड़क दुर्घटना से बचने के कैसे संकेत देती सड़के कैसे बोलती है के संबंध मे जानकारी दिया गया।

कृषि योजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत

एमसीबी/ नवप्रदेश। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का वर्चुअल शुभारंभ किया गया। इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से देश के किसानों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल की गई है। योजना के अंतर्गत पूरे देश में 100 कृषि जिलों का चयन किया गया है, जिनमें छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर, कोरबा और दंतेवाड़ा जिले शामिल हैं। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना में 36 केंद्रीय योजनाओं का एकीकृत क्रियान्वयन करते हुए कृषि उत्पादकता में वृद्धि, फसल विविधीकरण और सतत् कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दिया जाएगा। योजना का मुख्य उद्देश्य पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर कटाई उपरांत भंडारण क्षमता में वृद्धि, सिंचाई के बुनियादी ढांचे में सुधार, आधुनिक तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहन, तथा अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक कृषि ऋण सुविधाओं को सुलभ बनाना है। इसके माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के अनुकूल, बाजार उन्मुख और टिकाऊ कृषि प्रणाली को सशक्त बनाया जाएगा।

मनेंद्रगढ़ जिले में धन-धान्य कृषि योजना का हुआ वर्चुअल शुभारंभ

वर्चुअल शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन देशभर के जिलों की तरह मनेंद्रगढ़ जिले में भी उत्साहपूर्वक किया गया। जिला स्तर पर यह कार्यक्रम वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मनेंद्रगढ़ के सभागार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा, जनपद पंचायत कृषि स्थायी समिति सभापति रविशंकर वैश्य, जनपद सदस्य आनंद सिंह सहित अनेक कृषकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि इन्द्रासन सिंह पैकरा, सहायक संचालक मत्स्य ओ.पी. मण्डावी, अनुविभागीय अधिकारी कृषि श्री धर्मेन्द्र कुमार कुर्रे, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी रवि कुमार गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

इस योजना से सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई शुरुआत

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू की गई यह योजना किसानों की आय दोगुनी करने, कृषि क्षेत्र को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। एमसीबी जिला भी इस योजना से सीधे लाभान्वित होगा। जिले में वर्तमान में लगभग 1.28 लाख से अधिक कृषक परिवार पंजीकृत हैं, जिनमें से 80 प्रतिशत लघु एवं सीमांत किसान हैं। इस योजना के माध्यम से जिले में अनुमानित 45 हजार हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में सिंचाई विस्तार, 10 हजार टन अतिरिक्त भंडारण क्षमता का निर्माण तथा 250 से अधिक किसान उत्पादक समूह (स्वक्क्ह्य) को तकनीकी और वित्तीय सहयोग प्राप्त होगा। दलहन उत्पादन में वृद्धि के लिए विशेष फ्रदलहन आत्मनिर्भरता मिशन के अंतर्गत जिले के भरतपुर एवं खड़गवां ब्लॉक को मॉडल क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां उच्च गुणवत्ता के बीज, प्रशिक्षण, और प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना की जाएगी।

आत्मनिर्भर किसान से बनेगा समृद्ध भारत

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जैसे पर्वतीय और आदिवासी अंचलों में इस योजना का क्रियान्वयन ग्रामीण विकास की नई परिभाषा गढ़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी की यह पहल निश्चित ही छत्तीसगढ़ के किसानों को ÷धान के भंडार से समृद्ध भारत÷ की ओर अग्रसर करेगी।

लद्दाख के पर्यावरणविद सोनम वांगचुक की रिहाई और छठवीं अनुसूची लागू करने की मांग

■ अपर कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

कांकेर / नवप्रदेश। सर्व आदिवासी समाज जिला कांकेर द्वारा महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया।

जिसमें लद्दाख के पर्यावरणविद् इंजीनियर सोनम वांगचुक पर लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम एनएसए को वापस लेने तथा लद्दाख की संवैधानिक मांगों को मान्यता देने की मांग की गई है।

ज्ञापन अपर कलेक्टर जितेंद्र कुर्रे के माध्यम से राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को भेजा गया। इसमें कहा गया है कि लद्दाख के लोग संविधान सम्मत स्वशासी व्यवस्था, छठवीं अनुसूची के तहत संरक्षण और पूर्ण राज्य का दर्जा मांग रहे हैं, जो पूरी तरह लोकतांत्रिक और न्यायोचित है।सर्व आदिवासी समाज कांकेर के जिलाध्यक्ष कन्हैया उसेण्डी ने कहा कि लद्दाख के पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक पर एनएसए जैसे कठोर कानून के तहत कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने बताया कि लद्दाख के लोग शांतिपूर्ण और अहिंसक जन आंदोलन के माध्यम से अपनी संवैधानिक मांगें उठा रहे हैं, जिन्हें बलपूर्वक दबाना उचित नहीं है।ज्ञापन में निम्न प्रमुख बिंदुओं पर की गई मांग-लद्दाख में चल रहे लोकतांत्रिक अहिंसक आंदोलन पर दमन बंद किया जाए और सोनम वांगचुक को तत्काल रिहा किया जाए। उनके विरुद्ध लगाए गए एनएसए के झूठे आरोपों को वापस लिया जाए तथा उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाए। लद्दाख की संवैधानिक मांगों – छठवीं अनुसूची लागू करने, पूर्ण राज्य का दर्जा देने, लद्दाखी लोक सेवा आयोग गठित करने और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने पर सरकार तत्काल निर्णय ले। लद्दाख में हुई गोलीबारी और हिंसा की घटनाओं की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए।ज्ञापन में कहा गया है कि लद्दाख भारत का संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र है, जहां के लोग सदैव देश की संप्रभुता की रक्षा में अग्रणी रहे हैं। ऐसे में उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना न केवल न्यायसंगत है बल्कि राष्ट्रीय हित में भी आवश्यक है। सर्व आदिवासी समाज कांकेर ने यह भी कहा कि लद्दाख का संघर्ष भारत के अन्य आदिवासी क्षेत्रों के स्वशासन आंदोलन से जुड़ा हुआ है। अतः संविधान सम्मत स्वशासी व्यवस्था पूरे देश के आदिवासी अंचलों में लागू की जानी चाहिए, ताकि लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत हों।इस अवसर पर सर्व आदिवासी समाज कांकेर के पदाधिकारियों ने एकजुटता प्रकट करते हुए कहा कि लद्दाख की संघर्ष हमारी संघर्ष एक है, एक है। ज्ञापन सौंपने के दौरान युवा पदाधिकारी मौजूद थे।

आवास निर्माण कार्य में तेजी लाने आरसेटी दे रहा राजमिस्त्री प्रशिक्षण

■ कलेक्टर एवं जिला सीईओ ने प्रशिक्षण कार्य का लिया जायजा

कांकेर / नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला पंचायत के सीईओ हरेश मण्डावी द्वारा जिले के सुदूर वनांचल ब्लॉक अंतागढ़ का दौरा बुधवार को किया गया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत टेमरूपानी में आरसेटी कांकेर द्वारा संचालित किए जा रहे राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्य का जायजा लिया। उक्त प्रशिक्षण 35 प्रशिक्षणार्थियों द्वारा 30 दिवसीय ऑफकैंपस प्रशिक्षण लिया जा रहा है। आरसेटी कांकेर से ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण उपरांत इन सभी प्रशिक्षुओं को प्रधानमंत्री आवास एवं पंचायत के अन्य निर्माण कार्यों में लगाकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में राज मिस्त्रियों की कमी को देखते हुए आरसेटी कांकेर एवं ग्राम पंचायत के सहयोग से उक्त प्रशिक्षण को सफल बनाया जा रहा है। इसके पश्चात आरसेटी कांकेर द्वारा ऑन कैंपस प्रशिक्षण जिला मुख्यालय कांकेर में भी दिया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवास के कार्य में गति आएगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अंतागढ़ श्री एएस पैकरा, जनपद पंचायत की सीईओ सुश्री साहू सहित प्रशिक्षुगण उपस्थित थे।

जगदलपुर में आयोजित राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड शिविर में कांकेर से 8 स्काउट गाइड हुए सम्मिलित..

■ सफल स्काउट गाइड को राजभवन में सम्मान एवं बोर्ड परीक्षा में मिलेगा बोनस अंक

कांकेर / नवप्रदेश। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के द्वारा राज्यपुरस्कार प्राप्त करने के लिए संभाग स्तरीय जांच शिविर का आयोजन माता रुक्मणी कन्या आश्रम डिमरापाल जगदलपुर में 7 से 11 अक्टूबर 2025 तक किया गया इस संभाग स्तरीय शिविर में कांकेर जिले के 4 स्काउट एवं 4 गाइड सम्मिलित हुए। सहायक राज्य संगठन आयुक्त बस्तर संभाग वाजिद खान ने बताया कि इस राज्य पुरस्कार जांच शिविर का शुभारंभ माता रुक्मणी सेवा संस्थान के संचालक एवं पद्मश्री धर्मपाल सैनी के मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ।

शिविर संचालक श्यामलाल शोरी ने बताया कि शिविर में सम्मिलित प्रतिभागियों की मौखिक लिखित व्यावहारिक एवं दक्षता की परीक्षा संपन्न की गई ।

उक्त दक्षता के आधार पर राज्य पुरस्कार हेतु चयनित किया जाएगा 3 साल की स्काउट गाइड की गतिविधियों में संलग्न रहते हुए सभी बच्चों ने प्रथम द्वितीय तृतीय सोपान को पूर्ण कर राज्य के सबसे बड़े सम्मान हेतु क्वालीफाई कर रहे है।। मुख्य अतिथि एवं पद्मश्री धर्मपाल सैनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुझे गर्व है कि मेरे संस्थान में यह स्काउट गाइड के कार्यक्रम का आयोजन किया गया इससे सम्मिलित बच्चों को प्रेरणा एवं अनुशासन की भावना जागृत होगी और देश और समाज के लिए बच्चे गौरव बनेंगे। इस शिविर को सफल बनाने में शिविर संचालक श्यामलाल शोरी, सहायक शिविर संचालक दसरू यादव सहायक शिविर संचालक किरण ठाकुर लिलेश देवांगन गायत्री पटेल ऋषिदेव सिंह मीरा हिरवानी का सहयोग रहा।

आबकारी उड़नदस्ता टीम को जिला बलरामपुर के राजपुर में मिली बड़ी सफलता

इंजेक्शन विक्रेता सूरज सोनी और बघिमा शर्मा ढाबा के संचालक को किया गिरफ्तार

रामानुजगंज/ नवप्रदेश। संभागीय आबकारी उड़नदस्ता संभाग सरगुजा की टीम द्वारा नशे के सौदागरों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्यवाही जारी है..आज दिनांक 11-10-2025 को गस्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली की बघिमा स्थित शर्मा ढाबा से अवैध विदेशी शराब की बिक्री की जा रही है ढाबा पहुंचने पर अरुण कुमार सिंह उपस्थित मिले, जो की ढाबा का संचालन मलिक की अनुपस्थिति में करते हैं.. ढाबा का मालिक ढाबे में नहीं था.. ढाबे की तलाशी लेने पर ढाबे एवं घर से तथा ढाबे में खड़ी इनोवा गाड़ी से कुल 13 नग सिंबा स्ट्रांग बियर, दो नग रॉयल चैलेंज व्हिस्की का बोतल तथा 10 पाव आफ्टर डार्क व्हिस्की बरामद कर आबकारी अधिनियम के तहत अरुण कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया।। कार्यवाही के दौरान ही मुखबिर से सूचना मिली कि बूढ़ा बगीचा राजपुर में सूरज सोनी अपनी दुकान एवं घर से नशीला इंजेक्शन खुलेआम बेच रहा है,, तत्काल आबकारी उड़न दस्ता टीम रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में सूरज सोनी के घर एवं दुकान में दबिश दी.. घर की तलाशी में किचन रूम से एक थैली में 53 नग REXOGESIC इंजेक्शन तथा 53 नग AVIL INJECTION बरामद हुआ,, आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 ष्ट के तहत गिरफ्तार किया गया.. दोनों आरोपियों को आज ही दिनांक 11.10.2025 को माननीय न्यायालय राजपुर में रिमांड के लिए प्रस्तुत किया गया जहां से जेल दाखिल का आदेश प्राप्त हुआ।।सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि सरगुजा संभाग को नशीले इंजेक्शन एवं तमाम नशा से मुक्त करने की दिशा में अथक प्रयास जारी है।।

उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के द्वारा की गई।। हमराह स्टाफ में आबकारी उप निरीक्षक टी आर केहरी,,मुख्य आरक्षक रमेश दुबे अशोक सोनी नगर सैनिक गणेश पांडे, रणविजय सिंह ओम प्रकाश गुप्ता की सराहनीय भूमिका रही।।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष के लिए चार नेता दौड़ में

■ नारायणपुर में नया जिला कांग्रेस अध्यक्ष जल्द

■ चार नाम दौड़ में प्रमुख

युवा नेता अमित भद्र की प्रबल दावेदारी

युवा नेता अमित भद्र प्रबल दावेदार

नारायणपुर/ नवप्रदेश। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा पूरे देश में संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नारायणपुर जिले में भी नए जिला कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी के निर्देशानुसार नारायणपुर जिले में रायशुमारी के लिए राष्ट्रीय पर्यवेक्षक सैयद अजमतुल्ला हुसैनी, विधायक कुंवर निषाद (गुंडरदेही) और विधायक रामकुमार यादव (चंद्रपुर) को भेजा गया है।

ये तीनों पर्यवेक्षक जिला मुख्यालय में दो दिनों से चल रही बैठकों में जिले के सभी ब्लॉक कांग्रेस, शहर कांग्रेस, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवा दल, एनएसयूआई सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से वन-टू-वन रायशुमारी कर रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। यह रिपोर्ट जल्द ही दिल्ली पार्टी संगठन को भेजी जाएगी, जिसके बाद नए जिला अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी।

चार नेताओं के नाम प्रमुख दावेदार के रूप में उभरे

1. अमित भद्र (युवा नेता सामान्य वर्ग):
छात्र राजनीति से शुरुआत कर एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के निर्वाचित जिला अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव एवं बस्तर संभाग प्रभारी रह चुके हैं। भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा में आयोजक समिति सदस्य के रूप में सक्रिय रहे। पार्षद के रूप में सफल जनप्रतिनिधित्व किया और राहुल गांधी के हाथों सर्वश्रेष्ठ युवा कांग्रेस एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पुरस्कार प्राप्त किया। संगठनात्मक कार्य और युवाओं में लोकप्रियता को देखते हुए इनकी दावेदारी सबसे प्रबल मानी जा रही है।

2. पंडीराम वड्डे (आदिवासी किसान नेता):लंबे समय से संगठन में कार्य , जनपद पंचायत अध्यक्ष और विधायक प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर चुके हैं। आदिवासी समाज में अच्छी पकड़ और संगठनात्मक अनुभव के कारण इनका नाम भी मजबूत दावेदारों में शामिल है।

3. राजेश दिवान (वरिष्ठ नेता सामान्य वर्ग):
प्रदेश कांग्रेस सदस्य, छत्तीसगढ़ ,प्रदेश कांग्रेस सचिव एवं जिला कांग्रेस पदाधिकारी रह चुके हैं। चुनाव संचालन और संगठनात्मक कार्यों में व्यापक अनुभव रखते हैं।

4. शेख तोहिद (अल्पसंख्यक वर्ग):
जिला कांग्रेस महासचिव सहित अन्य दायित्वों पर कार्यरत रहे हैं। पार्टी कार्यालय और चुनाव प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। सामाजिक और राजनीतिक कार्यों का अनुभव इन्हें भी प्रबल उम्मीदवारों में शामिल करता है।

पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर नारायणपुर को इन चार नेताओं में से किसी एक के रूप में नया जिला कांग्रेस अध्यक्ष मिलेगा।

अरिहंत गारमेंट्स में चोरों का धावा गल्ला तोड़कर ले गए नकदी और कपड़े

अंतागढ़ / नवप्रदेश। थाना अन्तर्गत नगर क्षेत्र के गोल्डन चौक के नारायणपुर मुख्य मार्ग से लगे अरिहंत गारमेंट्स में बीती शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने विनोद जैन के कपड़ा दुकान का शटर का ताला तोड़कर दुकान में घुसे और दुकान में रखे गल्ला के ताले तोड़ करीब 13 हजार रुपए मूल्य के नकदी और कुछ कपड़ों की अपने साथ लेकर फरार हो गए। सुबह घटना का पता चलने पर पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

मिली जानकारी के अनुसार, दुकान के संचालक विनोद जैन ने बताया कि शुक्रवार रात करीब शटर का ताला तोड़ा और दुकान की गल्ला से ताला तोड़कर उसमें रखे लगभग 13 हजार रुपये के आसपास नकद, और कपड़ा जिसकी संख्या बता पाना संभव नहीं है चोरी कर लिया। सुबह जब पास के दुकान दार अपनी दुकान खिलने पहुंचा तो उन्होंने देखा कि विनोद जैन की दुकान का ताला टूटा हुआ दिखा चोरी का अंदेशा होने पर तत्काल दुकान के संचालक को दी और दुकान दार के पहुंचने पर देखा गया कि शटर का ताला टूटा हुआ और शटर गिरा हुआ था शटर को को खोलने के बाद देखा तो गल्ला खुली पड़ी है। सामान बिखरा था और नकदी व गायब थे। सूचना पर थाना अंतागढ़ के पुलिस बल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कराया और साक्ष्य जुटाए। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

बीती रात हुई चोरी का चोरों रात में हुई भारी बारिश से हुई बिजली गुल का फायदा उठाया चोर शटर तोड़ दुकान में दाखिल हुए और शटर को अंदर से बंद कर चोरी को अंजाम दिया चोरी करने के लिए लाइटर की रोशनी का सहारा लिया और चोरी के बाद दुकान के अंदर गांजा चिलम का दम लिया जिसकी महक दुकान से आ रही थी ।

प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग-

ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और रात्रि गश्त को सख्ती से लागू किया जाए ताकि चोरों के हौसले पस्त हों और क्षेत्र में सुरक्षा की भावना बहाल की जा सके।

न्यूज गैलरी

नगरी नगर में हितग्राही को मिला नया राशन कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र प्रदान

नगरी/नवप्रदेश। नगर पंचायत नगरी के शहीद धर्मेंद्र सिंह वार्ड क्रमांक 9 की सभापति अल्का साव द्वारा वार्ड की हितग्राही लोकेश्वरी अमतिया को नया राशन कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिसमे कई दिनों से संबंधित दस्तावेज़ों की प्रक्रिया लंबित होने के बाद सभापति अल्का साव के प्रयासों से यह कार्य पूर्ण हुआ। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के सभी वार्ड वासियों हितग्राही को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना ही उनका प्रमुख उद्देश्य है। इस अवसर पर वार्डवासी उपस्थित रहे और सभापति के प्रयासों की सराहना की।

महमल्ला में बच्चों की गुणवत्ता जांच

नगरी/नवप्रदेश। महमल्ला मॉल एवं रैयत में मुख्यमंत्री शैक्षिक गुणवत्ता के तहत बच्चों की सामाजिक आंखेक्छन किया गया। कार्यक्रम की मुख्यातिथि परमिला साहू उपसरपंच बांधा मुख्यातिथि बिच्छल सिंह मरकाम , विशेष अतिथि सावलूराम मरकाम , रतनू राम मरकाम, समारु राम मरकाम, कवालु राम नेताम , जीवन लाल विश्वकर्मा,नाथूराम नेताम ग्राम पटेल, लिलेश्वरी साहू,थे । नोडल अधिकारी माध्यमिक शाला महमल्ला मॉल में टी पी साहू शिक्षक माध्यमिक शाला बांधा, तथा प्राथमिक शाला महमल्ला मॉल और रैयत के लिए क्रमशः जितेश्वरी साहू प्रधान पाठक प्राथमिक शाला बांधा, तथा पंचराम मरकाम प्रधान पाठक प्राथमिक शाला श्राइटोला थे। बच्चों को स्तर अनुसार 20 बिंदुओं पर प्रश्न पूछते हुए उचित अंक प्रदान किए उपस्थित पलकों द्वारा भी प्रश्न पूछे गए । उक्त कार्यक्रम में के आर नेताम पूर्व प्रधान पाठक माध्यमिक शाला महमल्ला मॉल, एवं महेंद्र कुमार सोरी , कौशलेश सिन्हा शिक्षक तथा अन्य पालकगण भी उपस्थित रहे।

सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 13 को

उतई/नवप्रदेश। नगर पंचायत उतई द्वारा शासन के दिशा-निर्देश के आधार पर 13 अक्टूबर की सुबह 8 बजे से सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन किया गया है। नगर पंचायत उतई के सी एम ओ राजेंद्र नायक ने बताया कि खेलकूद के सुचारू रूप से संचालन के लिए अंकालू राम साहू, सहायक राजस्व निरीक्षक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

घुटकेल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयादशमी उत्सव मनाया गया

नगरी/नवप्रदेश। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत नगरी खंड के अंतिम छोर स्थित ग्राम घुटकेल में श्रद्धा और उत्साह के साथ विजयादशमी उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता महेंद्र नेताम (खंड संपर्क प्रमुख), संतोष साहू तथा खंड कार्यवाह मोतीलाल दिवाकर उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महेंद्र नेताम ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा विजयादशमी के दिन 1925 में नागपुर में की गई थी। संघ ने अपने आरंभ से ही अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए समाज, शिक्षा, संस्कृति, धर्म और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में निरंतर कार्य किया है।

कांग्रेसियों ने चलाया सिमगा में वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान

सिमगा/नवप्रदेश। नगर पालिका सिमगा क्षेत्र में ÷वोट चोर गद्दी छोड़÷ आंदोलन के तहत घर-घर जाकर हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत कांग्रेस के सह प्रभारी विजय जांगिड़, क्षेत्रीय विधायक इन्द्र साव तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा धृतलहरे ने किया।

अभियान की शुरुआत आत्मा राम ताम्रकार के निवास से की गई जहाँ बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नगरवासी उपस्थित थे। कांग्रेस सह प्रभारी विजय जांगिड़ ने कहा कि "जनता के विश्वास और जनादेश का अपमान कर सत्ता में बैठे लोगों ने लोकतंत्र की मर्यादा तोड़ रहे है।

'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान जनता की आवाज को सशक्त करने का माध्यम है। देश की जनता समझ चुकी है कि किस प्रकार लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। यह अभियान सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि जनभावना का प्रतीक है। हम घर-घर जाकर लोगों से अपील करेंगे कि वे अपने

हस्ताक्षर के माध्यम से इस आंदोलन को जनआंदोलन बनाएं। कांग्रेस पार्टी जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी और यह आंदोलन तब तक चलेगा जब तक "जनादेश की लूट" करने वालों को जवाब नहीं मिल जाता।

जिला अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे ने कहा कि "यह आंदोलन लोकतंत्र की पुनर्स्थापना की दिशा में एक मजबूत कदम है।

हर कार्यकर्ता को इस अभियान को मिशन की तरह लेना चाहिए। जब हर घर से हस्ताक्षर जुड़ेंगे, तो यह जनता की उस आवाज का प्रतीक होगा जो अन्याय, भ्रष्टाचार और जनादेश की लूट के खिलाफखड़ी है। कांग्रेस पार्टी जनता के साथ खड़ी है और इस जनआंदोलन को गांव-गांव तक पहुँचाया जाएगा।"

उक्त अवसर पर प्रदेश प्रतिनिधि सुनील महेश्वरी, सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अरुण ताम्रकार, भाटापारा मंडी के पूर्व अध्यक्ष सुशील शर्मा, विधायक प्रतिनिधि शैली भाटिया, ब्लाक कार्यकारी अध्यक्ष हिरेंद्र कोसले,
रिंकू भाटिया,अशोक देवांगन, बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नगरवासी उपस्थित थे।

सिमगा की जनता सदैव सच्चाई के साथ खड़ी रही है, यही इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत है : इंद्र साव

विधायक इन्द्र साव ने कहा कि "राहुल गांधी जी ने अपनी प्रेसवार्ता में स्पष्ट कहा है कि लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई हर नागरिक की जिम्मेदारी है। आज जब सत्ता में बैठे लोग जनमत की अवहेलना कर रहे हैं, तब जनता को ही आगे आकर सच्चाई बतानी होगी। इस अभियान के माध्यम से हम सिमगा के हर घर तक यह संदेश पहुँचा रहे हैं कि जनता की एक-एक वोट की कीमत है, और उसे कोई नहीं चुरा सकता। कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव, वार्ड-वार्ड जाकर जनता से संवाद करेंगे और इस जनआंदोलन को सफल बनाएंगे। उन्होंने कहा कि सिमगा की जनता सदैव न्याय और सच्चाई के साथ खड़ी रही है, और यही इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत है। "

फाइनल में पहुंची पुलिस बल ई-30 पैंथर और मैनपुर डिवीजन की टीमें

गरियाबंद/नवप्रदेश। खेल के प्रति उत्साह और पुलिस बल में आपसी सौहार्द बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित गरियाबंद पुलिस वॉलीबॉल प्रतियोगिता शुक्रवार को जोश और रोमांच से भरपूर रही। प्रतियोगिता में आज हुए रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए ई-30 पैंथर और मैनपुर डिवीजन की टीमें फाइनल में पहुंच गईं।

पहले सेमीफ़ाइनल में कप्तान रवि सिन्हा की अगुवाई में मैनपुर डिवीजन ने सीआरपीएफ बिन्द्रनवागढ़ को कड़े संघर्ष में हराया। बेस्ट ऑफ 5 सेट के इस मुकाबले में मैनपुर डिवीजन ने तीन सेट जीतकर निर्णायक बढ़त बनाई, जबकि बाकी दो सेटों में जबरदस्त टक्कर देखने को मिली।

दूसरे सेमीफ़ाइनल में मनोज भगत की कप्तानी में ई-30 पैंथर ने शानदार खेल दिखाते हुए ई-30 फाइटर को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

हालांकि बारिश के चलते फाइनल

मुकाबला स्थगित कर दिया गया है, अब रोमांचक फाइनल रविवार को खेला जाएगा, जिसका बेसब्री से इंतज़ार खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों को है।

प्रतियोगिता में पुलिस विभाग की कुल 9 टीमें – वारियर, हंटर, तेजस, फाइटर, एसटीएफ सीएफ मैनपुर और नवागढ़ शामिल हैं। आज के मैचों में दर्शकों का उत्साह देखने लायक रहा।

कार्यक्रम में विशेष रूप से पहुंचे एसडीओ पी. गोपाल वैश्य, थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव, कान्हा क्लब के कोच जीडी उपासने, पार्षद छगन यादव विजय कश्यप, और प्रहलाद यादव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

जवानों ने बताया कि एसपी राखेचा हमेशा से ही खेलों को प्रोत्साहित करते रहे हैं, और उनके नेतृत्व में विभागीय खिलाड़ियों को लगातार मंच और अवसर मिल रहे हैं।

अब रविवार को होने वाले फाइनल मैच का रोमांच अपने चरम पर होगा – पूरे जिले की नज़रें इस बात पर टिकी हैं कि आखिर कौन बनेगा गरियाबंद पुलिस वॉलीबॉल प्रतियोगिता का चैंपियन!

पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने की पहल

इस प्रतियोगिता की पहल पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने की है, जो न केवल अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित अधिकारी हैं, बल्कि खेलों के प्रति गहरी रुचि रखते हैं। उनके निर्देशन में यह आयोजन न सिर्फ़ फिटनेस और टीम भावना को मज़बूत कर रहा है,

दो औद्योगिक केन्द्रों का अफसरों ने किया नरीक्षण

महासमुंद/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर आज जिला स्तरीय गठित संयुक्त टीम द्वारा दो औद्योगिक केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र शशिकांत सिंह, श्रम पदाधिकारी श्रम विभाग, डी.एन. पात्र, निरीक्षक, विधिक माप विज्ञान विभाग सिद्धार्थ दुबे उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मेसर्स राधेश्याम आईल इण्डस्ट्रीज सरायपाली में विधिक माप विज्ञान विभाग की जांच में धर्मकांटा नियमानुसार सत्यापित पाया गया, इसकी जांच के लिए पर्याप्त संख्या में बाट रखने हेतु निर्देशित किया गया। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा जांच में कोई भी कमियां नहीं पाई गई। श्रम विभाग द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976, वेतन भुगतान अधिनियम 1936, संविदा श्रमिक अधिनियम 1970 के अन्तर्गत जांच/निरीक्षण किया

गया। प्रबंधन द्वारा प्रमुख नियोजक का लाइसेंस एवं ठेकेदार द्वारा भी लाइसेंस नही लिया जाना पाया गया व सूचनाएं प्रदर्शित किया जाना नहीं पाया गया तथा ओवर टाईम का रिकॉर्ड रखा जाना नहीं पाया गया। इस संबंध में प्रबंधन एवं ठेकेदार को नोटिस जारी किया जा रहा है। इसी प्रकार विकासखण्ड सरायपाली अंतर्गत क्लीनमैक्स इनवायरो एनर्जी सॉल्यूशन लिमिटेड केना का निरीक्षण किया गया है।

वार्ड क्रं. 37 को मिला दीपावली का उपहार

महापौर के हाथों हुआ अधोसरंचना कार्य का भूमिपूजन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। वार्ड क्रं. 37 महावीर वार्ड में बाबा रामदेव मंदिर के पास सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन शुक्रवार की दोपहर डेढ़ बजे महापौर मधुसूदन यादव के आतिथ्य में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में महापौर यादव ने कहा कि नगर में अधोसंरचना विकास का कार्य सामूहिक प्रयासों से तेजी से आगे बढ़ रहा है। नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इस सड़क

निर्माण से स्थानीय रहवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि पार्षद का दायित्व है कि वे अपने क्षेत्र के विकास कार्यों के साथ जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर सक्रिय रहें। युवा पार्षद जैनम बैद इसी दिशा में समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं, जो प्रशंसनीय है।

पार्षद जैनम बैद ने इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडेय और महापौर मधुसूदन यादव का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ÷हमारे विधायक हमारा गौरव हैं, हमारे सांसद हमारा तेज हैं और हमारे महापौर हमारा बल हैं। इनके सहयोग से नगर निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है।जैनम ने बताया कि वार्ड में सड़क निर्माण से पहले ही कई विकास कार्य पूरे हो चुके हैं। इनमें पिंक टायलेट निर्माण, सड़क डामरीकरण, नाली-नाला की सफाई और निर्माण कार्य शामिल हैं।

पारिवारिक सामाजिक उत्सव का केंद्र बन रहा है सेजेस सिंगपुर

नगरी/नवप्रदेश। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यालय को सामाजिक जन चेतना का केंद्र बनाने हेतु सेजेस सिंगपुर के शिक्षकों के द्वारा सतत प्रयास जारी है।जब से सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम चलाया जा रहा है तब से नियमित समुदाय के लोग विद्यालय से जुड़ रहे हैं। अब हालात यह है कि लोग अपने जन्म दिन,बच्चे के जन्म दिन,वैवाहिक वार्षिक उत्सव,पुण्य स्मृति ,प्रियजन की स्मृति के बहाने स्कूल पहुंचकर नेवता भोज के साथ साथ स्कूल को कुछ न कुछ भेंटकर समृद्ध कर रहे हैं।

सोशल अवेयरनेस एंड एक्शन टू न्यूट्रलाइज निमोनिया का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

महासमुंद/नवप्रदेश। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत SAANS विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण दो बैच में 06-07 एवं 08-09 अक्टूबर 2025 को जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद एवं डॉ. कुणाल नायक द्वारा प्रतिभागियों को निमोनिया की शीघ्र पहचान, उपचार, ऑक्सीजन थेरेपी, जीवनरक्षक प्रबंधन तकनीक तथा समुदाय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के उपायों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में जिले के सभी चिकित्सक एवं मेडिकल ऑफिसर, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्टाफनर्स उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई नागेश्वर राव ने अपने

संबोधन में कहा कि इस कार्यक्रम से पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों में निमोनिया से मृत्यु दर कम करने में उल्लेखनीय सुधार होगा। सभी चिकित्सक एवं कर्मचारी इस दिशा में प्रभावी कार्य करें जिससे हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई नागेश्वर राव एवं नीलू घृतलहरे डीपीएम के द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रशिक्षण के सफल आयोजन में जिला स्वास्थ्य समिति महासमुंद की टीम आजू वर्मा डी टीसी, डेविका साहू प्रशिक्षक एवं डॉक्टरों का विशेष योगदान रहा।

नगर की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण हेतु पार्षद निधि से सहयोग

नगरी/नवप्रदेश। नगर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने की दिशा में नगर पंचायत नगरी के जनप्रतिनिधियों ने सराहनीय पहल की है। वार्ड क्रमांक 12 की पार्षद तथा वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद एवं नगर पंचायत के सभापति अश्वनी निषाद ने रावण भाटा स्थित रामलीला मैदान में बने मंच के संधारण कार्य हेतु अपनी पार्षद निधि से कुल ?2,25,000 की अनुशंसा की है। जिसमे इस राशि से रामलीला मैदान में रंगमंच का निर्माण एवं संधारण कार्य किया जाएगा, जिससे नगर की इस प्राचीन सांस्कृतिक पहचान को नई ऊर्जा मिलेगी और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखा जा सकेगा।इस अवसर पर नव आनंद कला मंदिर एवं विजयदशमी महोत्सव समिति के अध्यक्ष मोरध्वज पटेल, दीपेश निषाद, अनिल वाधवानी, रविद्र साहू, निहाल देवांगन, अशोक पटेल, तथा नगर व्यवस्था समिति के अध्यक्ष नंदकुमार यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा एवं नरेश छेदेया ने दोनों पार्षदों का शाल-श्रीफल व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।जनप्रतिनिधियों के इस सांस्कृतिक सरोकार से जुड़े प्रयास की नगरवासियों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

सर्व यादव समाज के पदाधिकारियों की बैठक नगरी में हुआ

- **महिला प्रकोष्ठ कर्मचारी प्रकोष्ठ व्यापारी प्रकोष्ठ का 12 का होगा गठन एवं युवाओं को मिलेगा नयी जिम्मेदारी**

नगरी/नवप्रदेश। सिहावा नगरी सर्व यादव समाज के अध्यक्ष नंद यादव के अध्यक्षता में पदाधिकारी बैठक संपन्न रहा जिसमें सर्वप्रथम भगवान इष्ट देव राधा कृष्ण जी की पूजा अर्चना कर समाज की संगठन मजबूती प्रदान करने के लिये विशेष चर्चा किया गया,एवं गोवर्धन पूजा महोत्सव कार्यक्रम सिहावा क्षेत्र की तैयारी हेतु विशेष बैठक बुलाने हेतु दिनांक 12 अक्टूबर दिन रविवार राधा कृष्ण मंदिर यादव समाज भवन (शीतला मंदिर)सिहावा को प्रस्तावित किया गया,सर्व यादव समाज के पदाधिकारीयो ने बात रखा समाज की पूर्व वर्ष गोवर्धन पूजा महोत्सव में जिला प्रभारी मंत्री टंक राम वर्मा ,एवं क्षेत्रीय विधायक अंबिका मरकाम , दोनों जनप्रतिनिधियो के द्वारा 10-10 लाख स्वीकृति कि,घोषणा कि गयी थी, जिसमे 10 लाख स्वीकृति राशि प्राप्त होने पर प्रगति कार्य टीना सेड निर्माण कार्य कि जायजा लेने हेतु विशेष चर्चा हुई, बाकी 10 लाख की राशि घोषणा के अनुरूप समय पर प्राप्त न होने पर पुनः अवगत कराने के लिए निर्णय लिया गया, बैठक के दौरान कार्यक्रम को गति प्रदान करने के लिए नई ऊर्जा के साथ महिला प्रकोष्ठ कर्मचारी प्रकोष्ठ व्यापारी प्रकोष्ठ का गठन एवं युवा संगठन में नयी जिम्मेदारी देने हेतु बैठक में प्रस्ताव पास किया गया ।

आह्वान ...

त्रि स्तरीय पंचायत पदाधिकारी एकजुट हो जाए तो सारे समस्याओं का समाधान निश्चित

छत्तीसगढ़ राज्य पंचायत परिषद का सम्मेलन संपन्न

भाटापारा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य पंचायत परिषद द्वारा पंचायत सम्मेलन का आयोजन तिल्दा ब्लॉक के ग्राम छतौद में किया गया जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक जादौन ने ग्राम विकाश की संकल्पना और पंचायत परिषद के द्वारा किए कार्यों और विकास क्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि त्रि स्तरीय पंचायत पदाधिकारी एकजुट हो जाए तो सारे समस्याओं का समाधान निश्चित है, उन्होंने बताया कि परिषद द्वारा दिए सलाह अनुसार ही 73 वे संविधान संशोधन के बाद ही त्रि स्तरीय पंचायत राज का गठन हुआ और भारत रत्न जय प्रकाश नारायण और डॉक्टर बलवंत राय मेहता द्वारा ग्राम स्वराज की जो संकल्पना की गई थी इसमें विकेंद्रीकरण कर पंचायतों को अधिक अधिकार संपन्न बनाने का विषय समाहित था, किंतु यह छत्तीसगढ़ सहित अधिकतर राज्यों में सिर्फ कागजों में दिखता है जबकि जमीन स्तर पर अधिकारी ही ग्राम सरकार चला रहे, उन्होंने परिषद से जुड़कर एकजुट होने का आह्वान किया।

परिषद की राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष

लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि पंचायतें विकास की धुरी है विकसित राष्ट्र के सपने को पूरा करने के लिए गांवों का विकास जरूरी है। कार्य में जाने अनजाने में हुए अनियमितता की स्थित में पंचायत पदाधिकारी पर तो धारा 40 लगाकर पद से बेदखली तथा वसूली तो होती है लेकिन समान रूप से जिम्मेदार अधिकारी और सचिव साफ बच निकलते है। उन्होंने महिला जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि सरकार ने 50त्न महिला आरक्षण देकर महिलाओं के हाथ में ग्राम सरकार सौंपी है अतः स्वावलंबी और पंचायत के अधिकारों के जानकार बनकर जनाकांक्षाओं को पूरा करे ।

जिला पंचायत सभापति स्वाति वर्मा ने उपस्थित जनपद सदस्य, सरपंच और पचों को संगठित और समन्वय बनाकर कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनता बहुत उम्मीदों से चुनती है पांच साल बाद अपना रिपोर्ट कार्ड जनता के बीच हमे प्रस्तुत करना होता है, आप सब पर जन अपेक्षाओं का बड़ा भार है जिसे पूरा करने के लिए एकजुट होकर लड़ना होगा , इसके लिए अखिल भारतीय पंचायत परिषद हम सबका सजग साथी बनेगा जो केंद्र और राज्य सरकार तक और हमारी बातों को लेकर जाएगा।छत्तीसगढ़ पंचायत परिषद के महासचिव अनुपम अग्रवाल ने परिषद द्वारा छत्तीसगढ़ में कार्य विस्तार और प्रगति का लेखा जोखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का हमारे बीच सम्मेलन में होना गौरव की बात है ।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर प्रशासन सख्त, 18 नमूने लिए

- **अवमानक पाए गए 03 प्रकरणों पर विवेचना जारी**

महासमुंद/नवप्रदेश। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार तथा अभिहित अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रसाधन उमेश कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विशेष जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी शंखनाद भोई द्वारा पिछले 15 दिनों में मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों जैसे दही, देशी घी, खोवा, बेसन, पेड़ा, बुंदी लड्डू आदि के 07 विधिक नमूने तथा इलायची दाना, मूंगफली दाना, शक्कर, साबूदाना, घी, मैदा, पॉमोलीन तेल, बुंदी लड्डू, खोवा, कलाकंद एवं नारियल बर्फी के 11 सर्विलेंस नमूने संकलित किए गए हैं। ये सभी नमूने परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, कालीबाड़ी, रायपुर भेजे गए हैं। गौरतलब है कि रक्षाबंधन पर्व 2025 के दौरान भी विभाग द्वारा 08 मिठाइयों के विधिक नमूने एवं 12 सर्विलेंस नमूने संकलित किए गए थे। जांच में 08 विधिक नमूनों में से 04 नमूने मानक से अवमानक पाए गए, जबकि 04 नमूने मानक अनुरूप पाए गए। अवमानक पाए गए 03 प्रकरणों पर विवेचना जारी है तथा 01 प्रकरण माननीय एडीएम न्यायालय में विचाराधीन है।

न्यूज गैलरी

कैदियों ने उठाया शतरंज कैरम व लूडो का आनंद

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती वर्ष के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला जेल में कैदियों के के लिए इंडोर खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान कैदियों ने शतरंज, कैरम बोर्ड एवं र लूडो आदि का लुफ्त उठाया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव कंचनलता आचला ने विजेता टीमों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, इस प्रकार के आयोजन बंदियों में मानसिक तनाव को कम करते हैं और उनमें आत्मविश्वास एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। इस अवसर पर चिकित्साधिकारी डॉ संजय ओबेराय, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य स्वतंत्र तिवारी तथा जेल अधीक्षक कार्यालय से अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ई-निविदा प्रक्रिया से रेत खदान आबंटन के लिए प्रशिक्षण कल

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर कार्यालय मुंगेली द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में रेत खदानों के ई-निविदा प्रक्रिया से आबंटन के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण जल संसाधन विभाग बिलासपुर के प्रार्थना सभा भवन में 13 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे आयोजित किया जाएगा। खनिज अधिकारी ने बताया कि, राज्य शासन के निर्देशानुसार खनिज विभाग अंतर्गत गौण खनिज साधारण रेत खदानों का आबंटन अब ई-नीलामी प्रक्रिया से किया जाएगा। इसके तहत निविदा जारी करना, भाग लेने हेतु पंजीयन, बोली लगाने की प्रक्रिया, तकनीकी अहर्ता एवं लॉटरी प्रक्रिया जैसी सभी गतिविधियां अब ऑनलाइन एमएसटीसी पोर्टल के माध्यम से होंगी। प्रशिक्षण में इच्छुक बोलीकर्ताओं को ई-नीलामी से जुड़ी तमाम प्रक्रिया जैसे कि निविदा जारी करना, निविदा में भाग लेने के लिए बोलीकर्ताओं का पंजीयन, बोली लगाने की प्रक्रिया, तकनीकी अर्हताधारी बोलीकर्ताओं का चयन, लॉटरी प्रक्रिया, अधिमानी बोलीदार का चयन आदि पोर्टल के माध्यम से होने वाली समस्त जानकारी बताई जाएगी।

सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ की बैठक आज

मुंगेली/नवप्रदेश।-किसानों की समितियों को बचाने छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ की प्रदेश स्तरीय निर्णायक बैठक 12 अक्टूबर को रायपुर में आयोजित की गई है। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ रायपुर के आह्वान पर प्रदेश भर के लगभग 13 हजार सहकारी समिति कर्मचारियों से जुड़े संगठन की प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक 12 अक्टूबर को रायपुर में आयोजित की जा रही है। यह बैठक राज्य की 2058 सहकारी समितियों एवं 2739 धान उपार्जन केन्द्रों में कार्यरत कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर बुलाई गई है।

आर्थिक सुधार और स्वदेशी प्रोत्साहन, जीएसटी, रक्षा निर्यात और उद्योग नीति में उल्लेखनीय प्रगति

पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान: विकसित भारत की दिशा में प्रेरणा और प्रयास

मुंगेली/नवप्रदेश। ऐतिहासिक जीएसटी क्रांति और उससे पहले आयकर की दरों में ऐतिहासिक छूट देकर, सभी तरह के कर कानूनों का सरलीकरण कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत की राह को प्रशस्त किया है। ये बातें छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा क्रेडा के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सवन्नी ने पत्रकारों से बातचीत में कही। विधायक पुन्नूलाल मोहले एवं अन्य नेतागण उपस्थित रहे। क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सवन्नी ने पत्रकारों से बातचीत में आगे कहा कि नागरिकों को राहत, व्यापार सुगमता, कर सरलीकरण का अंतिम ध्येय भारत को विकसित बना देश के 150 करोड़ नागरिकों का जीवन आसान बना कर, उनके जीवन को संवारने का ध्येय लेकर मोदीजी काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम सबको याद है कि हमारे प्रधानमंत्री ने कोरोना की वैश्विक महामारी के समय सबसे पहले आत्मनिर्भर भारत का मंत्र दिया था। उस समय की भयानक आपदा को भी ऐसा अवसर बना देना, किसी चमत्कारिक नेतृत्व के वश की ही बात है।

प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया आत्मनिर्भर भारत का संकल्प सिर्फ एक संकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति की अभिव्यक्ति भी है। मोदीजी के इस मूलमंत्र को अपना कर पार्टी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू किया है। यह अभियान 25 सितंबर पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती से प्रारम्भ हुआ है और 25 दिसंबर को

छत्तीसगढ़ निर्माता, भारत रत्न श्रद्धेय अटल की जन्म जयंती तक यह चलेगा। श्री सवन्नी ने आगे कहा कि हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी की भावना के साथ इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए आत्मनिर्भर भारत संकल्प सम्मेलन और आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा जैसी कई गतिविधियों की योजना बनाई गई है। इस अभियान का उद्देश्य वोकल फॉर लोकल के संदेश को हर भारतीय तक पहुँचाना है। पिछले एक दशक से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वदेशी को लेकर जिस तेजी से काम हुआ है, उसका असर सैन्य उपकरणों के निर्यात से लेकर अंतरिक्ष, वैक्सीन हर जगह भारत की बढ़ती धाक में देखा जा सकता है। यदि सिर्फ रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को देखें तो 2014 से पहले जहां हम बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर थे वहीं अब आत्मनिर्भर होते हुए रक्षा निर्यातक बन चुके हैं। भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2014-15 में 1 हजार 941 करोड़ रूपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 23 हजार 622 करोड़ रूपए हो गया है। आज हमारे देश ने विश्व के तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट अप इको सिस्टम के रूप में स्थापित कर लिया है। जहां 17 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। क्रेडा अध्यक्ष श्री सवन्नी ने आगे कहा कि भारत में 100 से अधिक यूनिकॉर्न आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का प्रतीक हैं। सही अर्थ में हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से अंत्योदय के उद्देश्य को भी पूरा कर रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन के ध्येय पर चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आर्थिक और नीतिगत सुधारों का जो दौर चल रहा है, उसका सबसे अधिक लाभ गरीब, किसान, महिलाओं, मध्यम वर्ग को मिला है। जीएसटी सुधार लागू होने के बाद मैं स्वयं बाजारों में जा रहा हूं। जिस तरह का उत्साह हमें देखने को बाजारों में मिल रहा है, वह अद्भुत है। बाजार भ्रमण के दौरान मैंने देखा कि लोगों में जीएसटी 2.0 और स्वदेशी उत्पादों को लेकर विशेष उत्साह है। पत्रकारों ने पूछा कि बिजली बिल हाफ की सुविधा समाप्त होने से दिक्कत हो रही है ? तो श्री सवन्नी ने कहा कि सरकार फ्री बिजली के लिए प्रयास कर रही है प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ उठाकर बिजली बिल से बचा जा सकता है। औद्योगिक क्षेत्र में उद्योग नहीं लग पा रहा है ? प्रदेश सरकार ने नई उद्योग नीति लागू की है, सोलर प्लांट आदि लगाया जा रहा है।

आत्मानंद स्कूल दाऊपारा में जिला स्तरीय कला उत्सव 2025 का आयोजन किया

प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान और विद्यार्थियों में कला व रचनात्मकता का उत्साह

मुंगेली/नवप्रदेश। पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी स्कूल दाऊपारा में जिला स्तरीय कला उत्सव 2025 का आयोजन किया किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के पूजा-अर्चना, माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात् उपस्थित अतिथियों को गुलदस्ता भेंट कर एवं बैज लगाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम संयोजक एवं शाला प्राचार्य डॉ. आईपी यादव ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस जिला स्तरीय कला उत्सव 2025 प्रतियोगिता में एकल एवं सामूहिक नृत्य, गायन, वादन, नाटक, चित्रकला, रंगोली, कहानी वाचन एवं शिल्पकला/हस्तकला विधा में तीनों विकासखण्ड के प्रथम चयनित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया जायेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला मिशन समन्वयक अशोक कश्यप ने कहा कि

कहा उत्सव हमें अवसर देता है कि हम अपने प्रतिभा, परिश्रम और रचनात्क सोच को सबके सामने प्रस्तुत कर सकें। नृत्य, संगीत, चित्रकला, नाटक, हस्तकला आदि अनेक विधाओं में हमारे विद्यार्थियों की प्रतिभा झलकती है। ''कला केवल मनोरंजन नहीं, यह आत्मा की अभिव्यक्ति है।'' विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार बावरे अपने संबोधन कहा कि यह उत्सव हमारी प्रतिभा, कला और सृजन की पहचान हेतु अवसर उपलब्ध कराती है। एसएमडीसी अध्यक्ष रामशरण यादव ने कहा कि यह उत्सव हमें अपनी छिपी प्रतिभाओं को देखने और सीखने का अवसर देता है। उक्त प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एकल गायन में सेजेस जरहागांव की छात्रा कु. जया कश्यप, रंगोली में गरिमा, शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल करही, चित्रकला में शौर्या गुप्ता, सेजेस पथरिया, कहानी वाचन आदित्य नायक, सेजेस दाऊपारा, माइम (नाटक) में सेजेस पथरिया से माही मानिकपुरी एवं साथी, समुह गायन तुषार एवं साथी शासकीय हायर सेकण्डरी कन्या पथरिया, समूह नृत्य यशवंत एवं साथी शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल नवागांव (ची.) वादन चंद्रभान साहू, सेजेस पथरिया, एकल नृत्य कु. विभा साहू, सेजेस पथरिया, पल्लवी श्रीवास सेजेस लोरमी ने शिल्पकला/हस्तकला में प्रथम स्थान प्राप्त किये। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम इस उत्सव में उत्साह और सृजन की भावना से अपने विद्यालय व मुंगेली जिले का नाम रौशन करें। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेश पाठक, जनपद पंचायत अध्यक्ष राजकमल सिंह परिहार, पार्षद अजय साहू, एपीसी प्रदीप उपाध्याय, लेखराम साहू, बीआरसी मुंगेली सूर्यकांत उपाध्याय, उप प्राचार्य राजेंद्र सिंह क्षत्रिय, व्याख्याता महादेव यादव, रश्मि पाण्डेय, सांत्वना दत्ता, राहुल वर्मा, रंजीता केंवट, संविता देवांगन, पारूल ओझा, पीटीआई राजेन्द्र प्रसाद साहू, निर्णायक रूद्र प्रताप, डिंकी केशरवानी, सरिता गुप्ता सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकायें एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहें।

अभियान: धोखाधड़ी, नशा और यातायात सुरक्षा का संदेश दिया

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला पुलिस अधिकारियों एवं पहल टीम द्वारा ऑन लाइन, मोबाइल से धोखाधडी-नशा-सुरक्षित यातायात विशेष रूप से निरन्तर कार्य किया जा रहा है,कार्यक्रम के माध्यम से नशा से होने वाले दुष्परिणाम एवं नशा से बचने के उपाय, ऑनलाइन-मोबाइल से होने वाले धोखाधड़ी, एवं बचने के उपाय, सुरक्षित यातायात नियमो की जानकारी, विभिन्न अपराधो से दूर रहने रहने, महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधो एवं कानून की जानकारी देने के द्वारा बच्चो का उचित मार्गदर्शन किया जा रहा है। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधो एवं कानून की जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक ने जिला के विभिन्न विद्यालयों आयोजित पहल कार्यशाला में बच्चो के साथ रूबरू होकर जीवन के वास्तविकता के तीन प्रेरणादायी मूलभूत सिद्धांत - दैहिक, दैविक व भौतिक शब्द के माध्यम से अर्थ का विस्तारित करते हुए सबसे पहले अपने शरीर की सुरक्षा, मन की एकाग्रता के साथ जो भी भौतिक साधन उनके पास उपलब्ध है उसी में संतुष्ट होकर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर जीवन में सफल होने की प्रेरणा देते हुए अपने बचपन की जीवन शैली माता-पिता का संस्कार तथा अपने कठिन संघर्ष से जो सफलता प्राप्त किए उससे अवगत कराया एवं बच्चों को भी अनुशासित जीवन शैली अपना कर अपने स्वास्थ्य को उत्तम रखने को प्रेरित किये। साथ ही मोबाइल से दूर रहकर अनुशासित जीवन जीने, सुविचार - संस्कार को अपनाने, पूर्ण शिक्षा प्राप्त कर, लक्ष्य प्राप्त कर सफल एवं सुरक्षित जीवन जीने और एक अच्छा इंसान बनने को प्रोत्साहित किया। अभियान में विभिन्न कार्यक्रमों-कार्यशाला, रैली, ड्राइंग, विद्यार्थी श्रृंखला ,रंगोली ,मेंहदी, स्लोगन नारे, निबंध, नुक्कड़ नाटक, खेलकूद स्पर्धा आयोजन के द्वारा बच्चो को पहल से जोड़कर सफल जीवन मार्गदर्शन किया ।

मां दुर्गा झांकी उत्सव: नवरात्रि में महिला सशक्तिकरण की थीम पर भव्य आयोजन

मुंगेली/नवप्रदेश। नवरात्र उपरांत नगर में निकली माँ दुर्गा झांकी उत्सव में स्टार्स ऑफटुमॉरो वेलफेयर सोसायटी ने 'महिला सशक्तिकरण' की थीम पर महाराणा प्रताप चौक में मंच बनाकर सभी दुर्गा झांकियों का पूजन एवं भव्य स्वागत किया, माँ दुर्गा की झांकी के प्रति श्रद्धालुओं में अपार उत्साह देखने को मिला। नगर की गलियों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। रंगीन रोशनी और डीजे की धुनों से पूरा माहौल भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बन गया। भव्य सजावट और देवी दुर्गा की अलौकिक प्रतिमाओं ने सभी का मन मोह लिया।

रात्रि 9 बजे मंडी परिसर से प्रारंभ हुई माँ दुर्गा झांकी देर रात तक नगर भ्रमण करती रही, जिसमें नगर की 20 से अधिक झांकियाँ सम्मिलित हुईं। टीम स्टार्स ने इस वर्ष महिला सशक्तिकरण÷ को केंद्र में रखते हुए नवरात्रि के नौ रूपों की प्रेरणा से जिले की नौ प्रतिभाशाली महिलाओं विभा मसीह, शीला जयशवाल, जया गुप्ता, पुनिता मिश्रा, सोनम ठाकुर, रितु तिवारी, सुधा राजपूत, राखी रूपवानी और दिव्या ठाकुर को निर्णायक मंडल के रूप में आमंत्रित कर समाज में नारी शक्ति का सम्मान किया।

निर्णायक मंडल द्वारा झांकी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सिद्धिविनायक दुर्गोत्सव समिति, मलाई घाट, द्वितीय स्थान ? हनुमंत दुर्गोत्सव समिति निरंजन वाटिका, तृतीय स्थानरू ? बाल दुर्गोत्सव समिति (मनुराज टाकीज के पीछे) को घोषित किया गया। विजेता समितियों का सम्मान आगामी मुंगेली व्यापार मेला के बड़े मंच से किया जाएगा। इस अवसर पर मंच में जिले के कलेक्टर कुंदन कुमार, एसडीएम अजय शतरंज, तहसीलदार कुणाल पांडेय, नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला, एवं पत्रकार योगेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में स्टार्स ऑफ टुमॉरो वेलफेयर सोसायटी के संयोजक रामपाल सिंह, सह संयोजक रामशरण यादव, अध्यक्ष महावीर सिंह, सचिव विनोद यादव, कोषाध्यक्ष धनराज परिहार, सांस्कृतिक प्रभारी सतपाल मक्कड़, दिनेश गोयल, गोखलेश सिंह, गिरीश सुथार, दीपक जैन, रणवीर सिंह, आशीष सोनी, अनुराग सिंह, सूरज मंगलानी, कोमल चौबे, सुनील वाधवानी, पप्पू शर्मा, राहुल मल्लाह, धीरज जैन, अजय चंद्राकर, चित्रकान्त सिंह, देवेंद्र सिंह, दिलबाग सिंह, वासु पांडेय, श्रीओम सिंह, पवन यादव, रवि साहू, सुरेश यादव सहित टीम के सभी सदस्यों का योगदान रहा।

निधन
कृष्ण कुमारी उपाध्याय

मुंगेली/नवप्रदेश। ग्राम बहरपुर वाले स्व. गेंदलाल उपाध्याय की धर्मपत्नी कृष्ण कुमारी

उपाध्याय 78 वर्ष का शुक्रवार शाम 7.30 बजे निधन हो गया। वे चंद्रप्रकाश उपाध्याय तथा एसएनजी कालेज के प्रोफेसर द्वय जेपी उपाध्याय, बृजेश उपाध्याय व अखिलेश, ओमप्रकाश उपाध्याय की माताजी थीं। वे अपने पीछे 5 पुत्र व 1 पुत्री का भरापूरा परिवार छोड़ गयीं। उनका अंतिम संस्कार 11 अक्टूबर शनिवार को गृह ग्राम बहरपुर में प्रातः 10 बजे किया जाएगा।

प्रभारी सचिव किरण कौशल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कार्यो की समीक्षा की

सक्ती/नवप्रदेश। जिले की प्रभारी सचिव किरण कौशल नें वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर अमृत विकास तोपनो सहित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के कार्यो की विस्तारपूर्वक गहन समीक्षा की। बैठक में प्रभारी सचिव किरण कौशल द्वारा खाद्य विभाग अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान व मक्का खरीदी की तैयारी, कृषक पंजीयन की अद्यतन स्थिति, गिरदावरी का सत्यापन, खरीदी केन्द्रों की तैयारी, बारदानों की व्यवस्था, वर्ष 2024-25 के धान का उठाव आदि कार्यो के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधित कार्यो की अद्यतन स्थिति, आरोग्य मंदिर के संचालन की स्थिति एनसीडी स्क्रीनिंग व उपचार, आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन की स्थिति, सम्पूर्ण टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति, मितानिन दवा पेटी हेतु औषधियों की व्यवस्था सहित अन्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधित कार्यो की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके साथ ही बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत कुपोषण में कमी लाने हेतु किए जा रहे कार्य अंतर्गत सक्षम आंगनबाड़ी, सुपोषण चौपाल, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों पर भर्ती की अद्यतन स्थिति, पोषण एप का उपयोग, प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना सहित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के क्रियान्वयन की स्थिति, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। इसके साथ ही बैठक में शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन शहरी और ग्रामीण, मिशन अमृत 2.0 के क्रियांवयन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना, ई सेवायें, लोक सेवा गारंटी, हितग्राही मूलक योजनाओं में ई-केवायसी एवं डीबीटी द्वारा भुगतान सहित अन्य विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्रीककृष्ण जन्म और बाल लीलाओं का वर्णन

मुंगेली/नवप्रदेश। संगीतमय श्रीमद् भागवत् कथा का आयोजन समीपस्त ग्राम भुसंडी में आयोजित किया गया है, जिसके कथा व्यास पंडित सूर्यभान चौबे पंडरभट्ठा वाले है परायण कर्ता मनोहर पांडेय तथा उप पुरोहित अरविंद त्रिपाठी है, मुख्य यजमान के रूप में ,उमेश कुमार साहू मंजू साहू उमाशंकर साहू दुर्गा साहू है कथा के छठवे दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्म और उनकी बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला। और उन्होने कहा जैसे कंस के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने हेतु भगवान

श्रीकृष्ण ने जन्म लिया वैसे ही, जब-जब धरती पर अनाचार, अत्याचार और अन्याय बढेगा तब-तब भगवान इस धरा पर अवतार लेकर धर्म की स्थापना करेंगे। कथा से सातवे दिन के अन्य विवाह स्यमन्तकमणि कथा सुदामा चरित्र का वर्णन किया गया, सुदमा चरित्र के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने अपनी लीला में मित्रता की मिशाल पेश करते हुए लोगो को बताया कि एक मित्र को मित्रता किस तरह से निभानी चाहिये श्रीकृष्ण ने अपनी लीलाओं के माध्यम से सभी वर्गो एवं पहलुओं को विस्तृत रूप से आत्मसात् करने का उपदेश दिया है। कथा के दौरान वासुदेव, यशोदा, सुदामा व बाल कृष्ण की जीवंत झांकी ने श्रध्दालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रवचन में स्वामी ने कहा कि जीवन में सही दिशा पाने के लिए संकल्प और अनुशासन आवश्यक है, हर बच्चे को अपने माता पिता और गुरू के उपदेशों का पालन करना चाहिए, क्योंकि उनका आर्शीवाद ही सफलता की कुंजी है।

आस्था

सुहागिन महिलाओं ने मनाया उत्साह और श्रद्धा के साथ व्रत

करवा चौथ की पूजा और चांद दीदार: पति की दीर्घायु और सौभाग्य की कामना

मुंगेली/नवप्रदेश। नगर में सुहागिन महिलाओ ने अपने पति की दीर्घायु सुख-समृध्दि और अखंड सौभाग्य की कामना करते हुए करवा चौथ का व्रत रखा, करवा चौथ का यह पर्व उत्साह और खुशी के साथ मनाया गया, नगर के मोहल्ले एवं कॉलोनियों में बालकनी से लेकर छतों तक रोशनी छाई रही सुहागिन जहां सज-धज कर चन्द्रमा का इंतेजार कर रही थी वहीं बादलो की ओट में छिपे चन्द्रमा का दीदार देर रात में हुआ।

आस्था और विश्वास का प्रतीक माने जाने वाले इस पर्व को महिलाओं ने दिन भर निर्जला उपवास रख रात्रि में पूजा अर्चना कर अपने व्रत पूर्ण की। सुहागिन महिलाएं अखण्ड सौभाग्य की कामना कर करवा चौथ का पूजा अर्चना करती रही। महिलाएं सुबह से ही पर्व की तैयारियां करती रही। हाथों में मेहंदी व पूर्ण साज श्रृंगार कर रात में चांद निकलने का इंतजार करती रही। कई घरों में महिलाएं चांद के दीदार के लिए देर रात तक छत पर खड़ी होकर आसमान की ओर नजरें टिकाएं रहीं। चन्द्रोदय के उजाले से ही सोलह श्रृंगार से परिपूर्ण महिलाएं चांद की पूजा-अर्चना करती रही। निर्धारित समय चन्द्रोदय पश्चात करवा चौथ की पूजा कर चांद को अर्ध्य उनकी पूजा अर्चना कर

व्रत खोली। व्रती महिला सावित्री, मंजूरानी ने बताया कि करवा चौथ के दिन यह व्रत सूर्योदय से पहले शुरू होकर रात में चंद्रमा के दर्शन तक पूरा होता है। पति के दीर्घायु और अखंड सौभाग्य के लिए निराहार उपवास रखकर शाम को पूजा-अर्चना की जाती है। इस व्रत को आजीवन भी किया जाता है। चांद की सुंदरता को नजर ना लगे इसलिए छलनी का इस्तेमाल करते है। फिर पति को भी उसी छलनी से देखते हैं और पति पानी पिलाकर व्रत खोलता है। मान्यता है कि संकल्प लेने से पति की आयु बढ़ जाती है और महिलाओं को भी अखंड सौभाग्य का वर प्राप्त होता है। इस व्रत में विवाहित स्त्रियों दिनभर निराहार तथा निर्जला या बिना पानी पीये रहना पड़ता है। पति की दीर्घायु के लिए महिलाओं द्वारा रखे जाने वाले इस पर्व में करवा का विशेष महत्व होता है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना बनी किसानों के लिए वरदान

सक्ती/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना देशभर के किसानों के जीवन में स्थायित्व और आत्मनिर्भरता का आधार बन चुकी है। इस योजना के माध्यम से किसानों को प्रति वर्ष 6000 रूपए की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जा रही है, जिससे उन्हें खेती-किसानी के कार्यों में निरंतर सहायता मिल रही है। सक्ती जिले के ग्राम अंजोरीपाली निवासी किसान प्रेमचंद मैत्री भी इस योजना के नियमित लाभार्थियों में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें योजना की प्रत्येक किस्त समय पर प्राप्त होती है, जिससे वे बीज, खाद, कीटनाशक तथा कृषि उपकरणों की खरीद में इसका उपयोग करते हैं। इससे खेती की उत्पादकता और गुणवत्ता दोनों में सुधार हुआ है। श्री मैत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ने ग्रामीण अंचलों में किसानों की आर्थिक स्थिरता को नई दिशा दी है। पहले जहां छोटे किसानों को खेती के लिए आवश्यक पूंजी जुटाने में कठिनाई होती थी, वहीं अब इस योजना से उन्हें न केवल सहायता मिल रही है।

अगले 3 दिन बिलासपुर, सरगुजा सहित अन्य जिलों में बारिश की संभावना

छत्तीसगढ़ में 2-3 दिन में मानसून की विदाई, सरगुजा होकर इस बार 10 दिन देरी से लौट रहा मानसून

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में दक्षिण-पश्चिम मानसून अब विदाई की ओर है, लेकिन जाते-जाते भी कई जिलों में अच्छी बारिश देने की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले 2-3 दिनों के लिए मध्य और दक्षिणी छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है। विशेष रूप से, गरज-चमक के साथ बिजली गिरने या वज्रपात की चेतावनी भी जारी की गई है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अगले 2-3 दिनों में उत्तरी छत्तीसगढ़ के हिस्सों से मानसून के लौटने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो रही हैं। इसका मतलब है कि सरगुजा संभाग और उससे सटे जिलों में अब बारिश की गतिविधियां कम होने लगेंगी और मौसम शुष्क होने लगेगा। हालांकि, इस बीच भी कुछ स्थानीय मौसमी बदलावों के कारण हल्की बारिश संभव है। जहां उत्तरी छत्तीसगढ़ से मानसून की विदाई की तैयारी है, वहीं मध्य और दक्षिणी छत्तीसगढ़ के जिलों में अगले तीन दिनों तक मौसम मेघगर्जन वाला बना रहेगा। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर संभाग और इनसे सटे कई जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले दो दिनों के बाद भी प्रदेश के कुछ इलाकों में यह बारिश का दौर जारी रह सकता है। किसानों और आम जनता को इस अवधि में मौसम की गतिविधियों पर नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने अपनी चेतावनी में स्पष्ट किया है कि मेघगर्जन की गतिविधियों के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने (वज्रपात) की आशंका जताई गई है। यह एक गंभीर मौसमी घटना हो सकती है, इसलिए लोगों को खासकर खुले क्षेत्रों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी जाती है। इस मौसमी चेतावनी को ध्यान में रखते हुए, सुरक्षा उपायों का पालन करना अनिवार्य है। प्रदेश से अगले दो से तीन दिनों में मानसून की वापसी शुरू हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी छत्तीसगढ़ से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं। पिछले 24 घंटों की बात करें तो प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री पेंड्रारोड में रिकॉर्ड किया गया है। इस बार अक्टूबर माह में अब तक सामान्य से 109% अधिक बारिश दर्ज की गई है। आमतौर पर 8 अक्टूबर तक राज्य में औसतन 28.3 मिमी वर्षा होती है और मानसून लौट चुका होता है, लेकिन इस बार अब तक 59.1 मिमी से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

30 सितंबर तक हुई मानसूनी बारिश

प्रदेश में अब तक 1167.4 मिमी औसत बारिश हुई है। बेमेतरा जिले में अब तक 524.5 मिमी पानी बरसा है, जो सामान्य से 50% कम है। अन्य जिलों जैसे बस्तर, राजनांदगांव, रायगढ़ में वर्षा सामान्य के आसपास हुई है। जबकि बलरामपुर में 1520.9 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 52% ज्यादा है। ये आंकड़े 30 सितंबर तक के हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 30 सितंबर तक हुई बारिश को मानसून की बारिश माना जाता है, जबकि इसके बाद की बारिश को 'पोस्ट मानसून' यानी मानसून के बाद की बारिश माना जाता है। छत्तीसगढ़ में आमतौर पर 5 अक्टूबर के आसपास सरगुजा की तरफ से मानसून लौटना शुरू होता है, लेकिन इस बार वापसी में देरी हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस बार प्रदेश में मानसून करीब 15 अक्टूबर के बाद लौटेगा, यानी सामान्य से करीब 10 दिन देरी से।

न्यूज गैलरी

आयुष्मान कार्ड बनाने महाअभियान कल

बिलासपुर/नवप्रदेश। आयुष्मान कार्ड बनाने 13 अक्टूबर (सोमवार) को एक दिवसीय विशेष महाअभियान आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में स्थित राशन दुकानों में सवेरे 10 बजे से शाम 5 बजे तक शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड एवं 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के वय वंदन कार्ड भी बनाए जाएंगे।आयुष्मान कार्ड के लिए अनिवार्य दस्तावेज- आधार कार्ड, राशन कार्ड, आधार से लिंक मोबाईल नंबर (ह्लझक्कसत्यापन हेतु आवश्यक) प्रत्येक पात्र व्यक्ति का अलग-अलग कार्ड बनाया जाएगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर स्थल पर उपस्थित होकर योजना का लाभ लें। योजना के विशेष प्रावधानों के अंतर्गत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले नागरिकों के लिए वय वंदन कार्ड बनाया जाएगा। जिन हितग्राहियों का पूर्व में सामान्य आयुष्मान कार्ड बन चुका है, उन्हें भी 70 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरांत पुनः केवाईसी कराना अनिवार्य होगा, ताकि वे योजना के अंतर्गत मिलने वाले अतिरिक्त 5 लाख रुपए तक लाभ ले सकें।

अजय चंद्राकर ने किया तीखा पलटवार, कहा- दरबारी हैं, जनता के नहीं

कांग्रेस का चरित्र ही नीचे काटने और ऊपर चाटने वाला है: अजय चंद्राकर

बिलासपुर/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बयान के बाद छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री और विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर तीखा पलटवार किया है। बिलासपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि कांग्रेस का चरित्र ही नीचे काटने और ऊपर चाटने वाला है।

अजय चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेसी दिल्ली जाकर एक परिवार को चाटते हैं और प्रदेश में आकर एक-दूसरे को काटते हैं। यही कांग्रेस का असली चरित्र है। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग दरबारी हैं, वही विष्णुदेव सरकार पर आरोप लगाते हैं।वे जनता के दरबारी नहीं, दरबार के गुलाम हैं। अजय चंद्राकर ने स्पष्ट किया कि उनके कहने का अर्थ 'दरबार' से सोनिया गांधी, राहुल गांधी और आजकल रेहान राजीव गांधी से है। पहले वह रेहान राजू

वाड्रा लिखते थे, अब रेहान राजीव गांधी लिखने लगे हैं। यही कांग्रेस का नया दरबार है। उन्होंने प्रियंका गांधी को भी उस दरबार का हिस्सा बताते हुए कहा – दरबारी नेता हमेशा दरबार की गुलामी ही करेंगे, और ऐसे ही उनके दिन गुजरेंगे। अजय चंद्राकर ने उमंग सिंघार पर सीधा प्रहार करते हुए कहा – जो नेता खुद काटने और चाटने वाले हैं, उन पर मुझे कोई बयान देने की जरूरत नहीं। उनका चरित्र खुद सब बयां कर देता है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी या उद्योग बंद होने की बातें राजनीतिक भ्रम हैं। 1977 तक अर्थव्यवस्था मजबूत थी, बाद की सरकारों की गड़बड़ियों ने उसे कमजोर किया। आज फिर हम मजबूती की राह पर हैं।

आत्मनिर्भर भारत पर बोले चंद्राकर

प्रेस वार्ता के दौरान अजय चंद्राकर ने आत्मनिर्भर भारत अभियान को लेकर केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम टैरिफ के मार से नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम हो रहा है।

'मन को स्वस्थ रखने सकारात्मक सोच जरुरी'

■ युवोदय मनोबल वालंटियर्स ने किया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिलासपुर/नवप्रदेश। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर युवोदय के मनोबल स्वयंसेवकों के द्वारा कोटा के ग्राम पंचायत खुदुर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराना और मन की बात साझा करने की संस्कृति को बढ़ावा देना था। युवोदय स्वयंसेवकों ने गाँव के बच्चों, किशोरों, महिलाओं और बुजुर्गों के साथ संवाद करते हुए बताया कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही आवश्यक है। उन्होंने समझाया कि मन को स्वस्थ रखने के लिए सकारात्मक सोच, बातचीत और आत्म-विश्वास जरूरी है। कार्यक्रम में मन भारी लागे त बात करव,चिंता कम, मुस्कान ज्यादा जैसे स्लोगन के माध्यम से सरल और प्रभावशाली संदेश दिए गए। बच्चों के लिए खेल, संवाद और प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियाँ रखी गईं, जिससे उन्होंने हँसी और बातचीत के माध्यम से मानसिक संतुलन बनाए रखने का महत्व समझा। स्वयं सेवक गोपाल, कावेरी, सुमित्रा, रोशनी, प्रियंका ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम कि जिला समन्वयक एनीरोज ने बताया कि जिले में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यूनिसेफ द्वारा मनोबल कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

रानी दुर्गावती के आदर्शों को युवाओं तक पहुंचाने की जरुरत: अर्चना झा

■ बिलासा कन्या कॉलेज में रानी दुर्गावती की जयंती मनाई गई

बिलासपुर/नवप्रदेश। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बिलासपुर महानगर द्वारा 10 अक्टूबर को बिलासा कन्या महाविद्यालय में रानी दुर्गावती की जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रुप में अर्चना झा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक(ग्रामीण) बिलासपुर परिषद वक्ता के रुप में साक्षी सिंह ठाकुर मौजूद रहीं। साथ ही इस कार्यक्रम के माध्यम से रानी दुर्गावती के जीवन और आदर्शों को युवाओं तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्राओं की भागीदारी सराहनीय रही। इस पर परिषद वक्ता साक्षी सिंह ठाकुर में कहाँ की रानी दुर्गावती जैसी वीरांगनाओं को समाज के सामने प्रस्तुत करना हमारे कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हैं। साथी ही कार्यक्रम में प्रदेश के सह मंत्री हेमांशु कौशिक, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य वैष्णवी परसाई महानगर सह मंत्री रिशु साहू, साक्षी श्रीवास्तव एवं भव्या शुक्ला, उमा पटेल, नेहा पंत, रंजन शुक्ला, सेजल, मधु, तनाज़, अनुष्का, अनन्य, भर्ती सात अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।आगे भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से युवाओं में राष्ट्रीयता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

छात्राओं को समाज में भागीदारी देने की जरूरत

मुख्य अतिथि अर्चना झा ने कहा कि परिषद् द्वारा ऐसा कार्यक्रम करना परिषद की समाज में भूमिका को दर्शाता हैं एवं हमारे बहनों को भी समाज में अधिक प्रबल रूप से भागीदारी की ज़रूरत हैं और जो शिक्षा के माध्यम से हो सकती है।

निगम ने पार्षद शेख असलम को दी श्रद्धांजलि

बिलासपुर/नवप्रदेश। वार्ड क्रमांक 29 के पार्षद शेख असलम के निधन के उपरांत नगर निगम कार्यालय विकास भवन में शोक सभा आयोजित कर स्व. असलम को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर महापौर पूजा विधानी ने कहा कि स्व. असलम की जन सेवा के प्रति समर्पण और सादगी सदैव स्मरणीय रहेगा। शोक सभा में महापौर पूजा विधानी, सभापति विनोद सोनी, कमिश्नर अमित कुमार समेत एमआइसी सदस्य, पार्षद एवं बड़ी संख्या में निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी ने बिल्हा विधानसभा क्षेत्र के तिफरा, सिरगिट्टी, बोदरी, बिल्हा एवं बरतोरी मंडलों की आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित संयुक्त कार्यशाला में उत्तम इन चकरभाठा में सम्मिलित होकर विस्तारपूर्वक अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर विधायक धरमलाल कौशिक, जिला अध्यक्ष दीपक सिंह सहित जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसईसीएल ने 37 लाख वर्गफुट से अधिक क्षेत्र को मुक्त करने लक्ष्य किया निर्धारित

अपशिष्ट प्रबंधन, स्क्रैप निपटान, इलेक्ट्रॉनिक व फाइल समीक्षा पर ध्यान किया केंद्रित

बिलासपुर/नवप्रदेश। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने अपने प्रचालनगत और प्रशासनिक स्थानों पर स्वच्छता, दक्षता और अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ाने के लिए एक व्यापक योजना के साथ अपना महत्वाकांक्षी विशेष अभियान 5.0 आरंभ किया है। अभियान के तहत, एसईसीएल ने छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में फैले 203 चिन्हित स्थलों पर 37,50,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस पहल का उद्देश्य कार्यालयों, खदानों और कॉलोनियों में स्थायी हाउसकीपिंग कार्यप्रणालियां सुनिश्चित करना तथा कार्यस्थल की स्वच्छता और सौंदर्य में सुधार करना है। यह अभियान प्रणालीगत फाइल समीक्षा और समापन के माध्यम से डिजिटल दस्तावेजीकरण कार्यप्रणालियों और कुशल परिसंपत्ति प्रबंधन के एकीकरण पर भी जोर देता है, जो स्वच्छता और शासन में दक्षता के लिए भारत सरकार के व्यापक विजन के अनुरूप है। पिछले वर्ष विशेष अभियान 4.0 के दौरान, एसईसीएल ने कई श्रेणियों में अपने लक्ष्यों को पार किया—सफाई स्थलों की संख्या, खाली की गई जगह और स्क्रैप निपटान के मामले में सभी कोयला सार्वजनिक उपक्रमों में कंपनी ने शीर्ष स्थान हासिल किया। विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत प्रमुख लक्ष्य में लगभग 37.5 लाख वर्ग फीट क्षेत्रफल वाले 203 स्थलों की सफाई और रखरखाव, लगभग 3,000 मीट्रिक टन स्क्रैप सामग्री का सुरक्षित निपटान, 2,000 वास्तविक फाइलों और 6,500 ई-फाइलों की विस्तृत समीक्षा, कंपनी के भीतर रचनात्मकता औरर चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अपशिष्ट से सर्वश्रेष्ठ कलाकृतियों का निर्माण।

राजनीतिक दलों को मतदाता सूची पुनरीक्षण का दिया गया प्रशिक्षण

बिलासपुर/नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बेलतरा विधान सभा क्षेत्र के लिये राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) का प्रशिक्षण स्वामी आत्मानंद लालबहादुर शास्त्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर स्थित पंडित देवकीनंदन दीक्षित सभागृह बिलासपुर में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सभी राजनैतिक दलों के लगभग 200 बीएलए के साथ ही पार्षद गण एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित सदस्यों को बीएलए का कर्तव्य, निर्वाचन आयोग के लिये उल्लेखित संवैधानिक प्रावधान, मतदाता सूची एवं मतदाता सूची में नाम जोड़ने, सुधारने एवं विलोपन कराने की फार्मों की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न होने वाले आवश्यक दस्तावेज के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही आगामी दिनों में होने वाले मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यकम में हाने वाले कार्यों के सम्बन्ध में भी जानकारी दी गई। इसके पूर्व कल बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के लिये नियुक्त किये गये बूथ लेवल एजेंट का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

दौरा — पर्यवेक्षक व नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रायशुमारी की

पदाधिकारियों से संगठन व राजनीतिक गतिविधियों की जानकारी ली

करगीरोड (कोटा)/नवप्रदेश। बिलासपुर जिले हेतु संगठन सृजन अभियान के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेंटी से नियुक्ति पर्यवेक्षक नेता प्रतिपक्ष मध्यप्रदेश विधानसभा उमंग सिंघार प्रदेश पर्यवेक्षक धनेश पाटिला नरेश ठाकुर के साथ कोटा पहुंचे।

स्थानीय अग्रसेन भवन में विधायक अटल श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष विजय केशरवानी ब्लॉक अध्यक्ष आदित्य दीक्षित रामचंद्र पैकरा शीतल जायसवाल महिला कांग्रेस अध्यक्ष वीणा मसीह युवा कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पकांत कश्यप प्रकाश जायसवाल अरूण त्रिवेदी सहित ब्लॉक कांग्रेस जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने

पर्यवेक्षकगणो का स्वागत किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार विधायक जिलाध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष ने बैठक की व्यवस्था की थी जहा बारी बारी से प्रत्येक पदाधिकारियों से पर्यवेक्षक ने व्यक्तिगत मुलाकात कर संगठन की गतिविधियों एवं राजनीतिक गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान सुरेश चौहान, अरूण त्रिवेदी, संतोष गुप्ता, संदीप शुक्ला, मनोज बाजपेयी, कुलवंत सिंह, शिवदत्त पाण्डेय, सुभाष अग्रवाल, फुलचंद अग्रहरी, राजू सिदार, देवेन्द्र कौशिक, कान्हा गुप्ता, जब्बार खान, माया मिश्रा, सोनू मानिकपुरी, लक्ष्मीन, अजय चौहान, संजू चौहान, रिंकू दीक्षित, धर्मेन्द्र देवांगन, अली कश्यप, संतोष बघेल, पींटू मरकाम आदि सहित सैकड़ो की संख्या में कोटा बेलगहना रतनपुर के कार्यकर्ता उपस्थित थे। बिलासपुर से साथ में अभयनारायण राय, राजेन्द्र शुक्ला, प्रमोद नायक, जितेन्द्र पाण्डेय, आत्मजित मक्कड़, शिव बालक कौशिक, महेन्द्र गंगोत्री, रंजीत सिंह, त्रिलोक श्रीवास, राजकुमार तिवारी व अभिषेक सिंह आदि शामिल थे।

जिलाध्यक्ष के लिए योग्य उम्मीदवारों की मांगी जानकारी

बैठक में पर्यवेक्षक ने राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खड़गे के निर्देशानुसार संगठन सृजन अभियान की जानकारी प्रदान की और कार्यकर्ताओं से जिलाध्यक्ष पद हेतु योग्य उम्मीदवारों की जानकारी प्रदान करने की अपील की।

न्यूज गैलरी

एचडीएफसी बैंक ने छोटे व्यवसायों के लिए भारत का पहला इंस्टैंट डिजिटल स्टोरफ्रंट क्यूआर, 'माई बिज़नेस क्यूआर' लॉन्च किया

मुंबई। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2025 में 'माई बिज़नेस क्यूआर' के लॉन्च की घोषणा की।
'माई बिज़नेस क्यूआर' छोटे व्यवसायों के लिए भारत का पहला कॉमर्स आइडेंटिटी क्यूआर है। इसे बैंक के लोकप्रिय स्मार्टहब व्यापार मर्चेंट ऐप के विस्तार के रूप में व्यापरीफाई के साथ साझेदारी में लॉन्च किया गया है, जिसका उपयोग देश भर में 20 लाख से ज़्यादा व्यापारी करते हैं।

यह अनूठा क्यूआर भारत की दो लोकप्रिय डिजिटल आदतों - क्यूआर भुगतान और चैट - को मिलाकर एक सुविधाजनक जुड़ाव-आधारित ऑनलाइन खरीदारी अनुभव प्रदान करता है। माई बिज़नेस क्यूआर के साथ, व्यापारी एक डिजिटल बिज़नेस प्रोफ़ाइल बना सकते हैं जो ऑनलाइन कॉमर्स-रेडी स्टोरफ्रंट के रूप में भी काम करती है। ग्राहक व्यापारी की व्यावसायिक प्रोफ़ाइल को सीधे अपने फ़ोन संपर्कों में स्कैन और सहेज सकते हैं। 'माई बिज़नेस क्यूआर' सर्च इंजन ऑप्टिमाइज़्ड लिस्टिंग के माध्यम से व्यापारियों को और भी ज़्यादा खोज योग्य बनाता है, जिससे ग्राहक उत्पादों और सेवाओं के लिए तुरंत, सुरक्षित तरीके से ऑर्डर और भुगतान कर सकते हैं। एचडीएफसी बैंक की यह पेशकश एसएमई को बड़े निवेश, जटिल उपकरणों या तकनीकी कौशल की आवश्यकता के बिना, स्थानीय डिजिटल कॉमर्स का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने में मदद करेगी। एचडीएफसी बैंक के भुगतान और प्रत्यक्ष बैंकिंग चैनल प्रमुख, रजनीश प्रभु ने इस अवसर पर बताते हुए कहाः ÷एचडीएफसी बैंक में, हमारा विज़न प्रत्येक व्यापारी को ऐसी तकनीक से सशक्त बनाना है जो उनके व्यवसाय के विकास में मदद करे और ग्राहकों का विश्वास बढ़ाए। हमारे स्मार्टहब व्यापार ऐप के साथ, हमने व्यापारियों के लिए डिजिटल भुगतान स्वीकृति को सरल बनाया है और अब माई बिज़नेस क्यूआर के साथ, हम एक ऐसा समाधान पेश कर रहे हैं जो व्यापारियों को डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपने व्यवसाय के विकास को बढ़ावा देने के लिए एक आधार प्रदान करता है। जीएफएफमें यह लॉन्च सरल, समावेशी तकनीकी समाधानों के माध्यम से छोटे व्यवसायों को बढ़ने में मदद करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। व्यापरीफाई की संस्थापक रूबी जैन ने इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए कहा, व्यापरीफाई में, हमारा मिशन हर छोटे व्यवसाय को एक सरल डिजिटल पहचान प्रदान करना रहा है।

उद्यम लर्निंग फाउन्डेशन उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा की, इस्त्री प्रोजेक्ट को बढ़ाकर 5 शहरों में विस्तारित किया

उद्यम लर्निंग फाउन्डेशन के इस्त्री प्रोजेक्ट से देशभर के इस्त्रीवालों की आय में 100 करोड़ की बढ़ोतरी

रायपुर। देश भर में इस्त्री करने वाले स्ट्रीट वेंडर्स को कुल आय में रु 100 करोड़ की बढ़ोतरी के लिए सक्षम बनाया है। इस अवसर पर कृष्णन रंगनाथन, सह-संस्थापक, उद्यम लर्निंग फाउन्डेशन ने कहा, ''उद्यम में हमारा मानना है कि नैनो-उद्यमी भारत की अर्थव्यवस्था का आधार हैं, अगर इन्हें सही सहयोग मिले तो ये बड़ी आबादी के जीवन में सुधार ला सकते हैं। इस्त्री प्रोजेक्ट के साथ रु 100 करोड़ का आंकड़ा पार करना न सिर्फ हमारे लिए बल्कि हज़ारों वेंडर्स के लिए भी गौरव की बात है, जिन्होंने इस बदलाव को अपनाया है। यह दर्शाता है कि किस तरह स्थानीय आजीविका के समाधान राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव उत्पन्न कर, आय, स्वास्थ्य एवं पर्यावरणी परिणामों में सुधार ला सकते हैं।' सायरिल जोसेफ़ प्रोग्राम हैड, इस्त्री प्रोजेक्ट, उद्यम व्यापार ने कहा, ''यह उपलब्धि उन हज़ारों वेंडर्स से जुड़ी है, जिन्होंने हम पर भरोसा किया और कोयले को छोड़कर एलपीजी को अपनाया। उन्होंने महसूस किया है कि वे किस तरह अपने कारोबार में बदलाव ला सकते हैं। इस्त्री प्रोजेक्ट की शुरूआत एक सरल विचार के साथ हुई थी, स्ट्रीट वेंडर्स को उनकी उत्पादकता बढ़ाने एवं ईंधन की लागत में सुधार लाने के लिए मदद करना। आज यह एक आंदोलन बन चुका है और उनकी आजीविका के साथ-साथ पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर रहा है।'इस्त्री प्रोजेक्ट गलियों में इस्त्री करने वालों को कोयले के बजाए रियायती दरों पर एलपीजी आधारित आयरन बॉक्स उपलब्ध कराकर सदियों पुरानी इस्त्री उद्योग में बदलाव लाया है। इस इनोवेशन के चलते इन स्ट्रीट वेंडर्स की ईंधन की लागत कम होकर तकरीबन आधी हो गई है और उनकी उत्पादकता भी दिन में 2 घण्टे तक बढ़ गई है। इस तरह न सिर्फ वे अधिक ग्राहकों को सेवाएं प्रदान कर पाते हैं बल्कि उनकी कमाई भी बढ़ जाती है। कोयले के बजाए एलपीजी की इस्त्री इस्तेमाल कर वे स्वच्छ ईंधन को अपना रहे हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर भी प्रभाव कम हुआ है। पिछले 4 सालों में उद्यम व्यापार ने 'इस्त्री प्रोजेक्ट' को 1 शहर से बढ़ाकर 5 शहरों में विस्तारित कर लिया है, तथा 8000 से अधिक वेंडर्स को एलपीजी आयरन बॉक्स अपनाने में मदद की है। इससे उनकी कमाई 25 फीसदी बढ़ी है, साथ ही कार्बन डाई ऑक्साईड के उत्सर्जन में भी सालाना 6000 टन से अधिक की कमी आई है। रु 100 करोड़ की इस उपलब्धि के साथ उद्यम व्यापार अब इस प्रोजेक्ट को और आगे बढ़ाने तथा देश भर के इस्त्री वेंडर्स को सशक्त बनाने के लिए उत्साहित है। उद्यम का उद्देश्य अगले दशक में भारत को कोयले वाली इस्त्री से मुक्त करना है। इसी दृष्टिकोण को साकार करने के लिए संगठन अपने जैसी सोच वाले साझेदारों, समाज प्रभाव संगठनों, परोपकारी संगठनों, सीएसआर और सरकार के साथ हाथ मिला रहा है।

सोनीपत पहुंचे केंद्रीय मंत्री गडकरी ने किसानों से पराली ना जलाकर पराली का उपयोग करने का आह्वान किया

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा देश के पहले वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी स्वैपिंग एवं चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन

सोनीपत। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि हवाई ईंधन बनाने में जल्द ही भारत अग्रणी देश बनेगा। आज सोनीपत पहुंचे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने किसानों से पराली ना जलाकर पराली का उपयोग करने का आह्वान किया। सोनीपत के गनौर के पास जीटी रोड पर सटे गांव पांची गुजरान स्थित दिल्ली इंटरनेशनल कार्गो टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (डीआईसीटी) में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भारत के पहले वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी स्वैपिंग एवं चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया।

इस दौरान जिले के बीजेपी नेता भी कार्यक्रम में मौजूद रहे, इस दौरान उन्होंने मंच से कहा कि वो दिन दूर नहीं जब भारत हवाई ईंधन बनाने में नंबर वन होगा और उन्होंने किसानों को आह्वान किया कि वो पराली जलाने की जगह उसका प्रयोग करना चाहिए ताकि वो ईंधन बनाने में इसका प्रयोग किया जा सके और किसान इससे आर्थिक मजबूत हो सके।

सोनीपत के गांव पांची गुजरान स्थित दिल्ली इंटरनेशनल कार्गो टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (डीआईसीटी) में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भारत का पहले वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी स्वैपिंग एवं चार्जिंग स्टेशन का किया उद्घाटन , इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था है, हमारी लॉजिस्टिक कॉस्ट चीनी से दोगुनी है ,हमारी सरकार ईंधन में बदलाव करने जा रही है ,हमारी सरकार बायो फील में बदलाव कर रही है मैं किसान हूं और किसान अब ईंधन दाता होगा ,पराली से भी अब ईंधन बनाने का काम हो रहा है। महाराष्ट्र में नागपुर और जबलपुर रोड भी पराली से बनाया जा रहा है ,हमारे देश में 50 लाख टन पराली का काम बिटकीवन बनाया जा रहा है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बिना प्रदूषण के ईवी वाहन चलेंगे। अब ईंधन में भी बचत होगी क्योंकि अब देश में हाइवे सुपर फास्ट हुए हैं,सभी कंपनियों में अब कंपटीशन होगा ,वो दिन दूर नहीं है जब डीजल से मुक्ति मिलेगी ,जल्द ही मेक इन इंडिया पर ध्यान देने की जरुरत है।

एयर इंडिया और ताइवान की एयरलाइन के बीच पार्टनरशिप का ऐलान

नई दिल्ली। भारत की एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने आज ताइवान की स्टारलक्स एयरलाइंस के साथ एक नई इंटरलाइन पार्टनरशिप की घोषणा की है।

इससे पूरे एशिया में यात्रा करने वाले लोगों को एक और एयरलाइन का विकल्प मिलेगा। दोनों एयरलाइनों के बीच हुए इस समझौते के बाद एयर इंडिया और स्टारलक्स की उड़ानों की सेवा का लाभ उठाने के लिए एक ही टिकट बुक करनी होगी। एक ही एयरलाइन की टिकट बुकिंग के जरिए आपको दोनों में से किसी भी एयरलाइन की सर्विस का लाभ मिल सकेगा। एयर इंडिया के यात्री हांगकांग, बैंकॉक, सिंगापुर, हो ची मिन्ह सिटी और कुआलालंपुर जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई शहरों से होते हुए ताइपे पहुंच सकेंगे। इसके अलावा, स्टारलक्स के ग्राहक हांगकांग, बैंकॉक, सिंगापुर, हो ची मिन्ह सिटी और कुआलालंपुर में साझा गेटवे के माध्यम से दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु के लिए सीधी फ्लाइट का आनंद ले सकेंगे। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा, हमें स्टारलक्स एयरलाइंस के साथ साझेदारी करने में खुशी है, जो ताइवान की एक फुल-सर्विस लक्जरी एयरलाइन है।

यह समझौता एयर इंडिया की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि हम अपने यात्रियों को प्रीमियम अनुभव प्रदान करने के लिए हमेशा प्रयासरत हैं। ताइवान की स्टारलक्स एयरलाइंस एक बुटीक इंटरनेशनल एयरलाइन है, जो ताइवान से अमेरिका, जापान, मकाऊ, हांगकांग, वियतनाम, थाईलैंड, फिलीपींस, मलेशिया, इंडोनेशिया और सिंगापुर तक 30 से ज्यादा मार्गों पर सर्विस देती है। बता दें, इस इंटरलाइन पार्टनरशिप के तहत फ्लाइट्स की बुकिंग दुनिया भर के ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से पहले से ही उपलब्ध है। इसके अलावा, एयर इंडिया ने घोषणा की है कि इस नई साझेदारी के लिए बुकिंग जल्द ही सीधे उसकी आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से उपलब्ध होगी, ताकि सफर करने वाले यात्रियों को आसानी हो।

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को 100 रन से हराया

गुवाहाटी। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 में न्यूजीलैंड को 2 हार के बाद पहली जीत मिली है। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में टीम ने बांग्लादेश को 100 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। शुक्रवार को न्यूजीलैंड ने 227 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश टीम 127 रन बनाकर सिमट गई। न्यूजीलैंड के लिए कप्तान सोफी डिवाइन ने 63 और ब्रूक हालिडे ने 69 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में ली तहुहु और जेस केर ने 3-3 विकेट लिए। बांग्लादेश से राबेया खान ने 3 विकेट लिए। न्यूजीलैंड की खराब शुरुआत टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 38 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए। जॉर्जिया प्लिमर 4 और अमीलिया केर 1 रन बनाकर आउट हुईं। दोनों को राबेया खान ने पवेलियन भेजा। सूजी बैट्स 29 रन बनाने के बाद रन आउट हुईं। 11वें ओवर में 3 विकेट गिर जाने के बाद कप्तान सोफी डिवाइन और ब्रूक हालिडे ने टीम को संभाल लिया। दोनों ने फिफ्टी पार्टनरशिप की और टीम को 100 रन के पार पहुंचा दिया। हालिडे ने हाफ सेंचुरी भी लगा दी। सेंचुरी पार्टनरशिप के बाद हालिडे आउट हालिडे 104 गेंद पर 69 रन बनाकर आउट हुईं। उन्होंने डिवाइन के साथ 112 रन की पार्टनरशिप की। उनके बाद डिवाइन भी 63 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं।

एकता कपूर ने अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से मांगी माफी

टीवी इंडस्ट्री की चीन एकता कपूर ने एक वीडियो जारी करते हुए उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है, जिनकी उन्होंने वर्षों से आलोचना की है। इसकी वजह भी सामने आ गई है। टेलीविजन और फिल्म निर्माता एकता कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर एक वीडियो अपलोड किया। इसमें एकता कहती हैं, विज्ञापनों में अपने हालिया विवाद के बाद मैं उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगना चाहती हूं, जिनसे मैंने कहा था, आपका अभिनय उम्मीद के मुताबिक नहीं था। मुझे सच में खेद है। दरअसल, हाल ही में एकता कपूर कई तरह के उत्पादों के विज्ञापनों में नजर आई थीं। इनमें एक विज्ञापन में उन्होंने दावा किया था, 'मैंने दुनिया को के-ड्रामा दिया', जो उनके मशहूर टीवी सीरियल्स 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'कहानी घर घर की', 'कुसुम' और 'पवित्र रिश्ता' की तरफ इशारा था। इनमें से कुछ में वह कहती दिखी थीं।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 3 विकेट से हराया

विशाखापत्तनम। महिला विश्व कप 2025 के बेहद अहम मुकाबले में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम द्वारा दिए 252 रन के लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 48.5 ओवर में 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया। 252 का लक्ष्य हासिल करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वार्ट के 111 गेंद पर 70, नादिन डी क्लर्क के 54 गेंद पर नाबाद 84, और क्लो ट्रायोन के 66 गेंद पर 49 रन की पारी की मदद से 48.5 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 252 रन बनाकर मैच जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका एक समय 142 पर 6 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। इस समय मैच भारत की तरफ मुड़ता हुआ दिख रहा था। लेकिन ट्रायोन और क्लर्क ने सातवें विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम की जीत के मंसूबे पर पानी फेर दिया। क्लार्क ने 54 गेंद पर खेली 84 रन की नाबाद पारी में 5 छक्के और 8 चौके लगाए। इससे पहले एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 251 रन बनाए थे। भारतीय टीम को प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने गंभीर शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 55 रन जोड़े। मंधाना 23 रन बनाकर आउट हुईं। प्रतिका भी 37 रन बनाकर आउट हुईं। इन दोनों के अलावा टॉप ऑर्डर के सभी बल्लेबाज फ्लॉप रहे। हरलीन देओल 13, कप्तान हरमनप्रीत कौर 9, और जेमिमा रोड्रिग्स 0 पर आउट हुईं।

फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर, स्कॉटलैंड नीदरलैंड्स और डेनमार्क का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर में स्कॉटलैंड ने ग्रीस पर 3-1 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अपनी संभावनाओं को मजबूत किया है। वहीं, नीदरलैंड्स, डेनमार्क और ऑस्ट्रिया ने अपने प्रदर्शन से फैंस को प्रभावित किया।ग्रुप-सी के मुकाबले में हैम्पडेन पार्क में अपने पिछले दौरे में 3-0 से जीत हासिल करने वाली ग्रीस की टीम ने इस मैच में भी शानदार शुरुआत की। कोस्टास सिमिकास ने 62वें मिनट में गोल करते हुए ग्रीस को 1-0 से बढ़त दिलाई। हालांकि, ग्रीस की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई। स्कॉटलैंड की ओर से रयान क्रिस्टी ने दो मिनट बाद (64वें मिनट) ही नजदीकी रेंज से गोल दागा। लुईस फर्ग्यूसन ने 80वें मिनट में गोल करते हुए स्कॉटलैंड को 2-1 से बढ़त दिला दी। ग्रुप-सी के एक अन्य मैच में रासमस होजलुंड ने दो गोल दागकर डेनमार्क को हंगरी के खिलाफ 6-0 से जीत दिलाई। इसी के साथ जर्मनी ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि स्कॉटलैंड, ग्रीस और बेलारूस क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर मौजूद हैं।

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन :-0771-2990592 email-mdcgmandiboard@gmail.com, Website-www.agriportal.cg.nic.in
क्र./बी-6/मंडी डोंगरगांव/48-2/2024-25/5470 रायपुर, दिनांक 09/10/2025

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति डोंगरगांव जिला राजनांदगांव अंतर्गत छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा आनलाईन निविदाएं छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से प्रपत्र ''अ'' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

आनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 04.11.2025
फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि - 11.11.2025

क्र.	कार्य का नाम/स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस.ओ.आर. विवरण
1	ग्राम महरूम के बाजार चौक से दुर्गा चौक तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	10.71	लो.नि.वि. सड़क कार्य हेतु दिनांक 01.01.2025 से प्रभावशील एस.ओ.आर. पर
2	धान खरीदी केन्द्र ग्राम धनगांव में खाद गोदाम निर्माण कार्य।	12.11	लो.नि.वि. भवन कार्य हेतु दिनांक 01.01.2015 एवं विद्युत कार्य हेतु 01.07.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर. पर
3	धान खरीदी केन्द्र ग्राम उमरवाही में खाद गोदाम निर्माण कार्य।	12.11	
4	धान खरीदी केन्द्र कुहीकला में किसान कुटीर निर्माण कार्य।	13.10	

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते हैं।

सही/-
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति डोंगरगांव
जिला राजनांदगांव

संवाद-45559/2

सही/-
भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति डोंगरगांव
जिला राजनांदगांव

कार्यालय कलेक्टर, जिला-सक्ती एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग
प्रारंभिक अधिसूचना

सक्ती, दिनांक 24/09/2025

क्रमांक/4495/अ-82/2024-2025 चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे अनुसूची के कालम (1) से (5) में दर्शित भूमि की अनुसूची के कालम (7) में दर्शित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 कहा जाएगा) की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है, कि राज्य शासन एतद् द्वारा अनुसूची के कालम (6) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 12 के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता हैं :-

-: अनुसूची :-

भूमि का प्रकार					धारा 12 द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम/प.ह.नं.	खसरा नंबर	क्षेत्रफल (हे.में)		
1	2	3	4	5	6	7
सक्ती	चन्द्रपुर	पलसदा प.ह.नं. 10	कुल खसरा संख्या 2	0.104	कार्यपालन अभियंता केलो परियोजना निर्माण संभाग लाखा अ.मु.- खरसिया, जिला-रायगढ़	केलो परियोजना के अंतर्गत अमलीपाली माइनर 02 नहर हेतु

2. यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि में कोई हितबद्ध व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता, लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाधात के निष्कर्षों के बारे में अपना दावा/आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम 2013 की धारा-15 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा।
3. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डभरा के कार्यालय में किया जा सकता है।
4. प्रस्तावित भू-अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नहीं है।
5. प्रस्तावित प्रयोजन भूमि अर्जन को भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (संख्या 30 सन 2013) के अध्याय 2 एवं 3 के प्रावधानों के तहत सिंचाई परियोजनाओं की बाबत जहां तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों के अधीन पर्यावरणीय समाधात की प्रक्रिया की अपेक्षा की जाती है इस अधिनियम के समाजिक समाधात निर्धारण के उपबंध लागू नहीं होंगे। प्रस्तावित अधिग्रहण हेतु भूमि का विस्तार क्षेत्र ऐसी परियोजनाओं के लिए आवश्यक न्यूनतम भूमि है, विकल्प में कोई बंजर भूमि जिसमें पड़त भूमि सम्मिलित है। उक्त परियोजना हेतु उपलब्ध नहीं है।
6. प्रस्तावित भू-अर्जन के लिए अधिनियम 2013 की धारा -43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डभरा जिला सक्ती (छ.ग.) को पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन प्रशासक नियुक्त किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(अमृत विकास तोपनो)
कलेक्टर
जिला- सक्ती (छ.ग.)
एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन,
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

(बालेश्वर राम)
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
एवं भू-अर्जन अधिकारी डभरा

जी-252604067/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय, मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in
(निविदा सूचना आमंत्रण)

निम्नलिखित कार्यों के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती है जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :-

निविदा सिस्टम नं. निविदा सूचना क्र./दिनांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	निविदा आनलाईन पर आमंत्रित पर अंतिम तिथि
निविदा सिस्टम नं.-177082 06/वलेस/2025-26 दिनांक 08.10.2025	कबीरधाम जिले के विकासखण्ड पंडरिया की आगर नदी पर ग्राम- छीरपानी के पास एनीकट निर्माण कार्य **(प्रथम आमंत्रण)**	रु. 350.66 लाख	**29.10.2025**
निविदा सिस्टम नं.-177083 07/वलेस/2025-26 दिनांक 08.10.2025	कबीरधाम जिले के विकासखण्ड बोड़ला की सकरी नदी पर ग्राम-रेंगाखार पंचायत के आश्रित ग्राम कोडार में तटबंध निर्माण कार्य **(प्रथम आमंत्रण)**	रु. 340.78 लाख	**29.10.2025**
निविदा सिस्टम नं.-177132 08/वलेस/2025-26 दिनांक 08.10.2025	कबीरधाम जिले के विकासखण्ड-कवर्धा की नेवारी जलाशय के मिट्टी के बांध का जीर्णोद्धार, 10 नग वेस्ट वियर की मरम्मत, 01 नग हेड स्लूस का पुनर्निर्माण, मुख्य नहर के आर.डी. 0 मीटर से 3420 मीटर तक एवं माईनर नहर के आर.डी. 0 मीटर से 1260 मीटर तक रिमाडलिंग एवं लाईनिंग कार्य, साथ ही 03 नग फाल, 05 नग व्ही.आर.बी. का निर्माण, पुरानी संरचनाओं की मरम्मत एवं कोलाबा फिक्सिंग कार्य। **(प्रथम आमंत्रण)**	रु. 323.17 लाख	**29.10.2025**

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **15.10.2025** 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किए जा सकते हैं।

नोट :- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

जी-252604046/5

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय कलेक्टर जिला रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग
अधिसूचना

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 202507042100033/अ-82/2024-25 चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे अनुसूची के कालम (1) से (5) में दर्शित भूमि की अनुसूची के कालम (7) में दर्शित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013, जिसे एतद पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा, की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है, कि राज्य शासन एतद् द्वारा अनुसूची के कालम (6) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 12 के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :-

अनुसूची

भूमि का प्रकार					धारा 12 द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम/ प.ह.नं.	खसरा नं.	रकबा (हे. में)		
1	2	3	4	5	10	11
रायगढ़	पुसौर	त्रिभौना / 38	22/1ख	0.048	कार्यपालन अभियंता केलो परियोजना सर्वेक्षण संभाग रायगढ़ जिला रायगढ़ (छ.ग.)	केलो परियोजना तेलीपाली वितरक नहर के त्रिभौना लघु नहर निर्माण हेतु
			कुल खसरा संख्या 01 कुल रकबा 0.048 हे.			

2. यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि में कोई भी हितबद्ध व्यक्ति इस अधिसूचना की प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता, लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाधात निर्धारण के निष्कर्ष के बारे में अपना दावा/आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम 2013 की धारा 15 उपधारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा।
3. भूमि का नक्शा/ प्लान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रायगढ़, के कार्यालय में देखा जा सकता है।
4. प्रस्तावित भू-अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नहीं है।
5. प्रस्तावित भू-अर्जन के लिए अधिनियम 2013 की धारा 43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रायगढ़ जिला रायगढ़ को पुनर्वास और पुनर्वस्थापन प्रशासक नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(मयंक चतुर्वेदी)
कलेक्टर रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव
छ.ग. शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

प्रति हस्ताक्षर
अ.वि.अ. (रा.) एवं
भू-अर्जन अधिकारी रायगढ़ (छ.ग.)

जी-252604094/2

खरसी की राख से फिंगर प्रिंट में उपयोग होने वाले पाउडर बनाने के लिए मृणाल व ओजल को कापीराईट

महासमुंद/नवप्रदेश। जयपुर के विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी में फोरेंसिक विज्ञान की पढ़ाई कर रही मृणाल विदानी और ओजल चंद्राकर को भारत सरकार से एक और कापी राईट मिला है। इस बार इन्हें गोबर खरसी की राख से फिंगर प्रिंट में उपयोग होने वाले पाउडर बनाने के लिए कापीराईट मिला है। जबकि हाल ही में दोनों को चेंच भाजी से फोरेंसिक पाउडर बनाने के लिए भारत सरकार से कापीराईट मिला था। उससे पहले मृणाल ने छत्तीसगढ़ में पाये जाने वाले कोसे से फोरेंसिक ब्रश बनाया था, जिस पर भी भारत सरकार से उन्हें कापीराईट मिला था।

मृणाल विदानी और ओजल की इस उपलब्धि पर कॉलेज की प्रोफेसर डा. उमैमा अहमद, प्रोफेसर पूजा रावत, प्रोफेसर सहर नकवी, प्रोफेसर अनु हूडा, प्रोफेसर श्रेया घोष,प्रोफेसर डॉ. माथुर, प्रोफेसर डॉ. डागा समेत प्रोफेसरों की टीम व कालेज प्रबंधन ने बधाईयां दी हैं और कहा है कि छत्तीसगढ़ की दोनों बेटियों ने अपनी मेहनत से कॉलेज ही नहीं बल्कि अपने शहर और देश का मान बढ़ाया है। बच्चों की ऐसी वैज्ञानिक सोच से भारत के न्यायालिक प्रक्रिया में आसानी होगी।

मालूम हो कि गोबर के कंडे का उपयोग इसमें नहीं हुआ है बल्कि बगैर कोई चीज मिक्स किए ही गोबर को सूखाया गया है। अच्छी तरह सूखने के बाद उसे तेज आंच में जलाया गया है। इस बात का ध्यान रखा गया है कि जलते वक्त राख में किसी भी पदार्थ का गुण समावेश न हो। तत्पश्चात उस पाउडर को फोरेंसिक पाउडर बनाने की प्रक्रिया विवेकानंद ग्लेबल यूनिवर्सिटी में शुरू हुई और लंबी तैयारियों के बाद फाइलों के साथ उसे भारत सरकार को भेजा गया। वहां भी चार महीने तक उस महीन पाउडर को लेकर वैज्ञानिकों ने प्रैक्टिकल किया और अंततः उसे भी कापीराइट दे दिया गया। मृणाल और ओजल की इस सफलता के लिए सांसद रूपकुमारी चौधरी,राज्य

वेयरहाउस कार्पोरेशन के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, पूर्व सांसद चुन्नी लाल साहू, बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, पूर्व राज्यमंत्री पूनम चंद्राकर, पूर्व संसदीय सचिव विनोद चंद्राकर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने बधाईयां दी हैं।

हम जो भी खोज करें, उसके मूल में छत्तीसगढ़ होना चाहिए : मृणाल

कई-कई उपायों से कभी पाउडर तो कभी ब्रश बनाने वाली मृणाल विदानी का कहना है कि अभी हमारे पास न्यायालिक प्रकिया में बहुत से संसाधनों की और जरूरत है। हमारी कोशिश है कि हम जो भी खोज करें, उसके मूल में छत्तीसगढ़ होना चाहिए। जो फोरेंसिक ब्रश मैंने बनाया वह मूलतः छत्तीसगढ़ में मिलने वाले कोसे का है। अभी हाल ही में हमने छत्तीसगढ़ की लोकप्रिय भाजी चेंच से फोरेंसिक पाउडर बनाया और अब गोबर की खरसी का पाउडर बना लिया।

भारत की न्यायपालिका में होगा तो हम समझेंगे कि मेहनत काम आई: ओजल

चेंच भाजी और गोबर खरसी से फोरेंसिक पाउडर बनाने वाली ओजल चंद्रकार का कहना है कि हमारे कालेज के प्रोफेसर जब भी हमें कुछ नया करने के लिए कहते हैं तो हम सीधे अपने राज्य में उपलब्ध चीजों के बारे में ध्यान करते हैं और जो मुफ्त में अथवा सस्ते में मिलने वाली चीजे हैं, उसका उपयोग कर हम देश की पटल पर रखते हैं। घर-परिवार में भी माहौल बढ़िया मिल जाता है तो ही हम कुछ पाते हैं।

न्यूज गैलरी

रास्ते से हटने की मामूली बात पर चाकू से हमला, युवक की मौत

महासमुंद/नवप्रदेश। रास्ते से हटने की मामूली बात पर तीन युवकों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को पहले मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रिफर कर दिया गया। जहाँ इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफहत्या का मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बिरकोनी निवासी श्याम सुंदर ढीढी ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई कि उनका भाई मुकेश ढीढी (20) मनोरमा कंपनी में फीडर का काम करता था। शुक्रवार को वह काम कर वापस आ रहा था कि रात में घोड़ारी के पास महादेव रायपुर निवासी आर्यन सोनवानी, कुटेला आरंग निवासी राकेश मारकंडे व नदी मोड़ निवासी आकाश ध्रुव ने रास्ता रोककर रास्ते से हटने को लेकर विवाद किया। विवाद के दौरान उन्होंने मुकेश पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके पेट, छाती व अन्य शरीर के हिस्से में गंभीर चोटें आई थी।

फटाका दुकान का आबंटन अब 13 अक्टूबर को

राजनांदगांव/नवप्रदेश। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली में फटाका दुकान लगाया जाना है इस वर्ष की प्रक्रिया के तहत नगर निगम द्वारा फटाका दुकान के लिए लायसेंसी फटाका व्यापारियों से आवेदन 10 अक्टूबर को शाम 1.00 बजे तक वर्तमान लायसेंस के प्रति के साथ आमंत्रित किये गये थें। आवेदनों के परीक्षण उपरांत दुकानों का आबंटन लाटरी के माध्यम से 10 अक्टूबर को दोपहर 4:00 बजे नगर निगम के सभागृह में किया जाना था। इस संबंध में निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने बताया कि अपरिहार्य कारणों से 10 अक्टूबर का फटाका दुकान हेतु भूखण्ड आबंटन की कार्यवाही स्थगित की जाती है। उक्त आबंटन अब दिनांक 13 अक्टूबर 2025 को दोपहर 4:00 बजे पूर्व नियत स्थल नगर निगम सभागृह में किया जायेगा। फटाका व्यवसायियों को पूर्व निर्धारित दर 4620.00 रूपये का रसीद लेकर लाटरी में उपस्थित होना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि नियम व शर्तो की विस्तृत जानकारी राजस्व विभाग के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है, जिसका अवलोकन किया जा सकता है।

सोलर रूफटॉप से घर बना मिनी पावरहाउस

रायपुर/ नवप्रदेश। सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना के चालू होने के एक वर्ष के भीतर ही शानदार परिणाम सामने आए हैं। जहाँ परिवार की औसत मासिक खपत लगभग 1200 यूनिट है, वहीं सोलर पैनल

850 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन हर माह कर रहा है। यानी उनकी कुल खपत का करीब 70 प्रतिशत बिजली अब सूर्य से प्राप्त हो रही है। श्रीमती सिंह ने मुस्कराते हुए कहा कि पहले हम सिर्फ बिजली जलाते थे, अब हम इसे बनाते भी हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना के तहत एक महिला उपभोक्ता ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। खैरागढ़ के गंजीपारा निवासी भारती सिंह ने अपने घर की छत पर 10 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर अपने घर को एक मिनी पावरहाउस में बदल दिया है। समाचार माध्यमों के जरिए योजना की जानकारी मिलते ही श्रीमती सिंह ने तुरंत पहल की। लगभग 6 लाख रूपए की लागत से स्थापित यह प्रणाली उनके घर को न सिर्फबिजली उपभोक्ता बल्कि उत्पादक भी बना रही है।

''गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की कमी लाने'' विषय पर नवाचार को मिली पहचान

कोंडागांव जिले को नीति आयोग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार

रायपुर/ नवप्रदेश। कोंडागांव जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा आयोजित नीति फॉर स्टेपट्स' - 'यूज केस चैलेंज अवॉर्ड्स' में कोंडागांव जिले को 'स्वास्थ्य एवं पोषण' श्रेणी में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

यह सम्मान जिला कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना को एलबीएसएनएए मसूरी में आयोजित समारोह में नीति आयोग के सीईओ बी. वी. आर. सुब्रमण्यम और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के डायरेक्टर श्रीराम तरणीकांति द्वारा प्रदान किया गया। यह पुरस्कार जिले द्वारा प्रस्तुत Reducing Anaemia in Pregnant Women (गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की कमी

लाने) संबंधी पहल के लिए दिया गया, जिसमें डेटा-आधारित विश्लेषण, नवीन हस्तक्षेप, सतत निगरानी और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए गए हैं।

जिले में संचालित इस पहल के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं में रक्ताल्पता की दर में कमी लाने के लिए स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का समन्वित रूप से संचालन किया गया। इस नवाचार के परिणामस्वरूप जिले में स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। नीति आयोग द्वारा इस उपलब्धि को आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम के तहत एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में चयनित किया गया है।

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने इस सम्मान को जिले की संपूर्ण टीम, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और समुदाय के सहयोग को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि कोंडागांव की टीम भावना और सामुदायिक सहभागिता का परिणाम है। हमारा उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सतत सुधार लाना है। यह सम्मान न केवल कोंडागांव जिले के लिए, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गौरव का विषय है।

वन मंत्री केदार ने कुम्हाररास डेम में 'बंबू राफ्टिंग' का किया शुभारंभ

दंतेवाड़ा/ नवप्रदेश। जिले के ग्राम कुम्हाररास डेम में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 'बंबू राफ्टिंग' का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के वन मंत्री एवं दंतेवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने बम्बू राफ्टिंग का उद्घाटन कर नौका विहार का आनंद लिया। कार्यक्रम में विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुडामी, वन विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

उद्घाटन अवसर पर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि 'बंबू राफ्टिंग' जैसी पहल ईको टूरिज्म आधारित आजीविका को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि बांस हमारे प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता और हरित अर्थव्यवस्था का प्रतीक है। इसके माध्यम से ग्रामीणों और युवाओं को नए

रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री कश्यप, विधायक अटामी और जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने नौका विहार का आनंद लिया तथा स्थानीय ग्रामीणों से संवाद भी किया। 'बंबू राफ्टिंग' के साथ ही क्षेत्र में बांस से बने उत्पादों के निर्माण, डिजाइनिंग और विपणन में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू करना किसानों से अन्याय : दीपक बैज

रायपुर/नवप्रदेश। सरकार द्वारा धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू किये जाने का फैसला सरकार का गलत निर्णय है। कांग्रेस इसका विरोध करती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि धान खरीदी 1 नवंबर से शुरू किया जाना चाहिये। 1 नवंबर तक किसानो का धान खेतो से खलिहान में आकर बेचने के लिये तैयार हो जाता है। 15 नवंबर से खरीदी होने पर किसानों को इंतजार करना पड़ेगा। जब से राज्य बना है, राज्योत्सव के दिन से ही धान खरीदी की परंपरा रही है। साय सरकार पिछले दो साल से 15 दिन देरी से 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू करती है। ताकि कम किसानो

का धान खरीदना पड़े।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार के तरफसे बयान आया है कि अभी तक 21 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है, जबकि पिछले साल लगभग 28 लाख किसानों ने धान बेचा था। मतलब अभी तक 7 लाख से अधिक किसानों का पंजीयन नहीं हो पाया है। एग्री स्टेक पंजीयन में आ रही परेशानी के कारण किसानों का पंजीयन नहीं हो पाया है। जिनका एग्री स्टेक पोर्टल में पंजीयन नहीं हो पा रहा उनका सोसायटी के माध्यम से पंजीयन कराया जाय। सरकार ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद ब्रीफींग में भी बताया है कि 25 लाख किसानों से धान खरीदेंगे मतलब इस साल सरकार की नीयत पूरे किसानों से धान खरीदी करने की नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पूछा कि डबल इंजन की सरकार यह बताये कि इस वर्ष कितना धान खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया हैं। इस वर्ष धान खरीदी के लिये कितने बारदाना की आवश्यकता होगी।

मूल्य आधारित शिक्षा से ही राष्ट्र होगा सशक्त और समाज बनेगा स्वच्छ : गजेन्द्र यादव

▶ अभ्युदय संस्थान, अछोटी में चेतना विकास एवं मूल्य आधारित शिक्षा पर कार्यशाला आयोजित

रायपुर/ नवप्रदेश। अभ्युदय संस्थान, अछोटी में चेतना विकास एवं मूल्य आधारित शिक्षा विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के शिक्षा ,ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंत्री यादव ने शिक्षकों से संवाद करते हुए कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में संस्कार, चेतना और सकारात्मक परिवर्तन का आधार है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत

और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नई शिक्षा नीति में नैतिक शिक्षा, जीवन मूल्यों और व्यवहारिक ज्ञान को विशेष महत्व देने की आवश्यकता है। यादव ने शिक्षकों से आवाहन किया कि वे विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को प्राथमिकता दें, ताकि आने वाली पीढ़ी विकसित छत्तीसगढ़ और सशक्त भारत निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सके।

मंत्री यादव ने कहा कि स्वच्छ समाज की नींव सशक्त शिक्षा व्यवस्था पर ही आधारित है। जब विद्यालयों में संस्कार, अनुशासन और सेवा भाव का वातावरण विकसित होगा, तब राष्ट्र भी स्वच्छ, सशक्त और जागरूक बनेगा।

धरसींवा विधायक कार्यालय में लगा अनुज शर्मा का जनदर्शन

धरसीवां/नवप्रदेश। विधायक अनुज शर्मा ने अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगो के बीच पहुँच कर उनकी समस्याएं सुनी तथा उनके निराकरण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आज दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक अपने विधायक कार्यलय में लोगो के बीच रह कर उनकी समस्याओं को सुना और त्वरित समाधान भी किया। उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि जनता की हर समस्या का समाधान सुनिश्चित करना हमारा संकल्प है। हम जनदर्शन के माध्यम से लोगो की छोटी बड़ी समस्याओं का निराकारण किया जाता है। जनदर्शन का उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था में कसावट लाना है। आम

आदमी को छोटे-छोटे काम के लिए भटकना न पड़े, कर्मचारी-अधिकारी नियम-कानून का अड़ंगा लगाकर जनसामान्य को परेशान न करें।आम आदमी को परेशान कर शासन की छवि धूमिल करने वाले अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने सख्त चेतावनी दी है कि क्षेत्र के किसान, गरीब, मजदूर और अंतिम छोर के व्यक्ति को कोई परेशानी न हो, यह अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

विष्णु देव सरकार ने योजनाओं को गति दी

रायपुर/ नवप्रदेश। 1 नवंबर 2000 को मध्य प्रदेश से अलग होकर एक नए राज्य के रूप में स्थापित हुआ छत्तीसगढ़. 15 अगस्त 2025 से लेकर 31 मार्च 2026 तक राज्य के गठन की 25 वीं वर्षगांठ (रजत जयंती) को उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है. इस ऐतिहासिक वर्ष में विकास, गौरव, लोककल्याण और आत्मावलोकन को केंद्र में रखा गया है. इस अवसर पर राज्य की विष्णुदेव साय सरकार ने अपनी योजनाओं को और भी गति दी है. कार्यक्रमों की विशेष रूपरेखा बनाई है जिसमे खास तौर से श्रमिकों तथा असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लोगों पर फोकस रखा गया है.

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित किया और उन्हें राज्य में हो रहे विकास कार्यों, जनकल्याण कार्यक्रमों और रजत जयंती उत्सवों

की रूपरेखा से अवगत कराया.

उन्होंने सरकारी बैठकों में प्रगति की समीक्षा की, पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर दिया और कहा कि सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली को निरंतर विस्तारित किया जाए. जब उन्होंने श्रमिक सम्मेलनों में भाषण दिया, तो उन्होंने श्रमिकों को समाज की रीढ़ कहा और यह वादा किया कि उनकी मेहनत का फल उन्हें सीधा मिलेगा।

छत्तीसगढ़ के गठन के बाद से, राज्य सरकारों ने समय-समय पर श्रमिकों, विशेषकर निर्माण, असंगठित और ठेकेदार श्रमिकों के कल्याण हेतु कई योजनाएं चलाई हैं. लेकिन संस्थागत कार्यान्वयन, फंडिंग, पंजीयन अनियमितताएं आदि चुनौतियां रही हैं।

अटल श्रम सशक्तिकरण योजना

इस योजना के तहत असंगठित श्रमिकों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य, खाद्य और वित्तीय सुरक्षा की सुविधा दी जाती है. राज्य ने 106 निजी अस्पतालों के साथ कैशलेस ट्रीटमेंट व्यवस्था की है, जिससे श्रमिकों के ऊपर से आर्थिक बोझ कम हुआ है. इसके अलावा श्रमिकों को Shramev Jayate पोर्टल के माध्यम से सभी सरकारी योजनाओं से जोड़ने की व्यवस्था डबल इंजन वाली साय सरकार के द्वारा कर दी गई है।

3 करोड़ 81 लाख रुपये की लागत से सड़क के नवीनीकरण कार्य प्रगति पर

रायपुर/ नवप्रदेश। सडकों के जाल बिछने से प्रगति और समृद्धि की नई राहें खुल रही हैं। अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा कही जाने वाली सड़कों और पुल-पुलिया के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इससे प्रदेश की तस्वीर तेजी से बदल रही हैं जो कि आम नागरिकों के जीवन में एक सकारात्मक परिवर्तन भी ला रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों ने अभूतपूर्व गति पकड़ी है।

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

(पीएमजीएसवाई) के तहत सड़कों का निर्माण कार्य लगातार चल रहा है, जिसका उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों को बारहमासी सड़कों से जोड़ना है। अक्टूबर 2025 में, जिले में नई सड़कों की मंजूरी मिली है, जिससे कई गांवों को लाभ होगा। इसी कड़ी में प्रधामनंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड में 3 करोड़ 81 लाख 13 हजार रुपये की लागत से 17.22 किलोमीटर लंबी जामपानी से दुलदुला सड़क का नवीनीकरण कार्य प्रगति पर है। वर्षा समाप्त होने के उपरांत शेष निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। सड़क निर्माण पूर्ण होने पर ग्रामीणों के लिए आवागमन और भी सुगम होगा, जिससे दैनिक जीवन, व्यापार और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान बनेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार अधोसंरचना विकास की दिशा में हो रहे प्रयासों से जिले के दूरस्थ अंचलों तक विकास की रोशनी पहुंच रही है।

पहले दिन प्रदेश के 204 खिलाड़ियों ने शतरंज की बिसात पर दिखाया जौहर

स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट का जशपुर में शुभारंभ

रायपुर/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट का शुभारंभ आज जशपुर के बालाजी मंदिर के पास स्थित कम्युनिटी हॉल में जशपुर विधायक रायमुनी भगत की उपस्थिति में शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की प्रेरणा से छत्तीसगढ़ में खेल संस्कृति विकसित करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में जशपुर में तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ स्टेट चेस एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस टूर्नामेंट में पहले दिन 204 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

विधायक श्रीमती भगत ने शतरंज में हाथ आजमाते हुए औपचारिक रूप से खेल की शुरुआत की और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज का खेल मस्तिष्क का एक व्यायाम है जो भारत में पुराने समय से ही खेला जा रहा है। खेल की इस परंपरा से नागरिकों का परिचय कराना और इस क्षेत्र में प्रतिभावान खिलाड़ियों को उचित मंच प्रदान करना छत्तीसगढ़ की सरकार का उद्देश्य है। इस प्रकार के टूर्नामेंट का आयोजन प्रत्येक वर्ष होना

चाहिए।

कलेक्टर जशपुर ने कहा कि जिले में कि जशपुर में भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी है ,वे आने वाले समय में राष्ट्रीय -अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले को नई पहचान दिलाएंगें और विश्व चौंपियन बनेंगे। पहले दिन दो राउंड में 204 खिलाड़ियों ने शतरंज खेला। इसमें इंटरनेशनल रेटिंग प्राप्त 38 खिलाड़ी भी शामिल है। स्विस लीग पद्धति से आयोजित इस टूर्नामेंट में 08 साउंड के खेल सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेलने होंगे। पूरे 08 राउंड के प्रदर्शन के अनुसार खिलाड़ियों की रैंकिंग तय की जाएगी ।

छत्तीसगढ़ स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट उद्घाटन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जनपद अध्यक्ष गंगाराम भगत, नरेश नंदे, चेस एसोसिएशन के जॉइंट सेक्रेटरी सरोज वैष्णव सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com